बुधवार
03 जून
वर्ष-1
अंक-21

रफ्तार मीडिया

RANCHI, चैत्र कृष्ण पक्ष-12 ₹04 RNI No.-JHHIN/26/A3481 www.raftaarmedia.com

कार्रवाई: सीबीएसई अध्यक्ष और सचिव का तबादला

ओएसएम विवाद के कारण सीबीएसई अध्यक्ष, सचिव का तबादला, राहुल सिंह और हिमांशु गुप्ता का हुआ स्थानांतरण

नई दिल्ली/एजेंसी

ओएसएम विवाद के बीच सीबीएसई के चेयरमैन राहुल सिंह और सचिव हिमांशु गुप्ता का तबादला कर दिया गया है। सीबीएसई द्वारा ऑन-स्क्रीन मार्किंग सेवाओं की खरीद की जांच के लिए एक लिए एक जांच समिति का गठन किया गया है। सीबीएसई के ऑन स्क्रीन मार्किंग सिस्टम में बड़े स्तर पर सामने आई गड़बड़ियों और पुनर्मूल्यांकन से जुड़े पोर्टल के शुरू न होने की शिकायतों के बाद शिक्षा मंत्रालय ने उच्च स्तरीय जांच शुरू कर दी है। जांच रिपोर्ट के बाद जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर पुस्तिकाओं का डाटा पब्लिक डोमेन में

मंत्रालय ने यह कदम ऐसे वक्त उठाया है जब एक रोज पूर्व ही सीबीएसई ने ऑनलाइन मूल्यांकन पोर्टल में सुरक्षा खामी स्वीकार की थी। सीबीएसई ने माना था कि 12वीं बोर्ड की उत्तर पुस्तिकाओं का डाटा पब्लिक डोमेन में होने के दावा सही है।

दस्तावेजों को भी जांचने के आदेश

ओएसएम मूल्यांकन से जुड़ी कोएम्प्ट एडुकेट कंपनी को ठेका दिए जाने की पूरी रिपोर्ट भी तलब की गई है। इसके साथ ही ओएसएम मूल्यांकन से जुड़ी निविदा प्रक्रिया के दस्तावेजों को भी जांचने के आदेश दिए हैं। यह कदम निजी फर्म को ठेका दिए जाने की चयन प्रक्रिया, तकनीकी पात्रता मानदंडों और कथित प्रक्रियागत चूकों को लेकर बढ़ती जांच-पड़ताल और विरोध प्रदर्शनों के बाद उठाया गया है।

मूल्यांकन से प्रभावित छात्रों को जल्द ही राहत

सूत्रों के अनुसार, मंत्रालय इस बात की जांच कर रहा है कि ठेका देते समय खरीद संबंधी मानदंडों और वित्तीय नियमों का पूरी तरह से पालन किया गया था या नहीं।

ओएसएम सिस्टम : कमियों को ठीक कर लिया गया

मूल्यांकन से प्रभावित छात्रों को जल्द ही राहत देने के उपायों पर काम शुरू कर दिया है। जिसमें पुनर्मूल्यांकन को तेजी से कराने सहित काउंसिलिंग के समय को बढ़ाने जैसे उपाय किए जा सकते हैं।

कमियों को ठीक कर लिया गया बता दें कि ओएसएम सिस्टम में खामी को लेकर विपक्ष लगातार सरकार पर हमलावर है और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहा है। इसी के चलते रविवार को सीबीएसई को सफाई देनी पड़ी थी। साथ ही बोर्ड ने दावा किया था कि ऑन मार्क पोर्टल में पहचान की गई कमियों को ठीक कर लिया गया है और अन्य संभावित कमजोरियों की जांच कर इन्हें दूर करने का प्रयास किया जा रहा है।

एडुटेक तेलंगाना के हैदराबाद की कंपनी

एडुटेक तेलंगाना के हैदराबाद की कंपनी है। ये फर्म तेलंगाना, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में डिजिटल इवैल्युएशन का काम करती है। 2019 में इसका नाम ग्लोबरेना टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड था। तब इस पर तेलंगाना में 12वीं के बोर्ड एग्जाम में डेटा प्रोसेसिंग में गड़बड़ी के आरोप लगे थे। उस साल राज्य में 9.74 लाख में से 3 लाख से ज्यादा बच्चे फेल हो गए थे।

संसदीय समिति में 31 सांसद, दिग्विजय अध्यक्ष

संसदीय समिति में लोकसभा और राज्यसभा के कुल 31 सांसद शामिल हैं। कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह इसके अध्यक्ष हैं। समिति शिक्षा से जुड़े मुद्दों की समीक्षा करती है। इसके लिए वह अधिकारियों, संस्थानों और अन्य पक्षों को बुलाकर उनका पक्ष सुन सकती है

एस. राधा चौहान कों सौंपी गई जांच की जिम्मेदारी

नई दिल्ली

क्षमता निर्माण आयोग की अध्यक्ष एस. राधा चौहान को ओएसएम टेंडर मामले की जांच के लिए गठित एक सदस्यीय समिति की अध्यक्ष बनाया गया है। यह नियुक्ति हालिया सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं से जुड़ी तकनीकी गड़बड़ियों और टेंडर प्रक्रिया को लेकर उठे सवालों के बीच हुई है।

कौन हैं एस. राधा चौहान?: श्रीमती एस. राधा चौहान 1988 बैच की उत्तर प्रदेश कैडर की आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने 2024 में सेवानिवृत्ति से पहले कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की सचिव के रूप में कार्य किया। 36 वर्षों से अधिक के समृद्ध अनुभव वाली यह अधिकारी सरकारी खरीद, डिजिटल गवर्नेंस, संस्थागत सुधार और नीति निर्माण के क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता के लिए जानी जाती हैं।

करियर की मुख्य उपलब्धियां सचिव के रूप में उन्होंने मिशन कर्मयोगी और रोजगार मेले जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक लागू किया। गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस की सीईओ के रूप में सरकारी खरीद को पारदर्शी और डिजिटल बनाने में

ओएसएम की गड़बड़ी सामने लाने वाले 2 छात्र, दोनों ने परीक्षा दी

दिल्ली के वेदांत श्रीवास्तव ने भी 12वीं की परीक्षा दी थी। फिजिक्स में 65 नंबर मिले तो उन्होंने आवाज उठाई। रीवैल्युएशन में कॉपी मिली तो गड़बड़ी का पता चला। पहले उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया। ट्रोलर्स ने उन्हें देशद्रोही तक कहा, बाद में बोर्ड ने गलती मानी और माफी मांगी।

सार्थक ने टेंडर में गड़बड़ी निकालीः रांची के 17 साल के सार्थक सिद्धांत टेक रिसर्चर हैं। उन्होंने भी परीक्षा दी थी। उन्होंने एक आम छात्र से आगे बढ़कर एक खोजी पत्रकार/डेटा साइंटिस्ट की तरह काम किया। सीबीएसई की तरफ से जारी पिछले 576 दस्तावेजों का बारीकी से अध्ययन और तुलना कर टेंडर में गड़बड़ी का खुलासा किया।

13 मई- सीबीएसई ने 12वीं बोर्ड परीक्षा के नतीजे घोषित किए।

19 मई- पोस्ट रिजल्ट शिकायतों के समाधान के लिए पोर्टल खोला, लेकिन पहले ही दिन क्रैश हो गया।

ममता का आरोप, दिल्ली से हो रही तृणमूल कांग्रेस को तोड़ने की कोशिश

कोलकाता/एजेंसी

पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हिंसा के आरोपों को लेकर तृणमूल कांग्रेस ने मंगलवार को धर्मतला स्थित वाई चैनल में धरना कार्यक्रम आयोजित किया। पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी ने धरना मंच से भाजपा पर विपक्षी आवाज दबाने का आरोप लगाया। इस दौरान बड़ी संख्या में तृणमूल कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे तथा लगातार जय बांग्ला के नारे लगाए गए। इस दौरान ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी पर गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली के इशारे पर टीएमसी को तोड़ने की कोशिश हो रही है। अपने संबोधन में ममता ने आरोप लगाया कि चुनाव के बाद से ही उन्हें रोकने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि अगर जिंदा रहे तो भाजपा को हटा कर रहेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने तृणमूल के सांसदों और विधायकों को कथित तौर पर धमकाये जाने के भी आरोप लगाये। उल्लेखनीय है कि पुलिस ने मंगलवार को दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक वाई चैनल में धरना कार्यक्रम की अनुमति दी थी। इसके बाद सुबह से ही तृणमूल नेताओं और कार्यकताओं का वहां पहुंचना शुरू हो गया। कार्यक्रम स्थल के आसपास सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे और बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी, विशेष रूप से महिला पुलिसकर्मी, तैनात रहीं। ममता बनर्जी को घेरकर पार्टी के कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। उनके संबोधन के दौरान बार-बार नारेबाजी होने से उन्हें कई बार रुकना पड़ा। बाद में उन्होंने कहा कि तृणमूल के अन्य नेता भी क्रमवार संबोधित करेंगे। इससे पहले तृणमूल ने रानी रासमणि एवेन्यू में धरना देने की घोषणा की थी लेकिन वहां अनुमति नहीं मिलने के कारण विवाद खड़ा हो गया। सोमवार को पुलिस ने सुझाव दिया था कि वाई चैनल में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए अलग से आवेदन करना होगा। इसे लेकर तृणमूल नेताओं ने आपत्ति जताई थी। तृणमूल विधायक कुणाल घोष ने सवाल उठाया था कि पहले से घोषित कार्यक्रम के लिए दोबारा आवेदन करने की आवश्यकता क्यों पड़ी। वहीं, सांसद कल्याण बनर्जी ने आरोप लगाया था कि देर रात ईमेल भेजकर नई अनुमति लेने को कहना विपक्षी स्वर को दबाने की कोशिश है।

अल नीनो की आशंका पर केंद्र अलर्ट, किसान हित सर्वोच्च: शिवराज सिंह

नई दिल्ली/एजेंसी

दक्षिण-पश्चिम मानसून, संभावित अल नीनो प्रभाव, जल उपलब्धता, बीज व्यवस्था, फसल रणनीति और राज्यों की तैयारियों की मंगलवार को कृषि भवन में विस्तृत समीक्षा की गई। इस उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सभी संबंधित केंद्रीय विभागों, राज्य सरकारों को समन्वय और अग्रिम योजना के साथ काम करने के निर्देश दिए।चौहान ने बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि किसानों को घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि मोदी सरकार पूरी सतर्कता के साथ तैयारी कर रही है और लक्ष्य यह है कि मौसम की चुनौती का असर खेत और किसान पर न्यूनतम रहे।

उन्होंने कहा कि किसानों के हित सर्वोपरि हैं और संभावित अल नीनो प्रभाव को देखते हुए सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी की जाएं। बैठक में मौसम पूवार्नुमान, जल उपलब्धता, फसलों की स्थिति, बीज एवं अन्य कृषि आदानों की व्यवस्था, राज्यों की तैयारियों और संभावित प्रतिकूल परिस्थितियों से निपटने की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। चौहान ने स्पष्ट किया कि मौसम संबंधी पूवार्नुमानों को पूरी गंभीरता से लिया जा रहा है, लेकिन किसानों को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।

चुनौतियों का प्रभाव काफी हद तक किया जा सकता है नियंत्रित

केंद्र और राज्य सरकारों के समन्वित प्रयास, बेहतर जल प्रबंधन, उन्नत तकनीक, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और जलवायु-सहनशील कृषि उपायों के कारण संभावित चुनौतियों का प्रभाव काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। उपलब्ध आकलन के अनुसार जलाशयों का भंडारण इस अवधि के सामान्य स्तर के 127.01 प्रतिशत पर है, जिससे खरीफ मौसम में सिंचाई आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी और नमी की कमी के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकेगा।

केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि अब चुनौती केवल वर्षा पूवार्नुमान की नहीं, बल्कि उससे जुड़ी जमीनी तैयारी की है।

उन्होंने निर्देश दिए कि जिन राज्यों और जिलों में कम वर्षा, लंबा ड्राई स्पेल या अल नीनो का अपेक्षाकृत अधिक प्रभाव पड़ने की संभावना है, वहां विशेष निगरानी, सतत समीक्षा और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि जिला स्तर तक आकस्मिक योजनाएं सक्रिय की जाएं और कंटिन्जेंसी प्लान को केवल कागजी कार्यवाही न माना जाए।

जयशंकर ने दक्षिण अफ्रीका के उपराष्ट्रपति माशाटाइल से की मुलाकात

नई दिल्ली

विदेशमंत्री डॉ. एस जयशंकर ने मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका के उपराष्ट्रपति शिपोकसा पॉलस माशाटाइल से मुलाकात की। इस दौरान दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधिमंडल और भारतीय पक्ष के बीच दिल्ली में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई), डिजिटल अवसंरचना तथा रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने के अवसरों पर विचार-विमर्श किया।

विदेशमंत्री ने भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच लंबे समय से चले आ रहे मैत्रीपूर्ण संबंधों का उल्लेख करते हुए साझेदारी को और गहरा करने के लिए दक्षिण अफ्रीका की मजबूत प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा कि व्यापार, निवेश, डिजिटल और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में दोनों देशों के लिए व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। बैठक में इस बात पर भी सहमति बनी कि भारत और दक्षिण अफ्रीका वैश्विक एवं बहुपक्षीय मंचों पर आपसी समन्वय को और मजबूत करेंगे।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन से दक्षिण अफ्रीका के उपराष्ट्रपति ने की मुलाकात

नई दिल्ली/एजेंसी

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और दक्षिण अफ्रीका के उपराष्ट्रपति शिपोकोसा पॉलस माशातिले से मंगलवार को यहां उपराष्ट्रपति भवन में द्विपक्षीय वार्ता की। इस दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, रक्षा सहयोग, कौशल विकास और लोगों के बीच संपर्क को और मजबूत बनाने पर जोर देते हुए भारत-दक्षिण अफ्रीका संबंधों को नई गति देने की प्रतिबद्धता दोहराई। उपराष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच आर्थिक सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। बैठक के दौरान द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। इस दौरान उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने भारत और दक्षिणी अफ्रीकी सीमा शुल्क संघ (सैकू) के बीच प्रस्तावित वरीयता व्यापार समझौते का उल्लेख करते हुए इसके लिए जल्द वार्ता शुरू होने और सफल निष्कर्ष तक पहुंचने की आशा व्यक्त की। दोनों पक्षों ने ब्रिक्स, जी-20, इब्सा और हिंद महासागर रिम संघ जैसे बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग को और मजबूत करने तथा वैश्विक दक्षिण की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने पर भी विचार-विमर्श किया। बैठक में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग का स्वागत किया गया।

दोनों देशों ने भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका की भागीदारी वाले आईबीएसएएमएआर नौसैनिक अभ्यास के आगामी संस्करणों के माध्यम से सहयोग बढ़ाने की इच्छा जताई। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने भारत के चीता पुनर्वास कार्यक्रम के लिए दक्षिण अफ्रीका द्वारा चीतों की आपूर्ति में दिए गए सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

जामताड़ा समाजसेवी तरुण कुमार गुप्ता ने मानहानि की प्राथमिकी दर्ज करने को लेकर थाना में दिया आवेदन, झूठे आरोप लगाने वालों पर कार्रवाई की मांग

अवैध वसूली के आरोपों को बताया निराधार, कहा बिना प्रमाण के छवि धूमिल करने का किया जा रहा प्रयास

रफ्तार मीडिया / संवाददाता जामताड़ा
जामताड़ा के समाजसेवी तरुण कुमार गुप्ता ने मंगलवार को जामताड़ा थाना में लिखित आवेदन देकर झूठे आरोप, मानहानि, गाली-गलौज, धमकी एवं मारपीट के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराई है। उन्होंने चंद्र मोहन दत्ता, पप्पू चौधरी एवं मुकेश कुमार सिंह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि उनके विरुद्ध सुनियोजित तरीके से झूठे एवं आधारहीन आरोप लगाकर उनकी सामाजिक एवं राजनीतिक छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। थाना में दिए गए आवेदन में तरुण कुमार गुप्ता ने कहा है कि कुछ लोगों द्वारा उनके खिलाफ अवैध वसूली जैसे गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं, जबकि इन आरोपों का कोई तथ्यात्मक आधार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पूरा मामला उन्हें बदनाम करने और जनता के बीच उनकी छवि खराब करने की मंशा से किया जा रहा है। मीडिया से बातचीत करते हुए तरुण कुमार गुप्ता ने कहा कि सोमवार को कुछ लोगों द्वारा जामताड़ा उपायुक्त के समक्ष एक आवेदन देकर उन पर कथित अवैध वसूली का आरोप लगाया गया। उन्होंने कहा कि यदि किसी के पास उनके खिलाफ कोई प्रमाण है तो उसे प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत करना चाहिए था। बिना किसी साक्ष्य के सार्वजनिक रूप से नाम लेकर आरोप लगाना पूरी तरह से मानहानि की श्रेणी में आता है। उन्होंने दावा किया कि नगर पंचायत क्षेत्र के गांधी मैदान, रास हटिया एवं गुदली हटिया में राजस्व

वसूली नगर पंचायत के पूर्व से लागू निर्णयों एवं प्रशासनिक निदेशों के तहत की जाती रही है। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत की अध्यक्षता में 3 अप्रैल 2024 को हुई बैठक के निदेशों के आलोक में राजस्व संग्रहण की प्रक्रिया संचालित हो रही है और यह कोई नई व्यवस्था नहीं है। तरुण कुमार गुप्ता ने कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र में जो भी शुल्क या राजस्व वसूली की व्यवस्था है, वह संस्थागत निर्णयों के आधार पर संचालित होती है। ऐसे में किसी एक व्यक्ति पर अवैध वसूली का आरोप लगाना उचित नहीं है।

उन्होंने कहा कि यदि किसी को आपत्ति है तो उसे संबंधित विभाग अथवा नगर पंचायत प्रशासन के समक्ष तथ्यों के साथ अपनी बात रखनी चाहिए।उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों तक नगर क्षेत्र की समस्याओं को लेकर जनता ने अपना फैसला दे दिया है और अब विकास एवं जनहित के मुद्दों पर कार्य किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि जनता से किए गए वादों को पूरा करना उनकी प्राथमिकता है और नगर पंचायत के माध्यम से विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा।तरुण कुमार गुप्ता ने कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप पूरी तरह से निराधार हैं तथा इस मामले में कानून के तहत कार्रवाई की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने बिना प्रमाण के आरोप लगाए हैं, उनके खिलाफ न्यायालय में भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग की है। फिलहाल पुलिस ने आवेदन प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चा का माहौल बना हुआ है और आगे की कार्रवाई पुलिस जांच रिपोर्ट के आधार पर तय की जाएगी।

अभ्रकांचल कोडरमा के गांवों की शान, आज बन रही सेहत की जान; साइकिल के दो पहियों में छिपा है बेहतर भविष्य पर्यावरण के लिए भी है जरूरी

कोडरमा – इन दिनों देश में पेट्रोल व डीजल के मूल्य वृद्धि एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा वाहनों का कम से कम उपयोग करने का आहवाहन का असर देश के विभिन्न राज्यों में देखने का मिल रहा है। आम से खास लोग साईकिल की सवारी कर रहे हैं यहॉ ये भी बताना जरूरी है कि विश्व प्रसिद्ध माईका एवं विविध भारती पर देश विदेश में अपनी छाप छोडने वाले अभ्रकांचल क्षेत्र कोडरमा के डोमचांच में आज से 4 दशक पूर्व साईकिल की फैक्ट्री थी यहॉ जो मजदूर कार्य करते थे उनके सगे संबंधी आज माईका क्रेशर एवं साईकिल बंद होने के बाद देश के विभिन्न राज्यों में पलायन कर पेट पालने का विवश हैं। इधर विश्व साइकिल दिवस हर वर्ष 3 जून को मनाया जाता है। यह दिन केवल एक परिवहन साधन के महत्व को रेखांकित नहीं करता, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली और पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश देता है। कभी गांवों और कस्बों की पहचान रही साइकिल आज फिर से लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ते प्रदूषण, तनाव और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के दौर में साइकिल एक सरल और प्रभावी समाधान बनकर उभरी है।

गांवों की पहचान थी साइकिल

झुमरी तिलैया एवं कोडरमा जिले के विभिन्न गॉवों में साईकिल का परिचलन काफी होता था लेकिन अब दो पहिया चार पहिया वाहनों में इसकी रफतार पर ब्रेक लगाया है लेकिन आज भी जब छात्र स्कूल, किसान खेत और कर्मचारी अपने कार्यस्थल तक पहुंचने के लिए साइकिल का ही उपयोग करते नजर आय रहे है। थे। गांवों की गलियां साइकिल की घंटियों की आवाज से गुलजार रहती थीं।तथा इसमें महत्वपूर्ण भूमिका डाकिया जो घर -घर में चिटठी

बांटने के लिए उपयोग करते थे। आज बीते पल की बात हो गयी। समय के साथ मोटर वाहनों का विस्तार हुआ और लोगों की जीवनशैली बदल गई। सुविधाएं बढ़ीं, लेकिन इसके साथ स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी तेजी से बढ़ने लगीं।

स्वास्थ्य के लिए वरदान है साइकिल

डॉक्टरों के अनुसार नियमित साइकिल चलाना पूरे शरीर के लिए प्राकृतिक व्यायाम का काम करता है। इससे हृदय मजबूत होता है, अतिरिक्त चर्बी कम होती है और शरीर सक्रिय बना रहता है। रोजाना कुछ किलोमीटर साइकिल चलाने की आदत मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे को कम कर सकती है।

पर्यावरण संरक्षण की मजबूत साथी

साइकिल न तो धुआं छोड़ती है और न ही किसी ईंधन की आवश्यकता होती है। इसके उपयोग से वायु और ध्वनि प्रदूषण दोनों में कमी आती है।

जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय संकट से जूझ रही दुनिया के लिए साइकिल एक सस्ता, सुलभ और टिकाऊ विकल्प बनकर सामने आई है। यही कारण है कि कई देश साइकिल संस्कृति को बढ़ावा दे रहे हैं। इधर 5 जून को पूर्व डीआईजी राजीव रंजन सिंह झुमरी तिलैया में साईकिल अभियान में लोगो से शामिल होने की अपील की है।

लोगों ने बताया जीवन का अहम हिस्सा

जीविका कार्यालय कर्मी ओमप्रकाश तिवारी का कहना है कि साइकिल केवल यातायात का साधन नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज के निर्माण की आधारशिला है।

उन्होंने छोटी दूरी के लिए साइकिल उपयोग को जन आंदोलन बनाने की जरूरत बताई।

बारून निवासी सियाराम शर्मा के अनुसार नियमित साइकिल चलाने से शरीर चुस्त-दुरुस्त रहता है और दिनभर ऊर्जा बनी रहती है।

समय, धन और स्वास्थ्य की बचत

नारायणपुर गांव के वार्ड सदस्य श्रीलाल राम का कहना है कि साइकिल आज भी उनके जीवन की सबसे विश्वसनीय साथी है। इससे समय, धन और स्वास्थ्य तीनों की बचत होती है।

वहीं बलिहार निवासी रवि सिंह का मानना है कि साइकिल आत्मनिर्भरता और सादगी का प्रतीक है, जो आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा देती है।

विश्व साइकिल दिवस का संदेश

विश्व साइकिल दिवस हमें यह सीख देता है कि विकास केवल तेज रफ्तार वाहनों का नाम नहीं है। स्वस्थ शरीर, स्वच्छ वातावरण और संतुलित जीवन भी विकास के महत्वपूर्ण पहलू हैं। साइकिल के दो पहिए आज भी समाज को बेहतर, सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य की ओर ले जाने की क्षमता रखते हैं।

ऐसे में इस विश्व साइकिल दिवस पर अधिक से अधिक साइकिल उपयोग करने का संकल्प समय की जरूरत बन गया है।

शहर में बढ़ती नशे की लत के विरुद्ध जिला प्रशासन का अभियान हुआ तेज

एसडीओ कुमार रजत के नेतृत्व में चला जांच अभियान

सौरभ राय/ रफ्तार मीडिया
रांची: राजधानी रांची के कई हिस्सों में बढ़ती अड्डाबाजी, नशापान और असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए रांची जिला प्रशासन मुहिम के तहत अभियान चला रही है। बता दें, रांची उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर मंगलवार को भी सदर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ)कुमार रजत के नेतृत्व में अरगोड़ा थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर विशेष जांच एवं निगरानी अभियान चलाया गया।

अरगोड़ा, हरमू छेत्र में चला अभियान

अभियान के दौरान जिला प्रशासन और रांची पुलिस की संयुक्त टीम ने अरगोड़ा मैदान, हरमू मैदान, अरगोड़ा चौक, हरमू स्थित शराब दुकान तथा आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान सार्वजनिक स्थलों पर बिना किसी उद्देश्य के समूह बनाकर बैठे लोगों की पहचान की गई और उनसे

पूछताछ की गई। प्रशासनिक अधिकारियों ने लोगों को सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने तथा कानून का पालन करने के संबंध में आवश्यक निर्देश भी दिए।निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर युवाओं का जमावड़ा देखा गया। प्रशासनिक टीम ने ऐसे युवाओं को सार्वजनिक स्थलों पर अड्डाबाजी नहीं करने, नशे से दूर रहने तथा सामाजिक और कानूनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की सख्त हिदायत दी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शहर की शांति व्यवस्था और आम लोगों की सुरक्षा को प्रभावित करने वाली किसी भी गतिविधि को किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

प्रशासन का उद्देश्य केवल कार्रवाई नहीं बल्कि युवाओं को जागरूक करना है- कुमार रजत

नशे के विरुद्ध चलाई जा रही जांच अभियान के दौरान एसडीओ कुमार रजत ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर अनावश्यक भीड़, नशापान और असामाजिक गतिविधियां आम नागरिकों की सुरक्षा और सामाजिक वातावरण के लिए चुनौती बनती हैं। जिला प्रशासन ऐसे मामलों पर लगातार नजर बनाए हुए है और भविष्य में भी नियमित रूप से इसी प्रकार के अभियान चलाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल कार्रवाई करना नहीं, बल्कि युवाओं को जागरूक कर उन्हें सकारात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करना भी है।

शहर को सुव्यवस्थित करने में आम लोगों की सहभागिता है जरूरी

जिला प्रशासन के अनुसार शहर में सुरक्षित, स्वच्छ और शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए प्रशासन और आम नागरिकों की सहभागिता आवश्यक है। इसी को ध्यान में रखते हुए लोगों से अपील की गई है कि वे किसी भी संदिग्ध, अवांछित या कानून व्यवस्था प्रभावित करने वाली गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन या पुलिस को दें। जांच अभियान के दौरान अरगोड़ा थाना प्रभारी सहित पुलिस एवं प्रशासन के कई अधिकारी और जवान मौजूद रहे।

मॉनसून से पहले अलर्ट मोड में रांची नगर निगम,टीम सक्रिय : उपमहापौर

सौरभ राय/ रफ्तार मीडिया विशेष संवाददाता

रांची: झारखंड में मॉनसून के आगमन से पूर्व रांची नगर निगम ने शहर को जलजमाव और बारिश से उत्पन्न होने वाली अन्य समस्याओं से बचाने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। नगर निगम ने नालों की सफाई, जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने और संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। निगम का दावा है कि इस बार पूर्व तैयारी के जरिए शहरवासियों को बरसात के दौरान होने वाली परेशानियों से राहत दिलाने का प्रयास किया जा रहा है।रांची नगर निगम के उपमहापौर नीरज कुमार ने रफ्तार मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि म्युनिसिपल कमिश्नर के द्वारा छह सदस्यीय विशेष टीम का गठन किया गया है। यह टीम शहर के बड़े और संवेदनशील नालों की पहचान कर उनकी नियमित सफाई सुनिश्चित कर रही है। जिन नालों में बरसात के दौरान पानी के तेज बहाव या जलजमाव की आशंका रहती है, वहां विशेष निगरानी रखी जा रही है।

बारिश में ना हो परेशानी इसके लिए पहले से प्लानिंग कर किया जा रहा है काम- नीरज कुमार

रांची नगर निगम के उप महापौर नीरज कुमार ने कहा कि प्रत्येक वर्ष मॉनसून के दौरान शहर के कई हिस्सों में जलजमाव की समस्या सामने आती है। इसे ध्यान में रखते हुए इस बार पहले से ही कार्ययोजना बनाकर काम किया जा रहा है। निगम का उद्देश्य है कि बारिश शुरू होने से पहले सभी प्रमुख नालों और जल निकासी मार्गों को साफ कर लिया जाए ताकि पानी का बहाव बाधित न हो और लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े।उपमहापौर ने रांचीवासियों से अपील करते हुए कहा कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में नागरिकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि लोग नालियों और नालों में कचरा फेंकने से बचें तथा सफाई अभियान में निगम का सहयोग करें। नगर निगम शहर के विकास और बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

निगम भवनों और अंडरग्राउंड संरचनाओं पर भी फोकस

बारिश के दौरान नगर निगम के भवन में पानी प्रवेश करने की समस्या के संबंध में पूछे गए सवाल पर उपमहापौर ने कहा कि यह समस्या मुख्य रूप से अंडरग्राउंड या बेसमेंट वाली इमारतों में देखने को मिलती है। ऐसी संरचनाओं में जल निकासी की अतिरिक्त व्यवस्था की आवश्यकता होती है। निगम इस दिशा में भी कार्य कर रहा है ताकि बरसात के दौरान भवन और अन्य परिसरों में पानी भरने की स्थिति उत्पन्न न हो।उन्होंने बताया कि शहर के बड़े नालों, पार्किंग क्षेत्रों और जलभराव की दृष्टि से संवेदनशील स्थानों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। संबंधित अधिकारियों और कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं कि मॉनसून शुरू होने से पहले सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएं।

रेन वॉटर हार्वेस्टिंग कराने की अपील

वहीं,उपमहापौर ने कहा कि वर्षा जल संरक्षण की दिशा में भी काम करने की जरूरत है। उन्होंने भवन मालिक और बिल्डिंग ऑनर से रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने की अपील की ताकि वर्षा जल का संरक्षण हो सके और भूजल स्तर को बनाए रखने में मदद मिले। उनका कहना था कि जल संरक्षण और बेहतर जल निकासी व्यवस्था दोनों मिलकर शहर को भविष्य की चुनौतियों से निपटने में सक्षम बना सकते हैं।उन्होंने कहा कि रांची नगर निगम का लक्ष्य केवल मॉनसून के दौरान राहत प्रदान करना नहीं, बल्कि शहर की आधारभूत संरचना को स्थायी रूप से मजबूत बनाना है। इसके लिए निगम विभिन्न स्तरों पर कार्य कर रहा है और इस अभियान की सफलता के लिए आम जनता के सहयोग की भी आवश्यकता है।

नाला बना कचरे का डंपिंग यार्ड, वार्ड 31 के सैकड़ों घरों पर मंडराया धंसने का खतरा: स्थानीय लोगों का फूटा गुस्सा

कभी 8 फीट गहरा था नाला, आज गाद और झाड़ियों के कारण अस्तित्व संकट में; मनईटांड़ और पुराना बाजार का गंदा पानी लक्ष्मी निवास-टिकिया पाड़ा में मचा रहा तबाही

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद: धनबाद नगर निगम के वार्ड नंबर 31 स्थित लक्ष्मी निवास और देशबंधु टिकिया पाड़ा क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं की बदहाली को लेकर स्थानीय निवासियों का धैर्य अब जवाब दे गया है। वर्षों से जल निकासी, जलजमाव और नाले की नियमित सफाई न होने की समस्या से जूझ रहे मोहल्लेवासियों ने नगर निगम प्रशासन के खिलाफ तीखा आक्रोश व्यक्त किया है। लोगों का कहना है कि ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह ठप होने से अब उनके आशियानों पर खतरा मंडराने लगा है।

8 फीट गहरा नाला अब कचरे से हुआ समतल

स्थानीय लोगों ने बताया कि कभी इस क्षेत्र में लगभग 8 फीट गहरा और चौड़ा नाला हुआ करता था, जिससे पूरे इलाके की जल निकासी सुचारू रूप से होती थी। लेकिन सालों से नगर निगम द्वारा इस नाले की सुध नहीं लेने के कारण आज यह पूरी तरह कचरे, मलबे और गाद (कीचड़) से भर चुका है। स्थिति यह है कि नाले का अस्तित्व धरातल से पूरी तरह समाप्त हो चुका है और गंदा पानी नाले के ऊपर से बहकर सड़कों और गलियों में फैल रहा है।

मनईटांड़ और पुराना बाजार का लोड, नरक बना टिकिया पाड़ा

स्थानीय निवासियों के अनुसार, मनईटांड़ और पुराना बाजार समेत धनबाद के कई बड़े और व्यावसायिक इलाकों का गंदा पानी और ड्रेनेज इसी नाले से होकर गुजरता है। सफाई के अभाव में यह नाला अब बड़ी-बड़ी झाड़ियों और कचरे का स्थायी डंपिंग यार्ड बन गया है। मानसून और भारी बारिश के दिनों में यहां की स्थिति भयावह हो जाती है। बारिश का पानी उफनकर लोगों के घरों में कमर तक भर जाता है, जिससे लाखों की संपत्ति नष्ट होती है और लोगों का जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो जाता है।

पूर्व मेयर से लेकर अधिकारियों तक गुहार, सिर्फ मिला आश्वासन

पीड़ित जनता ने दर्द बयां करते हुए कहा कि इस गंभीर समस्या के समाधान को लेकर नगर निगम के अधिकारियों को कई बार लिखित आवेदन दिए गए। पूर्व मेयर के कार्यकाल के दौरान भी कई मर्तबा शिकायतें दर्ज कराई गईं, लेकिन हर बार केवल खोखले आश्वासन ही हाथ लगे, धरातल पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। अब नगर निगम चुनाव के बाद लोगों को नए जनप्रतिनिधियों से आस जगी है कि उनकी इस बुनियादी समस्या का स्थायी निराकरण किया जाएगा।

घर धंसने और महामारी फैलने की आशंका

वार्ड 31 के नागरिकों ने जिला प्रशासन और नगर निगम के वरीय अधिकारियों से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। लोगों ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि गंदे पानी के लगातार जमाव से मकानों की नींव कमजोर हो रही है। यदि बरसात से पहले इस मुख्य नाले की मुकम्मल पोकलेन मशीन से सफाई नहीं कराई गई, तो आने वाले दिनों में कई घरों के धंसने और कोई बड़ा हादसा होने से इनकार नहीं किया जा सकता। साथ ही क्षेत्र में जलजनित बीमारियों और महामारी फैलने का डर सता रहा है।

एसआईआर को सफलतापूर्वक संपन्न कराने का निर्देश

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद: जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में आज जिले के सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों और उप निर्वाचन पदाधिकारी के डाटा एंट्री ऑपरेटरों के साथ बैठक की गई। इस बैठक में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने उक्त कार्य को पूरी तरह सफलतापूर्वक और सुचारू रूप से संपादित करने का निर्देश दिया।उन्होंने अधिकारियों को मतदाताओं की मैपिंग करने, अनुपस्थित (एबसेंट), स्थानांतरित (शिफ्टेड), मृत घोषित या हटाए गए (डिलीट) नामों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने सुनिश्चित करने को कहा कि क्षेत्र के सभी योग्य मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में अनिवार्य रूप से सम्मिलित किया जाए। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने एसआईआर कार्य में लगे सभी पदाधिकारियों और कर्मियों को समय सीमा के भीतर एवं त्रुटिरहित कार्य निष्पादन करने की सख्त हिदायत दी।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जनगणना 2027 के कार्यों की हुई समीक्षा बैठक

जनगणना से जुड़े कार्यों में कोई शिथिलता नहीं की जाएगी बर्दाश्त

रफ्तार मीडिया / संवाददाता जामताड़ा :
जामताड़ा समाहरणालय सभागार में मंगलवार को उपायुक्त सह प्रधान जनगणना पदाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में जनगणना 2027 के अंतर्गत प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य के प्रगति की समीक्षा हेतु बैठक आहुत किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त आलोक कुमार जिला के सभी 08 चार्जों के अंतर्गत कुल 1737 एचएलबी में गणना कार्य के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने विभिन्न एचएलबी में धीमे प्रदर्शन को लेकर कड़ी नाराजगी जाहिर की एवं कहा कि खराब प्रदर्शन वाले कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिया कि जनगणना से जुड़े कार्यों को गंभीरता से लें, ये टाइमबॉन्ड वाला कार्य है, इसलिए डेडलाइन का बिना इंतजार किए कार्यों को पूर्ण करें। वहीं कई एचएलबी में सिंकिंग एवं अन्य तकनीकी समस्याओं को लेकर उपायुक्त ने डीआईओ को आवश्यक सहयोग करने का निर्देश दिया। उन्होंने जनगणना कार्य को अत्यंत महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील बताते हुए सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य पूरी सावधानी, पारदर्शिता एवं स्पष्टता के साथ संपन्न कराएं। कहा कि प्रत्येक मकान एवं परिवार का सही विवरण दर्ज करना सुनिश्चित करें तथा किसी भी प्रकार की त्रुटि अथवा लापरवाही न होने पाए। उन्होंने फील्ड में कार्यरत प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को विभिन्न बिंदुओं पर जरूरी दिशा निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि कि जनगणना राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है, इसलिए सभी अधिकारी एवं कर्मी पूर्ण जिम्मेदारी एवं गंभीरता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। साथ ही सभी चार्ज अधिकारियों को निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य पूर्ण कराने हेतु कई अहम दिशा निर्देश दिया गया। इस मौके पर अपर समाहर्ता सह जिला जनगणना पदाधिकारी जामताड़ा पूनम कच्छप, अनुमंडल पदाधिकारी अनंत कुमार, अपर जिला जनगणना पदाधिकारी सुजीत कुमार सिंह, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी संतोष कुमार घोष, सभी चार्ज पदाधिकारी, सहायक चार्ज अधिकारी के अलावा पर्यवेक्षक एवं तकनीकी सहायक आदि मौजूद रहे।

बोकारो पुलिस की बड़ी कार्रवाई, कुख्यात प्रिंस खां का मुख्य गुर्गा गिरफ्तार

दिनेश कुमार पांडेय
रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

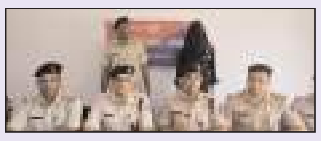

बालीडीह स्थित बीएमडब्ल्यू प्लांट को धमकी देकर रंगदारी वसूलने की साजिश का पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। इस मामले में गिरफ्तार राकेश कुमार ने पूछताछ में ऐसे राज उगले हैं, जिससे कुख्यात प्रिंस खान गैंग के नेटवर्क की परतें खुलने लगी हैं।

मामले की शुरूआत 12 मार्च 2026 को हुई थी, जब बीएमडब्ल्यू प्लांट के मैनेजर सुरेश कुमार सिंह ने बालीडीह थाना में शिकायत दर्ज कराई। आरोप था कि फैक्ट्री लगाने और संचालन के एवज में रंगदारी मांगी जा रही है तथा धमकी दी जा रही है। शिकायत मिलते ही पुलिस ने एसआईटी गठित कर जांच शुरू कर दी।जांच के दौरान गिरफ्तार राकेश कुमार ने स्वीकार किया कि वह सीधे प्रिंस खान के अंतरराष्ट्रीय व्हाट्सएप नंबर के संपर्क में था। पुलिस के अनुसार, प्रिंस खान के निर्देश पर ही उसने अपने हाथों से धमकी भरा पर्चा लिखा और उसे कंपनी तक पहुंचाया। बाद में उसी पर्चे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर बीएमडब्ल्यू प्लांट पर दबाव बनाने की कोशिश की गई।

सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई कि इस काम के बदले राकेश को दो अलग-अलग बैंक खातों में कुल 1.50 लाख रुपये भेजे गए थे। पुलिस अब इस पैसे के लेन-देन और गैंग के अन्य सदस्यों की भूमिका की भी जांच कर रही है।मुख्यालय डीएसपी पवन कुमार ने बताया कि आरोपी के पास से बरामद रेडमी-8 मोबाइल फोन पुलिस के लिए सबूतों का खजाना साबित हुआ। मोबाइल की जांच में प्रिंस खान से हुई कई बातचीत, कॉल रिकॉर्ड और अन्य डिजिटल साक्ष्य मिले हैं, जो जांच को नई दिशा दे रहे हैं।पुलिस का दावा है कि राकेश कुमार बोकारो में प्रिंस खान गैंग का प्रमुख सहयोगी था और इलाके में गैंग का प्रभाव बढ़ाने की जिम्मेदारी निभा रहा था। फिलहाल उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, जबकि पुलिस गैंग के पूरे नेटवर्क को खंगालने में जुटी हुई है।

बेरमो में सड़क जाम के बाद सांसद-विधायक पर प्राथमिकी

दिनेश कुमार पांडेय
रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

गर्भवती महिला की मौत से उपजा जनाक्रोश अब राजनीतिक और कानूनी लड़ाई का रूप लेता दिख रहा है। जिस सड़क जाम को स्थानीय लोग न्याय की मांग का प्रतीक बता रहे थे, उसी आंदोलन में शामिल होने के आरोप में धनबाद सांसद ढुल्लू महतो और डुमरी विधायक जयराम महतो समेत सात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने से इलाके का सियासी तापमान अचानक बढ़ गया है। ढोरी पांच नंबर क्षेत्र में गर्भवती महिला की मौत के बाद लोगों का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा था। परिजन और ग्रामीण सड़क जाम कर आरोपियों की गिरफ्तारी और न्याय की मांग कर रहे थे। इसी दौरान सांसद ढुल्लू महतो, विधायक जयराम महतो और अन्य जनप्रतिनिधि भी मौके पर पहुंचे थे। मंच से न्याय की आवाज उठी, प्रशासन पर सवाल उठे और पीड़ित परिवार को भरोसा दिलाया गया कि उनकी लड़ाई अकेली नहीं है। लेकिन अब कहानी में नया मोड़ आ गया है। बेरमो अनुमंडल पदाधिकारी के आवेदन पर दर्ज एफआईआर में इन नेताओं के नाम शामिल होने के बाद मामला केवल सड़क जाम तक सीमित नहीं रह गया है। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या जनप्रतिनिधियों को जनता की आवाज बनने की कीमत चुकानी पड़ रही है, या फिर कानून अपने रास्ते पर चल रहा है। दिलचस्प बात यह है कि गर्भवती महिला की हत्या के मामले में पुलिस पहले ही छह आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद आंदोलन और बंद का कार्यक्रम भी वापस ले लिया गया था। इसके बावजूद सड़क जाम प्रकरण में हुई कार्रवाई ने पूरे घटनाक्रम को नया रंग दे दिया है। अब बेरमो में चर्चा केवल हत्या कांड की नहीं, बल्कि उस एफआईआर की भी है जिसमें एक सांसद और एक विधायक आरोपी बनाए गए हैं। आने वाले दिनों में यह मामला अदालत, प्रशासन और राजनीति–तीनों के केंद्र में रहने वाला है। लोगों की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि जनप्रतिनिधि इस कार्रवाई का जवाब कैसे देते हैं और प्रशासन अपने कदमों को किस तरह सही ठहराता है।

नाला थाना में विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, पुलिसकर्मियों ने ली नशामुक्ति की शपथ

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता
जामताड़ा :

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर मंगलवार को नाला थाना परिसर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान थाना के सभी पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहने तथा समाज को इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने की शपथ ली। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को तंबाकू सेवन से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी खतरों के प्रति जागरूक करना और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में सर्किल इंस्पेक्टर बिहारी मरांडी एवं थाना प्रभारी विकास कुमार यादव की उपस्थिति में पुलिसकर्मियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। शपथ के दौरान सभी कर्मियों ने स्वयं तंबाकू सेवन नहीं करने, आमजन को इसके नुकसान के बारे में जागरूक करने तथा स्वस्थ समाज के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि तंबाकू सेवन कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारी समेत कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का प्रमुख कारण है।इसके दुष्प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहते, बल्कि परिवार और पूरे समाज को प्रभावित करते हैं। उन्होंने कहा कि तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों के बढ़ते प्रचलन को रोकने के लिए सामूहिक प्रयास और जनजागरूकता अत्यंत आवश्यक है। अधिकारियों ने बताया कि विश्व तंबाकू निषेध दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगों को तंबाकू के दुष्प्रभावों से अवगत कराना तथा उन्हें इस घातक आदत को छोड़ने के लिए प्रेरित करना है।कार्यक्रम के अंत में सभी पुलिसकर्मियों ने एकजुट होकर तंबाकू मुक्त और नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प दोहराया। साथ ही आम लोगों से भी नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और समाज में जागरूकता फैलाने की अपील की गई।

सड़क नहीं तो बहंगी ही सहारा! लाधुडेरा के ग्रामीणों का अनोखा विरोध, विकास के दावों पर उठे सवाल

रफ्तार संवाददाता रंजीत पालकोट (गुमला)। पालकोट प्रखंड के बिलिंगबिरा पंचायत अंतर्गत लाधुडेरा गांव एक बार फिर बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर चर्चा में है। गांव के ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की मांग को लेकर ऐसा तरीका अपनाया जिसने प्रशासन और आम लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। हालांकि उनके द्वारा रची गई कहानी और उससे जुड़ी खबर बाद में जांच में सही नहीं पाई गई, लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने क्षेत्र की वास्तविक समस्याओं को उजागर कर दिया है।जानकारी के अनुसार, लाधुडेरा गांव के ग्रामीणों ने ग्रामसभा के माध्यम से सरकार और प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए एक प्रतीकात्मक नाट्य मंचन किया। इसमें एक महिला को गर्भवती बताकर बहंगी के सहारे बिलिंगबिरा पंचायत सचिवालय तक ले जाने का दृश्य तैयार किया गया और उसकी तस्वीर खींचकर अखबारों में प्रकाशित कराई गई। खबर में दावा किया गया कि सड़क नहीं होने के कारण प्रसव पीड़ा से जूझ रही महिला को कई किलोमीटर तक बहंगी के सहारे अस्पताल पहुंचाना पड़ा।

विधानसभा की विशेष समिति की बड़ी कामयाबी: धनबाद में बीसीसीएल ने सरकारी खाते में जमा किए 220 करोड़

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोविंद खेत्रपाल। झारखंड विधानसभा की विशेष समिति (प्रश्न एवं ध्यानाकर्षण) के प्रयासों से राज्य सरकार के राजस्व में बड़ी बढ़ोतरी हुई है। समिति की सक्रियता के कारण भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (इउउछ) ने धनबाद जिले में सरकारी जमीन का उपयोग करने के एवज में सरकार के खाते में 220 करोड़ रुपए का राजस्व जमा कराया है। इसके अतिरिक्त, सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (उउछ) और ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड

(एउछ) ने भी खनन के लिए सरकारी जमीन के उपयोग की बात स्वीकारते हुए राजस्व देने पर सहमति जताई है, जिससे राज्य सरकार को 1000 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है।

यह जानकारी आज धनबाद में आयोजित एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक के बाद समिति के माननीय सभापति सह टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने दी। बैठक में जिले में संचालित आउटसोर्सिंग कंपनियों द्वारा रैयतों, सरकारी व फॉरेस्ट लैंड पर खनन और ओवर बर्डन (डइ) डंपिंग की समस्या की विस्तृत समीक्षा की गई।

प्रमुख बिंदु और निर्णय: रैयतों को मिलेगा हक और मुआवजाः सभापति ने स्पष्ट किया कि समिति का मुख्य उद्देश्य रैयतों की जमीन का पूरा मुआवजा दिलाना है। जिला प्रशासन और बीसीसीएल को निर्देशित किया गया है कि वे रैयतों की समस्याओं का सरल तरीके से निपटारा करें। बीसीसीएल ने भी रैयतों को मुआवजा देने की बात स्वीकार कर ली है।

200 से अधिक आवेदनों पर कार्रवाई: सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो ने बताया कि रैयतों की समस्याओं के समाधान के लिए कार्रवाई तेज कर दी गई है। अब तक 200 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनकी जांच झरिया और बलियापुर के अंचल अधिकारी (उड) द्वारा की जा रही है।

विगत 5-6 दशकों के नुकसान का होगा आकलनः निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने कहा कि समिति का उद्देश्य राजस्व की हानि को रोकना है। पिछले 5-6 दशकों में जितनी भी सरकारी जमीन का बिना अनुमति के खनन के लिए उपयोग हुआ है, उसका आकलन कर मुआवजा वसूला जाएगा।

मामले की पृष्ठभूमिः सिंदरी विधायक द्वारा 9 महीने पूर्व सुरंगा में एक आउटसोर्सिंग कंपनी द्वारा किए जा रहे ओवर बर्डन डंपिंग का मामला विधानसभा में उठाया गया था, जिसके बाद इस विशेष समिति का गठन हुआ।

ट्रेजरी घोटाले को लेकर भाजपा ने झारखंड सरकार पर लगाया बड़ा आरोप

सौरभ राय/ रफ्तार मीडिया

रांचीः राज्य की मुख्य विपक्षी दल भाजपा ने एक बार पुनः ट्रेजरी घोटाले को लेकर झारखंड सरकार पर संगीन आरोप लगाया है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने तंज कसते हुए कहा की राज्य सरकार इस मामले की निष्पक्ष जांच ना कराकर उसे दबाने और लंबा खींचने का प्रयास कर रही है। उन्होंने दावा किया कि ट्रेजरी घोटाले की विशेष ऑडिट कर रही अकाउंटेंट जनरल (एजी) को राज्य सरकार अब तक आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा सकी है, जिसके कारण ऑडिट की प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई है।

एसआईटी गठन लेकिन उसके कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल- प्रतुल शाहदेव

मंगलवार को प्रदेश भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाह

देव ने कहा कि घोटाला सामने आने के बाद राज्य सरकार ने लंबे समय तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया। जनदबाव बढ़ने के बाद एसआईटी का गठन किया गया, लेकिन उसके गठन और कार्यप्रणाली पर भी कई सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन ट्रेजरी अधिकारियों और डीडीओ के कार्यकाल में कथित अनियमितताएं हुईं, वे अब भी अपने पदों पर बने हुए हैं, जिससे जांच की निष्पक्षता पर संदेह पैदा होता है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने 17 अप्रैल 2026 को विशेष ऑडिट के लिए एजी को अनुशंसा भेजी थी। एजी कार्यालय ने उसी सप्ताह मामले से जुड़े दस्तावेजों की मांग की थी, लेकिन डेढ़ महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद भी सरकार ने जरूरी कागजात उपलब्ध नहीं कराए हैं। उनके अनुसार, दस्तावेजों के अभाव में विशेष ऑडिट की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी है।

एसआईटी ने अब तक जांच रिपोर्ट नहीं सौंपी है जिससे साजिश रचने का प्रयास किया जा रहा है

प्रतुल शाह देव ने राज्य सरकार द्वारा गठित एसआईटी की जांच प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि वित्त विभाग और उत्पाद सचिव के नेतृत्व वाली एसआईटी ने दो महीने में केवल बोकारो जिले का दौरा किया है। इसके बावजूद अब तक जांच रिपोर्ट सरकार को नहीं सौंपी गई है।उन्होंने बताया कि सरकार ने पहले चरण में बोकारो, हजारीबाग, रांची, रामगढ़ और देवघर समेत पांच जिलों की जांच की अनुशंसा की थी, लेकिन अभी तक अन्य जिलों में जांच शुरू भी नहीं हो सकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि जांच की रफ्तार इतनी धीमी है कि इसे पूरा होने में वर्षों लग सकते हैं।

जीवन में सुख-शांति का मूल मंत्र है बुजुर्गों की सेवा : गुरु कृपा शांति भवन

झुमरीतिलैया - समाज सेवा और सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से गुरु कृपा शांति भवन की महिलाओं द्वारा जीवन ज्योति आश्रम एवं होली फैमिली परिसर में रह रही बुजुर्ग महिलाओं, बच्चों एवं जरूरतमंदों के बीच खाद्य सामग्री, फल एवं वस्त्रों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं ने कहा कि जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का सबसे बड़ा मंत्र बुजुर्गों की सेवा और सम्मान है।

इस अवसर पर लगभग 50 बुजुर्ग महिलाओं के बीच पूड़ी-सब्जी, मिठाई, बिस्किट, टॉफी, फल एवं शरबत का वितरण किया गया। साथ ही वृद्ध महिलाओं को नए कपड़े भी प्रदान किए गए। गुरु कृपा शांति भवन की ओर से आश्रम के अधिकारियों को भी सम्मान स्वरूप वस्त्र भेंट किए गए।

कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल सेवा कार्य करना ही नहीं, बल्कि समाज में सनातन धर्म के मूल्यों का प्रचार-प्रसार करना भी है। उन्होंने कहा कि गुरु कृपा शांति भवन की ओर से समय-समय पर विभिन्न स्थानों पर धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, ताकि अधिक से अधिक लोग भगवान श्रीराम, भगवान श्रीकृष्ण, श्रीमद्भागवत गीता, रामायण तथा श्रीमद्भागवत महापुराण के आदर्शों और शिक्षाओं से परिचित हो सकें।

महिलाओं ने आश्रम में रह रही बुजुर्ग महिलाओं और बच्चों के साथ समय बिताया तथा उनके सुख-दुख की जानकारी ली। इस दौरान सभी ने समाज के सक्षम लोगों से जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आने की अपील भी की।

कार्यक्रम को सफल बनाने में सुनीली अठघरा, दीपा गुप्ता, प्रतिमा बर्णवाल, प्रेमलता देवी, उषा देवी, नीलम देवी, बबीता अठघरा, सविता भारद्वाज, रेणु तर्वे, पूजा चौरसिया, पूनम देवी, संध्या सेठ, इंदु कंधवे, ममता कंधवे, रंजीता कंधवे, अनीता भदानी, कुमकुम भदानी, सरोज देवी, रीना सिंह, सविता मिश्रा, बबीता भदानी, कुसुम कठघरा, रेखा एकघरा, सारिका एकघरा, पूनम एकघरा, शीला एकघरा सहित अन्य महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उपस्थित सभी महिलाओं ने भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

तम्बाकू नियंत्रण कानून के उल्लंघन पर 12 दुकानों से वसूले गए 3750 रुपये जुमार्ना

दिनेश कुमार पांडेय
रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

उपायुक्त बोकारो के निदेशार्नुसार तथा सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद के मार्ग दर्शन में सिटी थाना क्षेत्र अंतर्गत कैम्प-2 एवं सेक्टर-1 इलाके में तम्बाकू उत्पाद अधिनियम-2003 (कोटपा-2003) के तहत विशेष जांच अभियान चलाया गया।

जनता दरबार में निबटाएंगए 47 मामले डीसी ने त्वरित निष्पादन का दिया निर्देश

रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

समाहरणालय स्थित कार्यालय सभागार में आयोजित हम आपको सुनते हैं कार्यक्रम (जनता दरबार)... में उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे आमजनों की समस्याओं एवं शिकायतों की क्रमवार सुनवाई की। कार्यक्रम के दौरान प्राप्त कुल 47 आवेदनों पर सुनवाई करते हुए उपायुक्त ने संबंधित मामलों के

त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया।सुनवाई के दौरान शिक्षा, राजस्व, बीएसएल, चास अंचल, नगर परिषद फुसरो, भूमि विवाद, सहकारिता, विद्युत, डीपीएलआर, चास एवं चंद्रपुरा अंचल तथा आपूर्ति विभाग से संबंधित विभिन्न मामलों पर उपायुक्त ने गंभीरता से संज्ञान लिया। उन्होंने संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने तथा आवेदकों को शीघ्र राहत उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने कहा कि आमजनों की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

ज्येष्ठ अधिकमास में मारवाड़ी महिला समिति ने की गौ-सेवा, गौशाला में किया चारा व खाद्य सामग्री का दान

झुमरीतिलैया - ज्येष्ठ अधिकमास के पावन अवसर पर अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला समिति, झुमरीतिलैया शाखा द्वारा गौ-सेवा एवं धर्मार्थ कार्यों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समिति की सदस्याओं ने स्थानीय गौशाला पहुंचकर गौमाताओं की सेवा की तथा उनके लिए गुड़, हरा चारा, रोटी, जलेबी, खीरा सहित विभिन्न खाद्य सामग्रियों का दान किया।

कार्यक्रम के दौरान समिति की महिलाओं ने गौमाता को अपने हाथों से चारा एवं भोजन खिलाया तथा गौ-सेवा के महत्व पर प्रकाश डाला। उपस्थित सदस्यों ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौ-सेवा को विशेष महत्व दिया गया है और ज्येष्ठ अधिकमास में किए गए पुण्य कार्यों का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। ऐसे आयोजनों से समाज में सेवा, करुणा और जीवों के प्रति संवेदनशीलता का संदेश प्रसारित होता है।

इस अवसर पर समिति की अध्यक्ष उषा शर्मा, सचिव पायल पंकज जोशी, आशिका सहल, अंजू लढ़ूढा, रश्मि लढ़ूढा, रुचि लढ़ूढा, आँचल लढ़ूढा, केशव लढ़ूढा एवं हार्दिक लढ़ूढा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने गौशाला में समय व्यतीत करते हुए गौमाताओं की सेवा की और उनके संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। समिति की अध्यक्ष उषा शर्मा ने कहा कि सामाजिक एवं धार्मिक दायित्वों के निर्वहन के साथ-साथ गौ-सेवा जैसे कार्य समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। वहीं सचिव पायल पंकज जोशी ने बताया कि समिति समय-समय पर सेवा एवं जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन करती

कपिलो मुखिया मुकेश यादव ने वृक्षों को बांधी राखी, पर्यावरण संरक्षण का दिलाया संकल्प

बिरनी/गिरिडीह।

विश्व पर्यावरण दिवस सप्ताह के दूसरे दिन बिरनी प्रखंड के रजमनिया जंगल में वृक्ष रक्षाबंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कपिलो पंचायत के मुखिया मुकेश यादव सहित दर्जनों ग्रामीणों ने सखुआ के वृक्षों पर रक्षा सूत्र (राखी) बांधकर उनकी सुरक्षा एवं संरक्षण का संकल्प लिया।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने वृक्षों को धरती का जीवनदाता बताते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मुखिया मुकेश यादव ने कहा कि पेड़-पौधे प्रकृति की

अमूल्य धरोहर हैं। पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, स्वच्छ वायु प्राप्त करने तथा आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए वृक्षों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी सुरक्षा और संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के दौरान "पेड़ बचाओ, जीवन बचाओ" के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। ग्रामीणों ने एक-दूसरे को प्रेरित करते हुए वृक्षों की रक्षा का संकल्प लिया। वृक्ष रक्षाबंधन कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता फैलाने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर फॉरेस्टर योगेंद्र प्रसाद, पंचायत सहायक सूरज कुमार मोदी, पंचायत समिति सदस्य कृति कुमारी, वनपाल बीरेन्द्र कुमार, अबोध महथा, परमेश्वर साव, केदार साव, प्रकाश साव, टेकलाल यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

जनता का फूटा गुस्सा, तुरंत हुई सुनवाई!

रामगढ़ जिला संवाददाता डीके राठौर

नेताओं के झूठे वादों और प्रशासनिक अनदेखी से तंग आकर जब 'नारी शक्ति' सड़कों पर उतरी, तो बंद कमरों में बैठे अफसरों की कुर्सी हिल गई।

रामगढ़ के वार्ड नंबर 6 स्थित टीचर्स कॉलोनी और रानी बागी में पिछले कई वर्षों से नारकीय जीवन जी रहे स्थानीय निवासियों के सब्र का बांध आखिरकार सोमवार को टूट गया। पिछले दिनों जलजमाव और कीचड़ के गड्ढे में एक स्कूली बच्चे के गिरकर चोटिल होने से आक्रोशित दर्जनों महिलाएं सीधे छावनी परिषद कार्यालय जा पहुंचीं और अधिशासी अधिकारी का घेराव कर दिया।

दफ्तर में हंगामा, आर-पार के मूड में थीं महिलाएं

सोमवार को जब महिलाएं दफ्तर पहुंचीं, तो शुरूआत में कर्मचारियों ने अधिशासी अधिकारी के व्यस्त होने का बहाना बनाया और उन्हें छोटे अधिकारियों के पास भेजने की कोशिश की। इस बात पर महिलाएं और उग्र हो गईं और कार्यालय के भीतर ही तीखा

विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। महिलाओं का साफ कहना था कि बहुत पत्राचार, नेतागिरी और कागजी कार्रवाई हो चुकी है, आज सीधे साहब से मिलकर ही फैसला होगा, नहीं तो यहीं आमरण अनशन शुरू कर दिया जाएगा। महिलाओं की भारी संख्या और उनके इस तीखे तेवर को देखकर अधिशासी अधिकारी को तुरंत अपने कदम पीछे खींचने पड़े। उन्होंने महिलाओं को अपने चैंबर में बुलाया और उनकी पूरी बात को विस्तार से सुना।

भड़कीं महिलाएं: नेताओं और प्रशासन पर साधा सीधा निशाना आंदोलन में शामिल प्रबुद्ध महिलाओं ने प्रशासन की बदहाली और जनप्रतिनिधियों की लापरवाही को लेकर तीखे बयान दिए

"नेताओं ने दिया धोखा, अब आर-पार की लड़ाई"

"वार्ड नंबर 6 के निवासियों द्वारा सड़क और नाली की मांग को लेकर पिछले साल भी लिखित आवेदन दिया गया था। तब स्थानीय मुखिया और जनप्रतिनिधियों ने 'खनिज मद' से निर्माण का भरोसा दिया था, लेकिन साल भर में एक ईंट नहीं रखी गई। अब सीओ साहब ने दो दिन में मिट्टी भराई और दो महीने में नाली निर्माण का आश्वासन दिया है। अगर दो दिनों में काम नहीं दिखा, तो इस बार और अधिक संख्या में महिलाएं उग्र आंदोलन करेंगी।"

साधना चौधरी (आंदोलन का नेतृत्वकर्ता)

?"बच्चे चोटिल हो रहे, अब बर्दाश्त नहीं"

"पिछले दिन स्कूल जाने वाले बच्चे सहित उनके अभिभावक सड़क पर जलजमाव के कारण बाइक से गिरकर चोटिल हो गए। स्थानीय निवासियों के सब्र की सीमा अब टूट चुकी है।"

– उमा तिवारी / ज्योति अग्रवाल

"हजारों की संख्या में करेंगे छावनी का घेराव"

"हम लोग कई वर्षों से इस नारकीय स्थिति की मार को झेलते आ रहे हैं, मगर अब हम लोग और बर्दाश्त नहीं करेंगे। छावनी परिषद के अधिशासी अधिकारी इसका स्थायी निवारण निकालें, नहीं तो अगली बार हम लोग सैकड़ों-हजारों की संख्या में आकर छावनी परिषद का चक्का जाम कर देंगे।"

पुष्पांजलि देवी

"जब हर तरह का टैक्स देते हैं, तो सुविधा क्यों नहीं?"

"छावनी परिषद हमसे वोट का अधिकार लेती है, हाउस टैक्स लेती है, रोड टैक्स और नाली टैक्स भी वसूलती है, तो फिर हमें बुनियादी सुविधाएं क्यों नहीं मिल रहीं? अगर 2 महीने के अंदर नाली और सड़क का निर्माण नहीं हुआ, तो हम उग्र आंदोलन के लिए विवश होंगे।"

सोनी कुमारी

"महीनों से लगा रहे चक्कर, जनप्रतिनिधि गायब"

"हम रानी बागी की महिलाएं कई महीनों से छावनी परिषद का चक्कर लगा रही हैं, लेकिन यहाँ के जनप्रतिनिधि हमारी सुध लेने वाले नहीं हैं। अब हम रोड पर उतरे हैं, अगर निवारण नहीं हुआ तो छावनी परिषद को घेरेंगे।"

नशा नहीं, स्वास्थ्य चुनें: मिहिजाम पुलिस ने ली तंबाकू मुक्त समाज की शपथ, जनजागरूकता का उठाया बीड़ा

दिनेश कुमार रजक
रफ्तार मीडिया संवाददाता
मिहिजाम

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर मिहिजाम थाना परिसर में पुलिस जवानों ने तंबाकू मुक्त समाज बनाने का संकल्प लिया। थाना प्रभारी प्रदीप राणा के नेतृत्व में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में सभी पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने तंबाकू और नशीले पदार्थों के खिलाफ जनजागरण अभियान को सशक्त बनाने की शपथ ली। कार्यक्रम के दौरान सभी पुलिसकर्मियों ने स्वयं तंबाकू उत्पादों से दूर रहने तथा आम लोगों को इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का वचन दिया। जवानों ने हाथ उठाकर संकल्प लिया कि वे नशामुक्ति के संदेश को घर-घर तक पहुंचाएंगे और समाज में स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करेंगे। इस मौके पर तंबाकू सेवन से होने वाली जानलेवा बीमारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि तंबाकू कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारी और स्ट्रोक जैसी गंभीर समस्याओं की मुख्य वजह है। नशे की लत न केवल व्यक्ति का स्वास्थ्य बिगाड़ती है, बल्कि परिवार और पूरे समाज पर प्रतिकूल असर डालती है। थाना प्रभारी प्रदीप राणा ने कहा कि युवाओं में तेजी से बढ़ती नशे की प्रवृत्ति गंभीर चिंता का विषय है। इसे रोकने के लिए पुलिस, परिवार और समाज को मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि मिहिजाम पुलिस जागरूकता अभियानों के माध्यम से लगातार लोगों तक स्वास्थ्य और नशामुक्ति का संदेश पहुंचाती रहेगी। कार्यक्रम के अंत में सभी जवानों ने तंबाकू मुक्त वातावरण बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प दोहराया। पुलिस के इस कदम की स्थानीय लोगों ने सराहना की है।

NEET-CBSE पेपर लीक मामले में युवा रांची महानगर के अध्यक्ष गौरव सिंह ने लोक भवन का किया विशाल घेराव

(वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर)

रांचीः NEET और CBSE की परीक्षाओं में लगातार हो रहे पेपर लीक के विरोध में आज रांची महानगर युवा कांग्रेस के नेता गौरव सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों युवाओं ने लोक भवन का विशाल घेराव किया।

मुख्य मांगेः

1. NEET-UG 2026 और उइरए बोर्ड परीक्षा में हुए पेपर लीक की जांच हो NTA पर प्रतिबंध लगे और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें!
2. दोषियों पर सख्त कार्रवाई कर परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता लाई जाए
3. छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बंद हो, दोबारा परीक्षा कराई जाए

गौरव सिंह ने कहा आज के देश का 20 लाख से ज्यादा छात्र जिस परीक्षा में शामिल हुए थे कितने मुस्क्कत और मेहनत के साथ परीक्षा दिए होंगे उसके परिवार के एक-एक सदस्य अपने बेटे और बेटियों के सफलता के आस लगाए उसे परिवार के दिल में क्या गुजरा होगा सालों का मेहनत चंद सेकेंडो में केंद्र की मोदी सरकार ने पानी फेरने का काम किया है

उन्होंने कहा कि गरीब और मेहनती छात्रों की मेहनत को पेपर माफिया बर्बाद कर रहे हैं। युवाओं के प्रेरणास्त्रोत बनकर वे छात्रों के हक की लड़ाई आखिरी सांस तक लड़ेंगे। मौके पर झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष विक्की ठाकुर शिल्पी वर्मा, प्रदेश महासचिव लक्ष्मीकांत पूर्व महासचिव शादाब खान प्रदेश महासचिव सचिव आयुष अग्रवाल रांची विधानसभा अध्यक्ष वसीम खान, हटिया अध्यक्ष आतिफ कांके विधानसभा अध्यक्ष सैफुल्लाह खालीद, जिला महासचिव,गौरव गोलू ,आदित्य ,चींटू चौरसिया,आमिर , मोहम्मद हुसैन अंसारी इमरान खान अब्दुल रहमान ऋषि कुमार मोराबादी प्रखंड अध्यक्ष आकाश राय मनोज प्रमाणिक आदि युवा कांग्रेस से सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित।

2.78 ग्राम अवैध ब्राउन सुगर के साथ तीन अभियुक्त गिरफ्तार

रफ्तार मीडिया संवाददाता
मिलन भगत/गोड्डा

पुलिस अधीक्षक गोड्डा को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम खटनई एवं प्रतापपुर हटिया से आमड़ाकामत जाने वाली पक्की सड़क पर बरगद पेड़ के नीचे कुछ लोगो द्वारा ब्राउन सुगर का सेवन एवं क्रय-विक्रय करने हेतु एकत्रित हुए है। उक्त सूचना से वरीय पुलिस पदाधिकारी को अवगत कराते हुए पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार के आदेशानुसार पुलिस उपाधीक्षक आकाश भारद्धाज के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया। छापामारी टीम द्वारा खटनई शिव मंदिर एवं प्रतापपुर हटिया के पास छापामारी किया गया' छामामारी के क्रम में प्रतापपुर हटिया के पास से सत्यजीत पासवान उम्र 19 वर्ष पिता रामसेवक पासवान, गौरव कुमार उम्र 22 वर्ष पिता ओम प्रकाश साह एंव बालमुकुन्द साह उम्र 40 पिता राजेन्द्र प्रसाद साह तीनों साकिन-खटनई, थाना-गोड्डा (मु०) मोतिया ओ०पी० जिला-गोड्डा के पास से कुल 2.78 ग्राम अवैध ब्राउन सुगर बरामद किया गया। इस संदर्भ में गोड्डा (मु०) मोतिया ओ०पी० कांड सं0-78/26 अंकित कर गिरफ्तार तीनों अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया ।

बरही में गूंजेगा 'जय श्री श्याम' का जयघोष, 11-12 जून को होगा भव्य निशान यात्रा व संकीर्तन

झुमरीतिलैया - श्री श्याम कृपा मंडल, बरही के तत्वावधान में आगामी 11 एवं 12 जून को दो दिवसीय भव्य धार्मिक महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र के श्याम भक्तों में उत्साह का माहौल है तथा आयोजन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।

संस्था के संस्थापक एवं युवा धर्म प्रचारक नित्यानंद दास महाराज के सानिध्य में आयोजित इस महोत्सव के तहत 11 जून को बाबा श्याम की भव्य निशान यात्रा निकाली जाएगी, जबकि 12 जून को विशाल श्याम संकीर्तन का आयोजन होगा। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से ख्यातिप्राप्त भजन गायक अपनी प्रस्तुतियों से भक्तों को भाव-विभोर करेंगे। संकीर्तन में इंदौर की अधिष्ठा अनुष्का, हरियाणा के अभिनव एरेन, कानपुर के शिवम वर्मा, झुमरी तिलैया के गोकुल शर्मा तथा धनबाद की शशि सिंह अपनी मधुर भजनों की प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम का मंच संचालन झुमरी तिलैया के प्रसिद्ध संचालक नवीन पांडया करेंगे।

आयोजन की सफलता एवं भव्यता सुनिश्चित करने के लिए श्री श्याम कृपा मंडल के अध्यक्ष टुन्नु केशरी के नेतृत्व में मंडल के सदस्य लगातार जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं। इसी क्रम में मंडल के प्रतिनिधिमंडल ने कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी एवं कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव से मुलाकात कर उन्हें कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण दिया।

इसके अलावा मंडल के सदस्यों ने क्षेत्र की प्रमुख धार्मिक संस्थाओं–श्री श्याम मित्र मंडल, श्री श्याम सेवा परिवार तथा श्याम शरण में आजा रे, श्याम सेवा मंडल झुमरी तिलैया के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात कर कार्यक्रम में सहयोग एवं सहभागिता का आग्रह किया।

संस्थापक नित्यानंद दास महाराज ने बताया कि यह आयोजन बाबा श्याम के भक्तों के लिए भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम साबित होगा। उन्होंने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में शामिल होकर बाबा श्याम का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की।

जामताड़ा प्रखंड कार्यालय में विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर दिलाई गई शपथ, नशामुक्त समाज निर्माण का लिया संकल्प

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा

स्वस्थ समाज और सुरक्षित भविष्य के निर्माण के संकल्प को दोहराते हुए विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर जामताड़ा प्रखंड कार्यालय सभागार में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करना तथा नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयासों को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के दौरान प्रखंड कार्यालय के बीपीआरओ महादेव पोद्दार एवं पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के जिला समन्वयक अनुज कुमार मंडल ने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं कर्मियों को तंबाकू और नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने न केवल स्वयं नशे से दूर रहने बल्कि समाज के अन्य लोगों को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों और कर्मियों ने दृढ़ निश्चय व्यक्त करते हुए कहा कि वे अपने निजी एवं व्यावसायिक जीवन में किसी भी प्रकार के तंबाकू उत्पाद जैसे सिगरेट, बीड़ी, खैनी, गुटखा एवं अन्य मादक पदार्थों का सेवन नहीं करेंगे। साथ ही अपने परिवार, मित्रों एवं समाज के लोगों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर बीपीआरओ महादेव पोद्दार ने कहा कि तंबाकू का सेवन व्यक्ति के स्वास्थ्य पर गंभीर और दीर्घकालिक दुष्प्रभाव डालता है। इसके कारण कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारी, उच्च रक्तचाप सहित कई गंभीर बीमारियां उत्पन्न होती हैं। उन्होंने कहा कि तंबाकू केवल एक व्यक्ति को ही नहीं बल्कि पूरे परिवार को प्रभावित करता है। इससे आर्थिक, सामाजिक और मानसिक समस्याएं भी बढ़ती हैं। वहीं जिला समन्वयक अनुज कुमार मंडल ने कहा कि तंबाकू और नशीले पदार्थों की लत आज समाज के लिए एक बड़ी चुनौती बन चुकी है। विशेष रूप से युवा वर्ग तेजी से इसकी गिरफ्त में आ रहा है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे किसी के बहकावे, दबाव या फैशन के नाम पर तंबाकू एवं नशीले पदार्थों का सेवन न करें। जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन का होना अत्यंत आवश्यक है।

जनता की शिकायतों एवं समस्याओं के समयबद्ध समाधान के लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध

रफ्तार मीडिया संवाददाता मिलन भगत/गोड्डा

समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में मंगलवार को जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से आए नागरिकों ने अपनी व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

जनता दरबार के दौरान भूमि विवाद, राजस्व संबंधी मामलों, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, विद्युत आपूर्ति, पेयजल, सड़क निर्माण, शिक्षा, स्वास्थ्य, मनरेगा, अतिक्रमण, प्रमाण-पत्र निर्गत करने सहित अन्य जनहित से जुड़े मामलों पर प्राप्त आवेदनों की सुनवाई की गई। जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त ने प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को मामलों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि जनता दरबार जिला प्रशासन एवं आम नागरिकों के बीच संवाद का एक प्रभावी माध्यम है। इसके माध्यम से लोगों की समस्याओं का सीधे संज्ञान लेकर उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाता है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों पर निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवश्यक कार्रवाई करते हुए शिकायतकर्ताओं को इसकी जानकारी उपलब्ध कराई जाए।जनता दरबार में कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया, जबकि अन्य मामलों को संबंधित विभागों को अग्रसारित करते हुए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा प्राप्त सभी आवेदनों का विधिसम्मत एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

पीएम-कुसुम कंपोनेंट-बी के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिला स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न।

रफ्तार मीडिया संवाददाता मिलन भगत/गोड्डा

समाहरणालय स्थित सभागार में जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त के निदेर्शानुसार उप विकास आयुक्त, गोड्डा विस्पुते श्रीकांत यशवंत की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम) कंपोनेंट-बी (फेज-क्क्क) से संबंधित जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना के क्रियान्वयन, प्रगति, लक्ष्य प्राप्ति तथा किसानों को योजनांतर्गत अधिकाधिक लाभ उपलब्ध कराने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान उपविकास आयुक्त ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजना के प्रति किसानों के बीच व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि पात्र किसान सोलर सिंचाई पंप की सुविधा का लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि पीएम-कुसुम योजना किसानों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने तथा कृषि लागत को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से किसानों को डीजल एवं पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोतों पर निर्भरता कम करने में सहायता मिलेगी तथा पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा प्राप्त होगा। बैठक में योजना के तहत प्राप्त आवेदनों, स्वीकृत लाभुकों, स्थापना की प्रगति तथा शेष लक्ष्यों की समीक्षा की गई। उपविकास आयुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आवेदन प्रक्रिया को सरल एवं पारदर्शी बनाया जाए तथा लाभुक चयन एवं स्थापना कार्य में निर्धारित समय-सीमा का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा आधारित सिंचाई व्यवस्था किसानों के लिए दीर्घकालिक एवं किफायती विकल्प है। इससे सिंचाई की सुविधा सुदृढ़ होगी, कृषि उत्पादकता में वृद्धि होगी तथा किसानों की आय बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

न्याय की मांग को लेकर एसपी से मिले आजसू-भाजपा नेता, अनीता देवी हत्याकांड में मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी की मांग

रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

बोकारो जिला के बेरमो स्थित पांच नंबर धौड़ा की चार माह की गर्भवती दलित महिला अनीता देवी हत्याकांड को लेकर आज गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी, गोमिया के पूर्व विधायक लम्बोदर महतो, बोकारो के पूर्व विधायक बिरंची नारायण, भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ सुरेंद्र राज तथा आजसू जिला अध्यक्ष सचिन महतो के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मृतका के पति महेश भुईयां और उनके बच्चों के साथ बोकारो एसपी नाथू सिंह मीना से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मामले की जानकारी देते हुए दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। इस दौरान महेश भुईयां ने एसपी को पूरी घटना की जानकारी देते हुए बताया कि उनकी पत्नी अनीता देवी जलावन के लिए कोयला चुनने गई थीं। आरोप है कि इसी दौरान कोयला माफिया संतोष साव के गुंडों ने उनके साथ बेरहमी से मारपीट की, जिससे उनकी मौत हो गई। महेश ने कहा कि घटनास्थल पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग नशे की हालत में मौजूद रहते हैं और महिलाओं के साथ मारपीट की घटनाएं होती रहती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पोस्टमार्टम के बाद उन पर शव का जल्द अंतिम संस्कार करने का दबाव बनाया गया तथा मामले को दबाने की कोशिश की गई। सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने बताया कि एसपी ने मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना उनकी प्राथमिकता है और प्रशासन ने दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। आजसू जिला अध्यक्ष सचिन महतो ने कहा कि जिले में अवैध कोयला कारोबार के कारण लगातार अपराध और हत्याएं हो रही हैं, लेकिन प्रशासन की कार्रवाई अपेक्षित नहीं है। उन्होंने मांग की कि अनीता देवी हत्याकांड के मुख्य आरोपी और इसमें शामिल सभी लोगों की अविलंब गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए तथा पीड़ित परिवार को न्याय दिया जाए।भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र राज ने कहा कि वे पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के उद्देश्य से एसपी से मिलने पहुंचे हैं। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर मुख्य आरोपी सहित सभी दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की।

जामताड़ा प्रखंड सभागार में लंबित पीएम व अबुआ आवास योजनाओं की हुई समीक्षा, लाभुकों को मिला अंतिम चेतावनी

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा :

जामताड़ा प्रखंड सभागार में मंगलवार को वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 के तहत संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएम आवास) एवं अबुआ आवास योजना की लंबित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बीपीआरओ महादेव पोद्दार एवं प्रखंड कोऑर्डिनेटर राकेश कुमार महतो ने संयुक्त रूप से की। बैठक में प्रखंड क्षेत्र की सभी 22 पंचायतों के स्वयंसेवकों एवं संबंधित कर्मियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान दोनों योजनाओं के तहत लंबित आवासों की पंचायतवार समीक्षा की गई। अधिकारियों ने कहा कि सरकार की महत्वाकांक्षी आवास योजनाओं का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराना है, लेकिन कई लाभुकों द्वारा राशि प्राप्त करने के बावजूद आवास निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है। ऐसे मामलों को गंभीरता से लेते हुए विभाग ने अब सख्त रुख अपनाने का निर्णय लिया है। समीक्षा के दौरान बताया गया कि वर्ष 2023-24 में स्वीकृत अबुआ आवास योजना के 79 आवास अभी भी लंबित हैं, जिनमें अधिकांश लाभुक केवल लिंटल लेवल तक निर्माण कर कार्य रोक चुके हैं। वहीं वर्ष 2024-25 में स्वीकृत 408 अबुआ आवास भी लिंटल लेवल तक निर्माण के बाद अधूरे पड़े हुए हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत वर्ष 2023-24 में स्वीकृत 79 आवास भी लिंटल लेवल तक निर्माण कर छोड़ दिए गए हैं। बीपीआरओ महादेव पोद्दार ने सभी पंचायत स्वयंसेवकों को निर्देश देते हुए कहा कि लंबित आवासों को हर हाल में जल्द से जल्द पूरा कराया जाए। उन्होंने कहा कि जिन लाभुकों ने सरकारी सहायता राशि प्राप्त कर ली है लेकिन निर्माण कार्य में रुचि नहीं ले रहे हैं, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि ऐसे लाभुकों को पहला नोटिस पहले ही जारी किया जा चुका है। अब दूसरे चरण का नोटिस जारी किया जाएगा। इसके बावजूद यदि निर्माण कार्य पूरा नहीं होता है तो तीसरा एवं अंतिम नोटिस दिया जाएगा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अंतिम नोटिस के बाद भी आवास निर्माण कार्य पूरा नहीं करने वाले लाभुकों से सरकारी राशि की रिकवरी की जाएगी। साथ ही उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करते हुए संबंधित थाने में मामला भी दर्ज कराया जाएगा।

बैठक में उपस्थित स्वयंसेवकों को निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने पंचायत क्षेत्रों में लाभुकों से संपर्क कर उन्हें निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने के लिए प्रेरित करें तथा विभागीय निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराएं। बैठक में अधिकारियों ने कहा कि सरकार गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को आवास उपलब्ध कराने के लिए बड़ी राशि खर्च कर रही है। ऐसे में सरकारी धन का दुरुपयोग किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लंबित योजनाओं को समय सीमा के भीतर पूरा कराने के लिए विभाग लगातार निगरानी कर रहा है और अब लापरवाही बरतने वालों के

चिन्मया विद्यालय के इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित, डीसी भी हुए शामिल

दिनेश कुमार पांडेय
रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

सेक्टर-05 स्थित चिन्मया विद्यालय में कक्षा 11 के विद्यार्थियों के लिए आयोजित इंडक्शन प्रोग्राम में उपायुक्त अजय नाथ झा शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए शिक्षा, संस्कार, सेवा और लक्ष्य निर्धारण के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।उपायुक्त ने कहा कि विद्यार्थी विद्यालय में अध्ययन के साथ-साथ विद्यालय की गौरवशाली परंपरा और उसकी पहचान को भी समझने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि केवल परीक्षा में अच्छे अंक लाना या शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं है। जीवन में डॉक्टर, आईएएस, आईपीएस अथवा अन्य किसी क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्तित्व का समग्र विकास आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कक्षा 11वीं और 12वीं जीवन की मजबूत नींव तैयार करने का महत्वपूर्ण समय है। विद्यालय अवधि के बाद भी शिक्षक विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए सदैव तत्पर रहते हैं, बशर्ते विद्यार्थियों में सीखने की जिज्ञासा और प्रश्न पूछने का साहस हो। उन्होंने विद्यार्थियों से अगले दो वर्षों का अधिकतम सदुपयोग करते हुए मन लगाकर अध्ययन करने का आह्वान किया।विद्यार्थी केवल सतही अध्ययन तक सीमित न रहें, बल्कि विषयों को विस्तार और गहराई से समझने का प्रयास करें। डिटैचमेंट और अटैचमेंट दोनों के संतुलन के साथ अध्ययन करने पर ही ज्ञान का वास्तविक अर्थ समझा जा सकता है। उपायुक्त ने कहा कि केवल ज्ञान अर्जित करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके साथ संस्कार भी होने चाहिए। संस्कारयुक्त ज्ञान ही समाज और राष्ट्र के लिए उपयोगी सिद्ध होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे स्वयं से यह प्रश्न करें कि वे किस उद्देश्य से ज्ञान अर्जित कर रहे हैं और उनका जीवन लक्ष्य क्या है। उनके अनुसार सेवा ही जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य होना चाहिए - देश की सेवा,देश के लोगों की सेवा और विश्व की सेवा। उन्होंने विद्यार्थियों को ज्ञान, सेवा और संस्कार को जीवन का मूल मंत्र बनाने की सलाह दी। उन्होंने भारतीय संस्कृति का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की परंपरा- सर्वे भवन्तु सुखिनः की रही है, जो समस्त मानवता के कल्याण का संदेश देती है।

भारत की संस्कृति अंतर-विरोधों में भी सामंजस्य स्थापित करने की रही है। विविधताओं के बीच एकता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है।उपायुक्त ने कहा कि भारतीय सभ्यता में ऋषि और कृषि दोनों का विशेष महत्व रहा है। विद्यार्थियों को अध्यात्म, दर्शन और भारतीय चिंतन को समझने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी विद्यार्थी का सिर रिक्शा चालक, सब्जी विक्रेता, सफाईकर्मी अथवा श्रम करने वाले किसी भी व्यक्ति के सम्मान में झुकता है, तो वही सच्चे ज्ञान का परिचायक है।उन्होंने विद्यार्थियों को समाज के प्रति संवेदनशील बनने और सामूहिक हित को प्राथमिकता देने की सीख दी। उन्होंने कहा कि व्यक्ति का विकास तभी सार्थक है, जब वह समाज और राष्ट्र के निर्माण में योगदान दे सके।

ड्रोन-बेस्ड टेक्नोलॉजी से मापी जाएगी ओवर बर्डन की जमीन

संवाददाता समामा औसाल, धनबाद

झारखंड विधानसभा की विशेष समिति (प्रश्न एवं ध्यानाकर्षण) ने आज दूसरे दिन सर्किट हाउस में सभापति सह माननीय विधायक टुंडी मथुरा प्रसाद महतो की अध्यक्षता में तथा समिति के सदस्य सह विधायक सिंदरी चंद्रदेव महतो, विधायक निरसा अरूप चटर्जी, विधायक चंदनकियारी उमाकांत रजक, विधायक तोरपा श सुदीप गुड़िया तथा उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की उपस्थिति में भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, एफसीआई, मैथन पावर लिमिटेड, टाटा कोलियरी, हर्ल सहित अन्य उपक्रमों व विभाग की समीक्षा की।

इस क्रम में समिति ने बीसीसीएल के एरिया 9, 10 व 11 में सरकारी, फॉरेस्ट एवं रैयतों की जमीन पर डंप ओवर बर्डन की मापी कराने पर विस्तृत चर्चा की। चर्चा के बाद उपायुक्त के प्रस्ताव पर ड्रोन-बेस्ड टेक्नोलॉजी से मापी कराने का निर्णय लिया गया। उपायुक्त ने कहा कि ड्रोन-बेस्ड टेक्नोलॉजी से हाई-डेंसिटी 3डी डेटा और इमेज कैप्चर करके जमीन को मापने से बहुत सटीक डिजिटल टेरेन मॉडल और टोपोग्राफिकल मैप बनाया जा सकता है। इसके लिए आईआईटी आईएसएम से वार्ता कर इस कार्य को गति प्रदान की जाएगी। बीसीसीएल ने भी सरकारी, फॉरेस्ट या रैयतों की जमीन पर डंप किया गया ओवर बर्डन का भुगतान करने की सहमति जताई।

समिति ने मैथन पावर लिमिटेड द्वारा निरसा में तथा टाटा कोलियरी द्वारा सिजुआ व भेलाटांड में बिना अनुमति उपयोग की गई सरकारी जमीन की मापी कराने का भी निर्देश दिया।

बैठक में विधायक सिंदरी ने एफसीआई द्वारा आरसीडी की सड़क पर चेकपोस्ट लगाकर टोल लेने का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि गोविंदपुर-बलियापुर-सिंदरी रोड के खालसा मोर से आरएमके-4 (4.462 किमी) तथा सिंदरी के एसएल-2 से हटिया (शहरपूरा) रोड (2.837 किमी) में आरसीडी की सड़क पर एफसीआई हर वाहन से टोल लेता है। समिति ने एफसीआई द्वारा आरसीडी की सड़क पर किस आधार पर टोल वसूला जाता है, की विस्तृत जांच करने का निर्देश दिया। समिति ने अपर समाहर्ता, डीएलएओ व डीसीएलआर कोर्ट में चल रहे भूमि संबंधित लंबित मामलों का जल्द निष्पादन करने का निर्देश दिया।

गिरिडीह जिले के जमुआ प्रखंड में भारत की कम्युनिस्ट पार्टी माले एवं इंकलाबी नौजवान सभा के बैनर तले कार्यकताओं और नेताओं ने भ्रष्टाचार के खिलाफ एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया

गिरिडीह/रेम्बा रप्तार संवादाता पवन कुमार राम जमुआ प्रखंड मुख्यालय परिसर में भारत की कम्युनिस्ट पार्टी माले एवं इंकलाबी नौजवान सभा के कार्यकताओं और नेताओं ने एक दिवसीय धरना देकर भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। धरना में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए और उन्होंने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विभिन्न जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाया।

धरना को संबोधित करते हुए पार्टी नेताओं ने कहा कि जमुआ प्रखंड में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर पहुंच चुका है। आम लोगों को अपने छोटे-छोटे कार्यों के लिए भी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जमीन म्यूटेशन के मामलों में अनावश्यक विलंब किया जा रहा है और बिना लेन-देन के लोगों का काम नहीं हो रहा है, जिससे गरीब और किसान वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है।

प्रदर्शनकारियों ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली यानी राशन व्यवस्था में भी बड़े पैमाने पर गड़बड़ी का आरोप लगाया। उनका कहना था कि जरूरतमंद लाभुकों तक पूरा राशन नहीं पहुंच रहा है और कई जगहों पर राशन की कालाबाजारी की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। इसके साथ ही घरेलू गैस सिलेंडरों की कथित कालाबाजारी को लेकर भी कार्यकताओं ने कड़ा विरोध जताया और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

वही माले जिला सचिव अशोक पासवान नें कहा

"जमुआ प्रखंड में भ्रष्टाचार और जनता के शोषण के खिलाफ हम लोग आज एक दिवसीय धरना पर बैठे हैं। जमीन म्यूटेशन, राशन वितरण और गैस सिलेंडर की कालाबाजारी जैसी समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं। यदि प्रशासन जल्द ठोस कार्रवाई नहीं करता है तो भारत की कम्युनिस्ट पार्टी माले अनिश्चितकालीन धरना और व्यापक जन आंदोलन के लिए बाध्य होगी।"

इस एक दिवसीय धरना माले जिला सचिव अशोक पासवान, जिप सदस्य सह माले नेता विजय पाण्डेय, रितलाल वर्मा, प्रखंड सचिव मन्वर हसन बंटी,रंजीत यादव, असगर अली के साथ सेकड़ो की संख्या कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे

धरना के दौरान पार्टी नेताओं ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि जमीन म्यूटेशन की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाए, राशन वितरण व्यवस्था में सुधार किया जाए और गैस सिलेंडर की कालाबाजारी पर तत्काल रोक लगाई जाए। साथ ही भ्रष्टाचार में शामिल अधिकारियों और बिचौलियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की भी मांग की गई

फिलहाल एक दिवसीय धरना के माध्यम से भारत की कम्युनिस्ट पार्टी माले ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि जनसमस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में आंदोलन और उग्र रूप ले सकता है। अब देखना होगा कि प्रशासन इन आरोपों और मांगों पर

धनबाद: बीसीसीएल सीएमडी के खिलाफ कोयलांचल बचाओ संघर्ष समिति का धरना, सीबीआई जांच की मांग

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबादःकोयलांचल धनबाद में बेखौफ चल रही कोयला चोरी के खिलाफ 'कोयलांचल बचाओ संघर्ष समिति' ने आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। समिति के बैनर तले दर्जनों समर्थकों ने मंगलवार को रणधीर वर्मा चौक पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने बीसीसीएल के सीएमडी मनोज अग्रवाल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए। आंदोलनकारियों ने धनबाद उपायुक्त (डीसी) के माध्यम से राज्य के राज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपकर सीएमडी की संपत्ति की सीबीआई जांच कराने की मांग की है।सुरक्षा बल तैनात, फिर भी धड़ल्ले से हो रही चोरीधरने पर बैठे लोगों का कहना है कि बीसीसीएल के पास सीआईएसएफ के सैकड़ों जवान और जिला पुलिस का पूरा सहयोग मौजूद है। इसके बावजूद कोयला चोरी पर लगाम लगाने में प्रबंधन पूरी तरह नाकाम साबित हो रहा है। समिति ने आरोप लगाया कि कोयला चोरी रोकने के बजाय सीएमडी द्वारा 'जागरूकता अभियान' चलाने की बात कही जा रही है, जो हास्यास्पद है। यह सीधे तौर पर कोयला चोरों को संरक्षण देने और प्रबंधन की मिलीभगत को दशार्ता है।अध्यक्ष और समाजसेवियों ने बोला हमलाकोयलांचल बचाओ संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष हंजलावीन ने कहा कि जब तक भ्रष्ट अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं होगी, कोयलांचल की संपदा लुटती रहेगी। वहीं, मौके पर मौजूद समाजसेवी सबीर अली ने कहा कि जागरूकता अभियान के नाम पर केवल खानापूर्ति की जा रही है, जबकि जमीनी हकीकत यह है कि कोयले की अवैध तस्करी धड़ल्ले से जारी है। समिति ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस मामले में सीबीआई जांच के आदेश नहीं दिए गए, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

जामताड़ा प्रखंड सभागार में महावारी स्वच्छता को लेकर जलसहियाओं को दिया गया प्रशिक्षण

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा : **चुप्पी तोड़ो, स्वस्थ** रहो अभियान के तहत मंगलवार को जामताड़ा प्रखंड सभागार में महावारी स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला समन्वयक अनुज कुमार मंडल एवं प्रखंड कोऑर्डिनेटर सद्दाम अंसारी ने संयुक्त रूप से की। इसमें प्रखंड क्षेत्र की सभी पंचायतों की जलसहियाओं ने भाग लिया।प्रशिक्षण के दौरान जलसहियाओं को महावारी स्वच्छता, व्यक्तिगत साफ-सफाई एवं सुरक्षित निपटान के संबंध में जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि मासिक धर्म महिलाओं की एक प्राकृतिक जैविक प्रक्रिया है और इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना आवश्यक है। जिला समन्वयक अनुज कुमार मंडल ने बताया कि चुप्पी तोड़ो स्वस्थ रहोह्न अभियान 28 मई से 4 जून तक जिलेभर में चलाया जा रहा है। इसके तहत प्रशिक्षित जलसहियाएं गांव-गांव जाकर महिलाओं, किशोरियों एवं छात्राओं को जागरूक करेंगी। कार्यक्रम में आगामी विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ह्यस्वच्छ गांव-जलवायु अभियानह्न पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों ने पर्यावरण संरक्षण, जल बचाव एवं स्वच्छता को जन आंदोलन बनाने पर जोर दिया। साथ ही ठोस एवं प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन तथा कचरा संग्रहण केंद्रों के विकास की जानकारी दी गई।

गिरनिया मोड़ में खुली आधुनिक पैथोलॉजी लैब, किफायती दरों पर होगी फुल बॉडी जांच।

रफ्तार मीडिया सवाददाता राजु मंडल गांडेय।

गांडेय प्रखंड के गिरनिया मोड़ में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करते हुए 'थाईरोकेयर' लैब का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद डॉ. सरफराज अहमद ने फीता काटकर विधिवत रूप से केंद्र का उद्घाटन किया।

?उद्घाटन के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए सांसद डॉ. सरफराज अहमद ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं का सुदूर क्षेत्रों तक पहुँचना बेहद जरूरी है। गिरनिया मोड़ जैसे क्षेत्र में थाईरोकेयर जैसी प्रतिष्ठित लैब खुलने से मरीजों को अब बड़े शहरों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। उन्होंने संचालक को ईमानदारी और सेवा भाव से काम करने की शुभकामनाएं दीं।

कम खर्च में मिलेंगी बेहतर सुविधाएंः अफरोज

लैब के संचालक अफरोज ने बताया कि उनका मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के लोगों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा देना है। केंद्र पर फुल बॉडी चेकअप, थायराइड, विटामिन डी, विटामिन बी 12, लिवर फंक्शन टेस्ट, किडनी फंक्शन टेस्ट और हार्ट प्रोफाइल सहित सभी प्रकार की जांच बाजार से काफी कम और किफायती दरों पर उपलब्ध कराई जाएगी।

?इस उद्घाटन समारोह के दौरान क्षेत्र के कई मुख्य समाजसेवी, जनप्रतिनिधि अमृतलाल पाठक, अकबर अंसारी, हाजी उस्मान अंसारी, जेएमएम नेता धुर्वदेव पंडित, आलम,प्रकाश पंडित समेत स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।

जामताड़ा गांधी मैदान क्लब हाउस में 10 जून से बच्चों के लिए लगेगा विशेष रामायण संस्कार शिविर

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा : आधुनिक और डिजिटल युग में बच्चों को भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और आध्यात्मिक ज्ञान से जोड़ने के उद्देश्य से आर्ट ऑफ लिविंग परिवार, जामताड़ा द्वारा 10 से 14 जून 2026 तक विशेष ह्यरामायण संस्कार शिविरह्न का आयोजन किया जाएगा। यह पांच दिवसीय शिविर गांधी मैदान स्थित क्लब हाउस में आयोजित होगा, जिसमें 7 से 13 वर्ष आयु वर्ग के बच्चे भाग ले सकेंगे। आर्ट ऑफ लिविंग के जिला मीडिया समन्वयक विजय भगत ने बताया कि यह कार्यक्रम विश्व प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु एवं आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर जी द्वारा विशेष रूप से डिजाइन किए गए श्री श्री संस्कार केंद्रह्न के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। शिविर का संचालन सुप्रसिद्ध फैकल्टी डॉ. संध्या सिन्हा के मार्गदर्शन में किया जाएगा।उन्होंने बताया कि यह केवल राम कथा सुनाने का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि बच्चों के मानसिक, आत्मिक और चारित्रिक विकास के लिए तैयार किया गया एक समग्र व्यक्तित्व विकास पाठ्यक्रम है। शिविर प्रतिदिन अपराह्न 3 बजे से सायं 6 बजे तक संचालित होगा।शिविर के दौरान बच्चों को रोचक एवं आधुनिक शैली में रामायण की कथा, दोहा-चौपाई गायन, भावपूर्ण रामचरितमानस पाठ, रामायण आधारित बौद्धिक खेल, योग, ध्यान तथा एकाग्रता बढ़ाने वाली गतिविधियों से परिचित कराया जाएगा। साथ ही रामायण से जुड़े कई वैज्ञानिक और प्रेरणादायक तथ्यों की भी जानकारी दी जाएगी। आर्ट ऑफ लिविंग परिवार ने अभिभावकों से अपने बच्चों को इस संस्कार शिविर में शामिल कराने की अपील की है।आयोजकों के अनुसार सीमित सीटों के कारण पंजीकरण ह्यपहले आओ, पहले पाओह्न के आधार पर

प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों ने लातेहार में प्रशासनिक कार्यप्रणाली को जाना, उपायुक्त से मिले मार्गदर्शन

रफ्तार मीडिया` लातेहार

बालूमाथ भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) 2025 बैच के सात प्रशिक्षु अधिकारियों ने सोमवार को लातेहार पहुंचकर उपायुक्त संदीप कुमार, पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव तथा उप विकास आयुक्त सैयद रियाज अहमद से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान अधिकारियों को जिले की प्रशासनिक व्यवस्था, विकास योजनाओं और जनसेवा से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई।

उपायुक्त संदीप कुमार ने प्रशिक्षु अधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि प्रशासनिक सेवा में जनहित, संवेदनशीलता और पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को जमीनी स्तर पर जाकर लोगों की समस्याओं को समझने और उनका समाधान करने की सीख दी।उपायुक्त ने कहा कि क्षेत्रीय भ्रमण और आम जनता से सीधा संवाद किसी भी अधिकारी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। साथ ही प्रशिक्षु अधिकारियों को लातेहार जिले की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत से भी अवगत कराया गया।प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत सभी प्रशिक्षु अधिकारी बेतला राष्ट्रीय उद्यान, लोध जलप्रपात, पलामू किला एवं नेतरहाट का भ्रमण कर जिले की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विशेषताओं का अध्ययन करेंगे। उपायुक्त ने कहा कि प्रशिक्षण अवधि के दौरान प्राप्त अनुभव भविष्य में बेहतर प्रशासनिक निर्णय लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी दिनेश कुमार, गोपनीय पदाधिकारी श्रेयांस, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चन्दन, जिला खेल पदाधिकारी अभिनेष त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जनता दरबार में उपायुक्त की संवेदनशील पहल, बच्ची को तत्काल उपलब्ध कराई गई कान की मशीन

समामा औसाल, धनबाद

आज 02 जून 2026 को समाहरणालय में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में आयोजित जनता दरबार में आज संवेदनशील प्रशासन की एक मिसाल देखने को मिली।

जनता दरबार में तेतुलमारी थाना क्षेत्र के सिजुआ पोस्ट निवासी प्रीति कुमारी अपने परिजनों के साथ पहुंची। परिजनों ने उपायुक्त को बताया कि बच्ची श्रवण संबंधी समस्या से जूझ रही है तथा आर्थिक कठिनाइयों के कारण वह कान की मशीन उपलब्ध कराने में असमर्थ हैं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए उपायुक्त ने तत्काल जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती स्नेह कश्यप को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। त्वरित पहल करते हुए बच्ची को मौके पर ही कान की मशीन उपलब्ध कराई गई।

कान की मशीन मिलने के बाद प्रीति कुमारी एवं उसके परिजनों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया। साथ ही उपायुक्त ने बच्ची का दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने हेतु सिविल सर्जन को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही दिव्यांग पेंशन हेतु सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन का उद्देश्य जरूरतमंद एवं पात्र व्यक्तियों तक सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाना है। उन्होंने यह भी कहा कि दिव्यांगजनों, बच्चों एवं अन्य संवेदनशील वर्गों से जुड़े मामलों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि दिव्यांगजनों के कल्याण से संबंधित योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए तथा पात्र लाभार्थियों को शीघ्र लाभ उपलब्ध कराया जाए, ताकि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति सरकारी सहायता से वंचित न रहे।

सीसीएल ने बच्चों में जगाई पर्यावरण संरक्षण की चेतना, चित्रकला-स्लोगन लेखन एवं निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन

(वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर)

"प्रकृति से प्रेरित, जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिए" थीम पर लगभग 250 बच्चों ने लिया उत्साहपूर्वक भाग

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड में विश्व पर्यावरण दिवस-2026 के उपलक्ष्य में पर्यावरण विभाग द्वारा बच्चों के लिए चित्रकला, स्लोगन लेखन एवं निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस वर्ष की वैश्विक थीम "प्रकृति से प्रेरित, जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिए" के अनुरूप आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों एवं युवाओं में पर्यावरणीय जागरूकता को बढ़ावा देना तथा उनकी रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना था।

प्रतियोगिताओं में विभिन्न आयु वर्गों के लगभग 250 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपने चित्रों, स्लोगनों एवं निबंधों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता, जैव विविधता संरक्षण तथा सतत जीवनशैली जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचारों एवं चिंताओं को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया।

कार्यक्रम में निदेशक (योजना एवं परियोजना) श्री अनुप हंजुरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में उन्होंने बच्चों के बीच पर्यावरणीय चेतना विकसित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी ही कल के सतत एवं हरित भविष्य की आधारशिला है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने में बच्चों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

यह आयोजन युवा प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करने का एक सशक्त मंच प्रदान करने के साथ-साथ पृथ्वी की रक्षा एवं सतत विकास के लिए सामूहिक उत्तरदायित्व के संदेश को भी सुदृढ़ करता है।

गौरतलब है कि प्रतियोगिताओं के विजेताओं को 05 जून, 2026 को सीसीएल मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पुरस्कृत किया जाएगा।

सड़क दुर्घटना में मृत खाताधारक के परिजनों को एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने सौंपा 2 लाख रुपये का बीमा दावा

रफ्तार मीडिया बालूमाथ

बालूमाथ (लातेहार)। सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले एयरटेल पेमेंट्स बैंक के खाताधारक स्वर्गीय भारत यादव के परिजनों को बैंक की ओर से 2 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा दावा प्रदान किया गया। सोमवार, 1 जून 2026 को आयोजित एक सादे समारोह में यह राशि मृतक की पत्नी शिल्पी देवी को सौंपी गई।जानकारी के अनुसार, बरियातू गांव निवासी भारत यादव की 16 मार्च 2025 को मोटरसाइकिल दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। वे एयरटेल पेमेंट्स बैंक के खाताधारक थे। बैंक की दुर्घटना बीमा योजना के तहत दावा स्वीकृत होने के बाद उनकी नामित पत्नी शिल्पी देवी को 2 लाख रुपये का चेक सौंपा गया।

कार्यक्रम में एयरटेल पेमेंट्स बैंक के जोनल मैनेजर धर्मेंद्र कुमार सिंह, ग्राहक शिकायत अधिकारी संजीव कुमार सिंह, जिला टेरिटरी मैनेजर प्रदीप कुमार यादव, बैंक साथी उमेश प्रजापति तथा एयरटेल डिस्ट्रीब्यूटर बालूमाथ के राजू कुमार लोहरा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। सभी अधिकारियों ने संयुक्त रूप से बीमा राशि का चेक शिल्पी देवी को प्रदान किया।इस अवसर पर बैंक अधिकारियों ने उपस्थित लोगों को एयरटेल पेमेंट्स बैंक की विभिन्न सुविधाओं एवं योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एयरटेल पेमेंट्स बैंक में खाता खुलवाने पर पात्र खाताधारकों को 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क दुर्घटना बीमा कवर उपलब्ध कराया जाता है, जिससे जरूरत पड़ने पर परिवार को आर्थिक सहायता मिल सके।बीमा दावा मिलने पर मृतक के परिजनों ने एयरटेल पेमेंट्स बैंक के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि इस सहायता से परिवार को कठिन समय में आर्थिक संबल मिला है।

आम उत्पादकों को मिलेगा बेहतर बाजार, लातेहार में आयोजित हुआ क्रेता-विक्रेता सम्मेलन

रफ्तार मीडिया ` लातेहार

बालूमाथ बालूमाथ मनरेगा के तहत संचालित बिरसा हरित ग्राम योजना से जुड़े आम उत्पादक किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के उद्देश्य से मंगलवार को जिला ग्रामीण विकास शाखा, लातेहार में क्रेता-विक्रेता सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य किसानों द्वारा उत्पादित आम के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध कराना और उन्हें उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाना था।कार्यक्रम में जिले के सभी प्रखंडों के प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी (मनरेगा), प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक (झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी) तथा किसान उत्पादक संगठन के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।बैठक की अध्यक्षता करते हुए उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद ने कहा कि बिरसा हरित ग्राम योजना के लाभुकों को उनके आम का बेहतर मूल्य मिले, इसके लिए सभी संबंधित विभागों को समन्वित रूप से कार्य करना होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों को बाजार से जोड़ने के लिए ठोस रणनीति तैयार की जाए तथा किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से विपणन व्यवस्था को मजबूत किया जाए।उन्होंने कहा कि जिले में पिछले कुछ वर्षों के दौरान बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत बड़े पैमाने पर फलदार पौधों का रोपण किया गया है। इनमें आम के पौधों की संख्या सर्वाधिक है। इसके परिणामस्वरूप जिले में आम का उत्पादन काफी बढ़ा है, लेकिन उचित बाजार उपलब्ध नहीं होने के कारण किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य नहीं मिल पा रहा था। इसी समस्या के समाधान और किसानों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से इस सम्मेलन का आयोजन किया गया।बैठक में अपर समाहर्ता सह निदेशक, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण सलमान जफर खिजरी, परियोजना पदाधिकारी (मनरेगा), जिला कार्यक्रम प्रबंधक (झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी) सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

मेला देखने आए युवक का शव पेड़ से लटका मिला, हत्या की आशंका

रफ्तार संवाददाता रंजीत पालकोट (गुमला)। पालकोट थाना क्षेत्र के सेमरा भंडार टोली में एक 20 वर्षीय युवक का शव पेड़ से रस्सी के सहारे लटका हुआ मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान गुमला जिले के कोयनारा टंगरा टोली निवासी गौरव सिंह (20 वर्ष), पिता रमेश सिंह के रूप में की गई है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक और भय का माहौल है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।प्राप्त जानकारी के अनुसार गौरव सिंह सोमवार को अपने दोस्तों के साथ गुडमा मेला देखने आया था। मेला समाप्त होने के बाद उसके सभी दोस्त अपने-अपने घर लौट गए, लेकिन गौरव घर नहीं पहुंचा। देर रात तक घर वापस नहीं आने पर परिजनों की चिंता बढ़ गई। इसके बाद परिजन और ग्रामीण उसकी तलाश में जुट गए। काफी खोजबीन के बाद मंगलवार सुबह सेमरा भंडार टोली में एक पेड़ से उसका शव रस्सी के सहारे लटका हुआ पाया गया।घटना की सूचना मिलते ही पालकोट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। शव मिलने की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए।ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।थाना प्रभारी तरुण कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। मृतक के शरीर पर कई स्थानों पर चोट एवं घाव के निशान पाए गए हैं। इससे आशंका जताई जा रही है कि युवक की पहले हत्या की गई और बाद में साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को पेड़ से लटका दिया गया। हालांकि घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगा।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया है। साथ ही घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए गए हैं। पुलिस मृतक के दोस्तों, परिजनों और अन्य संबंधित लोगों से पूछताछ कर रही है। मामले के हर पहलू की जांच की जा रही है ताकि घटना की सच्चाई सामने आ सके। थाना प्रभारी ने कहा कि इस घटना में शामिल अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। जल्द ही मामले का खुलासा कर दोषियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

ग्राम विकास समिति के सदस्यों को दिया गया क्षमता निर्माण का प्रशिक्षण

झुमरी तिलैया - समर्पण संस्था द्वारा होटल सेलिब्रेशन, कोडरमा में ग्राम विकास समिति के सक्रिय सदस्यों के लिए एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में डोमचांच प्रखंड के बेहराडीह, मधुबन, बंगाखलार, ढाब, ढोढाकोला, पारहो एवं जानपुर पंचायतों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में प्रोग्राम मैनेजर सलोनी कुमारी ने प्रतिभागियों को ग्राम सभा की भूमिका एवं महत्व, पंचायत स्तर पर विकास कार्यों में सामुदायिक सहभागिता, सरकारी योजनाओं की निगरानी, पर्यावरण संरक्षण, बाल एवं महिला अधिकारों की सुरक्षा तथा पंचायत स्तरीय कार्ययोजना निर्माण जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी दी।

कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने अपने-अपने गांवों की वर्तमान स्थिति, स्थानीय समस्याओं और चुनौतियों पर चर्चा करते हुए उनके समाधान के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर विचार-विमर्श किया। साथ ही ग्राम सभा को अधिक प्रभावी और सहभागी बनाने के लिए विभिन्न सुझाव

संपादकीय

आगामी दिनों में होने वाली इंडिया गठबंधन की बैठक के मायने

भारतीय राजनीति में विपक्षी दलों के मंच के रूप में उभरे इंडिया गठबंधन की आगामी बैठक पर देश की राजनीतिक निगाहें टिकी हुई हैं। यह बैठक केवल विभिन्न दलों के नेताओं का एक औपचारिक जमावड़ा नहीं है, बल्कि विपक्ष की एकता, उसकी रणनीति और भविष्य की राजनीतिक दिशा का महत्वपूर्ण संकेतक भी मानी जा रही है। ऐसे समय में जब देश की राजनीति लगातार नए समीकरणों और चुनौतियों से गुजर रही है, यह बैठक कई मायनों में महत्वपूर्ण हो जाती है।

लोकसभा चुनाव के बाद विपक्षी राजनीति एक नए दौर में प्रवेश कर चुकी है। चुनाव परिणामों ने यह स्पष्ट किया कि विपक्ष यदि एकजुट होकर रणनीति बनाए तो वह सत्तापक्ष को कड़ी चुनौती दे सकता है। हालांकि चुनाव के बाद गठबंधन के भीतर कई मुद्दों पर मतभेदों की चर्चाएं भी सामने आईं। ऐसे में यह बैठक गठबंधन के भीतर विश्वास और समन्वय को मजबूत करने का अवसर प्रदान करेगी।

बैठक का एक प्रमुख एजेंडा संसद के आगामी सत्रों में विपक्ष की संयुक्त रणनीति तय करना हो सकता है। महंगाई, बेरोजगारी, कृषि संकट, सामाजिक न्याय, संघीय ढांचे और लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका जैसे मुद्दों पर विपक्ष किस प्रकार सरकार को घेरने की कोशिश करेगा, इस पर चर्चा होने की संभावना है। यदि गठबंधन इन मुद्दों पर एक स्वर में बोलने में सफल रहता है तो उसकी राजनीतिक प्रभावशीलता बढ़ सकती है।

इसके अतिरिक्त, विभिन्न राज्यों में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव भी बैठक के केंद्र में रह सकते हैं। सीटों के तालमेल, चुनावी रणनीति और साझा प्रचार अभियान जैसे विषयों पर सहमति बनाना गठबंधन के लिए आसान नहीं होगा। कई राज्यों में सहयोगी दल एक-दूसरे के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी भी रहे हैं। इसलिए यह बैठक इस बात की भी परीक्षा होगी कि गठबंधन अपने आंतरिक मतभेदों को कितनी कुशलता से संभाल पाता है।

राजनीतिक दृष्टि से यह बैठक विपक्षी नेतृत्व के प्रश्न पर भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। गठबंधन के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि देश के सामने एक वैकल्पिक दृष्टि और भरोसेमंद नेतृत्व प्रस्तुत करना भी है। जनता केवल विरोध की राजनीति नहीं, बल्कि समाधान और सकारात्मक एजेंडा भी देखना चाहती है।

सत्तापक्ष के लिए भी इस बैठक के निहितार्थ कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। एक मजबूत और संगठित विपक्ष लोकतंत्र को अधिक उत्तरदायी बनाता है। विपक्ष की सक्रियता सरकार को अपनी नीतियों और निर्णयों पर अधिक स्पष्टता तथा जवाबदेही के लिए प्रेरित करती है। इसलिए विपक्षी एकता का प्रश्न केवल राजनीतिक दलों का नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती का भी विषय है।

इंडिया गठबंधन की आगामी बैठक का महत्व उसके द्वारा पारित प्रस्तावों से कहीं अधिक इस बात में निहित होगा कि वह जनता के बीच कितना विश्वास पैदा कर पाता है। यदि बैठक से स्पष्ट रणनीति, मजबूत समन्वय और जनहित के मुद्दों पर ठोस दृष्टिकोण सामने आता है, तो यह विपक्ष के लिए नई ऊर्जा का स्रोत बन सकती है। लेकिन यदि मतभेद और अस्पष्टता हावी रहती है, तो गठबंधन के सामने अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने की चुनौती और बढ़ जाएगी। लोकतंत्र में सशक्त सरकार जितनी आवश्यक है, उतना ही आवश्यक एक सशक्त और जिम्मेदार विपक्ष भी है। इंडिया गठबंधन की यह बैठक इसी कसौटी पर परखी जाएगी।

बैठक में टीएमसी का मुद्दा उठेगा ?

इंडिया गठबंधन की आगामी बैठक केवल सीटों के बंटवारे, चुनावी रणनीति या सरकार के खिलाफ विपक्षी एकता के प्रदर्शन तक सीमित नहीं रहने वाली है। हाल के दिनों में पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ (टीएमसी) से जुड़े नेताओं पर हुए हमलों, पार्टी और सहयोगी दलों के बीच बढ़ती राजनीतिक दूरी तथा विपक्षी एकजुटता को लेकर उठ रहे सवालों के कारण टीएमसी का मुद्दा बैठक में प्रमुखता से उठ सकता है।

टीएमसी इंडिया गठबंधन की सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रीय पार्टियों में से एक है। पश्चिम बंगाल में उसका मजबूत जनाधार है और राष्ट्रीय राजनीति में भी उसकी भूमिका लगातार बढ़ी है। लेकिन कई अवसरों पर टीएमसी और गठबंधन के अन्य दलों, के बीच मतभेद सामने आते रहे हैं। ऐसे में यदि विपक्षी एकता को मजबूत करना है तो इन अंतर्विरोधों पर खुलकर चर्चा आवश्यक होगी।हाल ही में टीएमसी नेताओं पर हुए हमलों और राजनीतिक हिंसा की घटनाओं ने भी चिंता बढ़ाई है। लोकतंत्र में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, लेकिन हिंसा किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं हो सकती। यदि किसी दल के नेताओं या कार्यकताओं की सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न लगता है, तो यह केवल उस दल का नहीं बल्कि पूरे लोकतांत्रिक ढांचे का विषय बन जाता है। इसलिए संभावना है कि इंडिया गठबंधन की बैठक में राजनीतिक हिंसा और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का मुद्दा भी उठे।दूसरी ओर, गठबंधन के सामने सबसे बड़ी चुनौती भाजपा के मुकाबले एक साझा राजनीतिक विकल्प प्रस्तुत करने की है। यदि सहयोगी दल आपसी मतभेदों को सार्वजनिक रूप से बढ़ाते हैं, तो इसका सीधा लाभ सत्तापक्ष को मिल सकता है। इसलिए बैठक में टीएमसी से जुड़े विवादों पर चर्चा होने के साथ-साथ संवाद और समन्वय बढ़ाने पर भी जोर दिया जा सकता है।यह भी ध्यान रखना होगा कि विपक्षी गठबंधन केवल चुनावी गणित का नाम नहीं है। उसकी सफलता आपसी विश्वास, साझा कार्यक्रम और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता पर निर्भर करती है। टीएमसी का मुद्दा यदि बैठक में उठता है तो उसका उद्देश्य किसी दल को कटघरे में खड़ा करना नहीं, बल्कि गठबंधन की एकजुटता और विश्वसनीयता को मजबूत करना होना चाहिए।

इंडिया गठबंधन की बैठक इस बात की परीक्षा होगी कि क्या विपक्ष अपने आंतरिक मतभेदों को पीछे छोड़कर राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रभावी और संगठित राजनीतिक विकल्प प्रस्तुत कर सकता है। टीएमसी से जुड़े मुद्दों पर होने वाली चर्चा इसी व्यापक लक्ष्य की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष उतना ही आवश्यक है जितनी मजबूत सरकार, और यह बैठक उसी संतुलन को स्थापित करने की एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित हो सकती है।

भारत की जांच एजेंसियां: सफलता, चुनौतियां और सावधानी की जरूरत

विवेक शुक्ला

ये सच है कि भारत की तेजी से बदलती आर्थिक और शैक्षणिक व्यवस्था में सरकारी जांच एजेंसियां कानून के शासन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और आयकर विभाग जैसी संस्थाएं वित्तीय अपराधों, मनी लॉन्ड्रिंग, कर चोरी, फ्रॉड और भ्रष्टाचार के खिलाफ निरंतर संघर्ष कर रही हैं। इनकी मेहनत, समर्पण और कई बड़ी सफलताओं की सराहना अवश्य की जानी चाहिए।

हालांकि, इन एजेंसियों को कई गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। आधुनिक वित्तीय अपराध अब अत्यंत जटिल, बहु-राज्यीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के हो गए हैं। मनी लॉन्ड्रिंग के नेटवर्क अक्सर शेल कंपनियों, क्रिप्टोकरेंसी और विदेशी बैंकों के माध्यम से चलते हैं, जिनका पता लगाना बेहद कठिन होता है। एजेंसियों के पास संसाधनों की कमी, तकनीकी बुनियाद की सीमाएं और विशाल डेटा की छानबीन का बोझ भी है। इसके अलावा, राजनीतिक दबाव, मीडिया की तीखी नजर और समयबद्ध परिणाम देने की अपेक्षा उन्हें लगातार दबाव में रखती है। इन चुनौतियों के बावजूद उन्हें अपनी कार्रवाइयों में निष्पक्षता, प्रक्रियागत न्याय और सावधानी बनाए रखनी चाहिए। इनका कामकाज कमोबेश निष्पक्ष रहता भी है।

पर,अच्छी नीयत के बावजूद, अधूरी जांच के आधार पर जारी की गई प्रेस रिलीज या तीखे सार्वजनिक बयान कभी-कभी निर्दोष संस्थानों, व्यवसायों और शिक्षा केंद्रों की साख को स्थायी रूप से नुकसान पहुंचा सकते हैं। सालों की मेहनत और विश्वास एक रात में धूल-धूसरित हो सकता है। इस संदर्भ में फीटजी ऋककळ-खएए का मामला उल्लेखनीय है। 1992 में स्थापित यह प्रतिष्ठित संस्थान पिछले 33 वर्षों से लाखों छात्रों को ककळ-खएए की तैयारी करा रहा है और देश के कोचिंग उद्योग में अपनी मजबूत पहचान रखता है।

बीती 26 अप्रैल को प्रवर्तन निदेशालय ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर एक विस्तृत प्रेस रिलीज जारी की, जिसमें ऋककळखएए पर बड़े पैमाने पर फ्रॉड का आरोप लगाया गया और 206 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त करने का दावा किया गया। एऊ ने कहा कि संस्थान छात्रों को उचित सेवाएं नहीं दे रहा था और व्यवस्थित तरीके से धन का गबन कर रहा था।

इस खबर का प्रभाव तुरंत और विनाशकारी रहा। लाखों छात्रों और अभिभावकों में हड़कंप मच गया। जो संस्थान सफलता और विश्वास का पर्याय माना जाता था, उसकी छवि एक झटके में प्रभावित हो गई। वरिष्ठ अधिवक्ता मलक भट्ट ने सही कहा कि सरकार की एजेंसियों को ऐसे बयान जारी करने से पहले पर्याप्त एहतियात बरतनी चाहिए, क्योंकि एक संगठन की साख को अपूरणीय क्षति पहुंच सकती है।

पीड़ित पक्ष ने दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया। उसका तर्क था कि प्रेस रिलीज मात्र प्रारंभिक विश्लेषण पर आधारित थी और शो-कॉज नोटिस तक जारी नहीं किया गया था, जो प्रक्रिया का उल्लंघन है।

न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव की पीठ के समक्ष प्रवर्तन निदेशालय ने सात दिनों में प्रेस रिलीज हटाने का आश्वासन दिया। उच्च न्यायालय ने 6 मई को याचिका का निस्तारण कर दिया। इससे पहले 18 मार्च को कोर्ट ने जांच एजेंसी की प्रेस रिलीज में ह्लजजमेंटल एस्परसन्सह्न पर कड़ी टिप्पणी की थी और 2010 के गृह मंत्रालय के मेमोरेंडम का हवाला दिया, जिसमें जांच एजेंसियों को चल रही जांच के दौरान मीडिया में राय प्रकट करने या जजमेंटल भाषा का उपयोग करने से साफ मना किया गया है।

दुर्भाग्य से, तब तक काफी नुकसान हो चुका था। कई फ्रैंचाइजी पार्टनर पीछे हट गए, बैंक ऋण देने में हिचकिचा रहे थे, निवेशक दूर हो गए और कर्मचारियों का मनोबल गिर गया। सबसे बड़ी क्षति छात्रों और अभिभावकों के विश्वास का टूटना था।

भारत का कोचिंग उद्योग लाखों युवाओं के भविष्य से सीधे जुड़ा हुआ है। अभिभावक अपनी पूरी पूंजी और बच्चों का बहुमूल्य समय इन संस्थानों पर लगाते हैं। यदि बिना ठोस सबूतों के ऐसे बयान बार-बार आएंगे, तो पूरे शिक्षा क्षेत्र पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। न सिर्फ ऋककळखएए, बल्कि अन्य प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान, स्टार्टअप और निजी कंपनियां भी इसकी चपेट में आ सकती हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि जांच एजेंसियों को 2010 के गृह मंत्रालय के दिशा-निदेशों का सख्ती से पालन करना चाहिए। प्रेस रिलीज केवल तभी जारी की जानी चाहिए जब पर्याप्त सबूत जुट जाएं और चार्जशीट दाखिल हो चुकी हो। अधिकारियों के प्रशिक्षण में तथ्यों और राय-आधारित भाषा के बीच स्पष्ट अंतर सिखाया जाना चाहिए।

न्याय में देरी अन्याय है, यह सत्य है। लेकिन जल्दबाजी में किया गया ह्लन्यायह्न निदोषों की जिंदगी बर्बाद कर सकता है। जांच एजेंसियां पूरी निष्ठा और सख्ती से अपना कर्तव्य निभाएं, लेकिन निष्पक्षता, प्रक्रियागत न्याय और सावधानी को भी सुनिश्चित करें। तभी जनता का इन पर विश्वास बरकरार रहेगा और न्याय सही मायनों में न्याय बन पाएगा।

खैर, ये मानना होगा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) भारत की न्याय व्यवस्था के दो मजबूत स्तंभ हैं। ईडी मनी लॉन्ड्रिंग, भ्रष्टाचार और आर्थिक अपराधों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर देश की आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करती है, जबकि सीबीआई गंभीर आपराधिक मामलों, भ्रष्टाचार और घोटालों की निष्पक्ष जांच कर कानून के राज को स्थापित करती है।

दोनों एजेंसियां बिना किसी भय या पक्षपात के काम करती हैं और बड़े-बड़े शक्तिशाली अपराधियों को भी सजा दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इनकी निष्ठा, और अथक प्रयास देश को स्वच्छ और पारदर्शी बनाने में सहायक हैं। ये दोनों संस्थाएं राष्ट्र की सेवा में समर्पित हैं और हर ईमानदार नागरिक इनके प्रति कृतज्ञ है। इसके साथ ही देश आशा करता है कि इनका कामकाज और पेशेवराना और पारदर्शी होगा।

सोशल मीडिया का नया कारोबार : सुविधा, निजता और आर्थिक बोझ का प्रश्न

सत्य भूषण शर्मा

आज का युग सोशल मीडिया का युग है। संचार, मनोरंजन, व्यवसाय और अभिव्यक्ति के सबसे बड़े माध्यम के रूप में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। हाल ही में मेटा द्वारा इंस्टाग्राम, फेसबुक और व्हाट्सएप के लिए नए ह्लप्लसह्न अथवा प्रीमियम सब्सक्रिप्शन फीचर्स शुरू करने की घोषणा ने डिजिटल दुनिया में एक नई बहस को जन्म दिया है। प्रस्तावित शुल्क के बदले उपयोगकताओं को अतिरिक्त सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। पहली दृष्टि में यह कदम तकनीकी प्रगति और उपभोक्ता विकल्पों के विस्तार का प्रतीक दिखाई देता है, किन्तु इसके सामाजिक, आर्थिक और नैतिक पहलुओं का गंभीर अध्ययन भी आवश्यक है।

क्या है नया बदलाव ?

मेटा के प्रस्तावित प्रीमियम प्लान के अंतर्गत इंस्टाग्राम उपयोगकताओं को यह जानने की सुविधा मिल सकती है कि उनकी स्टोरी किसने दोबारा देखी है, स्टोरी को अधिक समय तक दिखाने जैसे विकल्प मिल सकते हैं। फेसबुक पर उन्नत एनालिटिक्स और प्रोफाइल कस्टमाइजेशन जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। वहीं व्हाट्सएप में चैट कस्टमाइजेशन, प्रीमियम स्टिकर्स तथा अतिरिक्त व्यक्तिगत सुविधाएं जोड़ी जा सकती हैं।

स्पष्ट है कि इन सुविधाओं का उद्देश्य उपयोगकर्ता अनुभव को अधिक आकर्षक बनाना और कंपनी की आय के नए स्रोत विकसित करना है।

डिजिटल सेवाओं का व्यवसायीकरण

पिछले दो दशकों में इंटरनेट ने लोगों को अनेक सेवाएं लगभग मुफ्त उपलब्ध कराईं। इसके बदले कंपनियां विज्ञापनों से आय अर्जित करती रहीं। अब धीरे-धीरे डिजिटल प्लेटफॉर्म सदस्यता आधारित मॉडल की ओर बढ़ रहे हैं। नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम और यूट्यूब प्रीमियम के बाद सोशल मीडिया का इस दिशा में कदम बढ़ाना कोई आश्चर्य की बात नहीं है।

यह बदलाव बताता है कि तकनीकी कंपनियां केवल विज्ञापनों पर निर्भर नहीं रहना चाहतीं। वे उपभोक्ताओं की मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं, लोकप्रियता की चाह और विशेष सुविधाओं की आकांक्षा को भी आय के स्रोत में बदल रही हैं।

निजता पर बढ़ते सवाल

इस नए मॉडल का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष निजता (ढ१५ूं८) से जुड़ा है। यदि कोई व्यक्ति यह जान सके कि उसकी सामग्री को कौन-कौन देख रहा है, किसने बार-बार देखा है या किस प्रकार लोग उसकी प्रोफाइल पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं, तो यह जानकारी उपयोगी होने के साथ-साथ चिंताजनक भी हो सकती है।

डिजिटल विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी सुविधाएं लोगों में अनावश्यक जिज्ञासा, तुलना और निगरानी की प्रवृत्ति को बढ़ा सकती हैं। पहले जहां सोशल मीडिया संवाद का माध्यम था, वहीं अब यह दूसरों की गतिविधियों पर नजर रखने का साधन भी बन सकता है।

मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव

सोशल मीडिया पहले ही आत्मसम्मान, चिंता, अवसाद और सामाजिक तुलना जैसी समस्याओं से जुड़ा रहा है। यदि ह्लकिसने देखाह्न, ह्लकिसने दोबारा देखाह्न और ह्लकौन आपकी प्रोफाइल में रुचि रखता हैह्न जैसी जानकारियां सशुल्क रूप में उपलब्ध होंगी, तो युवाओं में लोकप्रियता की प्रतिस्पर्धा और अधिक बढ़ सकती है।

कई बार लोग अपनी वास्तविक पहचान के बजाय आभासी छवि को अधिक महत्व देने लगते हैं। ऐसी स्थिति में प्रीमियम सुविधाएं मानसिक दबाव और सामाजिक तुलना को और गहरा कर सकती हैं।

डिजिटल असमानता का खतरा

भारत जैसे विकासशील देश में जहां करोड़ों लोग सीमित आय में इंटरनेट सेवाओं का उपयोग करते हैं, वहां भुगतान आधारित विशेष सुविधाएं डिजिटल असमानता को बढ़ा सकती हैं। एक वर्ग अतिरिक्त सुविधाओं का लाभ उठाएगा जबकि दूसरा वर्ग सामान्य उपयोगकर्ता बनकर रह जाएगा।

यद्यपि मूल सेवाएं निःशुल्क रहने की संभावना है, फिर भी समय के साथ यदि महत्वपूर्ण सुविधाएं भुगतान के दायरे में चली गईं तो डिजिटल लोकतंत्र की भावना प्रभावित हो सकती है।

सकारात्मक पक्ष भी कम नहीं

आलोचना के बीच यह भी स्वीकार करना होगा कि प्रीमियम मॉडल के कुछ लाभ हैं। इससे कंपनियों की विज्ञापनों पर निर्भरता कम हो सकती है। उपयोगकताओं को बेहतर अनुभव, अधिक नियंत्रण और नई सुविधाएं मिल सकती हैं। व्यवसायों, कंटेंट क्रिएटर्स और डिजिटल मार्केटिंग पेशेवरों के लिए उन्नत एनालिटिक्स उपयोगी साबित हो सकते हैं।

यदि इन सेवाओं का उपयोग पारदर्शिता और उपयोगकर्ता हितों को ध्यान में रखकर किया जाए तो यह डिजिटल नवाचार का सकारात्मक उदाहरण भी बन सकता है।

संतुलन की आवश्यकता

सोशल मीडिया कंपनियों का लाभ कमाना स्वाभाविक है, परंतु यह लाभ उपयोगकताओं की निजता, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक समानता की कीमत पर नहीं होना चाहिए। तकनीकी प्रगति का उद्देश्य केवल नए राजस्व स्रोत खोजना नहीं, बल्कि समाज को बेहतर और सुरक्षित डिजिटल वातावरण प्रदान करना भी होना चाहिए।

मेटा के नए प्रीमियम फीचर्स तकनीकी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं, लेकिन इनके प्रभावों का मूल्यांकन केवल व्यावसायिक दृष्टि से नहीं बल्कि सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और नैतिक दृष्टिकोण से भी किया जाना चाहिए।

तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव में हार जीत के बाद सभी पार्टियों में दे दना- दन

अशोक भाटिया

तमिलनाडु में मदुरै (मदुराइस), धरमपुरी, पेरनदुरई, त्रिची पूर्व और अंबासमुद्रम की 5 विधानसभा सीटें हाल ही में विधायकों के इस्तीफे के कारण खाली हुई हैं। इन उपचुनावों में सभी की निगाहें टिकी हैं क्योंकि अभिनेता विजय की ह्यतमिलगा वेत्री कड़गमह्न के सत्ता में आने के बाद यह पहला बड़ा चुनावी परीक्षण होगा। तमिलनाडु में हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में ह्यतमिलगा वेत्री कड़गमह्न ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करके सरकार बनाई है। इन 5 उपचुनावों के परिणामों का हार पार्टी के लिए अलग अलग है व अपनी पार्टी को सुर्खियों बनाए रखने की जरुरत भी । 234 सदस्यों वाली विधानसभा में बहुमत (118) के लिए सत्तारूढ़ टीवीके को कुछ और सीटों की आवश्यकता है, जिससे इन उपचुनावों में राजनीतिक दलों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी।तिरुचिरापल्ली में आयोजित रैली में विजय ने कहा कि त्रिची के लोगों का मैं विशेष रूप से धन्यवाद करता हूं। मैं ऐसा क्यों कह रहा हूं? क्योंकि कानूनी तौर पर अब, वे मुझे पेरम्बूर का विधायक कहेंगे। लेकिन, मेरे दिल के बहुत करीब, त्रिची ही है। गौरतलब हो कि त्रिची ईस्ट सीट पर अब जल्द ही उप चुनाव होगा। राज्य में कुल पांच सीटों पर उपचुनाव होंगे। ऐसे में सीएम विजय के इस दौरे को अहम माना जा रहा था। सीएम विजय ने यह भी साफ किया कि मैं आप में से ही किसी कॉमन मैन को ही त्रिची से उम्मीदवार बनाऊंगा।उधर दूसरी पार्टियों में उनके घर के अन्दर ही विधान सभा चुनाव के बाद से ही कुछ झगड़े या विवाद चालू है । सबसे पहले बात करें भाजपा की तो उसमें बगावत की बू आ रही है और मामला टूट तक पहुच गया है । कभी सूबे में भारतीय जनता पार्टी का सबसे आक्रामक और चमकता हुआ चेहरा रहे पूर्व आईपीएस अधिकारी के। अन्नामलाई के बारे में यह खबर उड़ रही है कि वह भाजपा का दामन छोड़ सकते हैं। मीडिया और सियासी हल्कों में यह दावा किया जा रहा है कि अन्नामलाई दिल्ली दरबार के कुछ फैसलों से बेहद खफा हैं, खासकर राज्य में क्षेत्रीय दलों के साथ पार्टी के नए तालमेल को लेकर। चर्चा तो यहां तक है कि वह जून के इसी हफ्ते में अपने अगले बड़े कदम का ऐलान कर सकते हैं और अपनी खुद की नई पार्टी की घोषणा भी कर सकते हैं। आइए समझने की कोशिश करते हैं कि आखिर वो कौन से समीकरण हैं, जिन्होंने पीएम मोदी के इस सबसे भरोसेमंद सिपाही को बगावत और नई राह चुनने की कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है।

सोशल मीडिया से लेकर चेन्नई के चाय के अड्डों तक यह अफवाह इस वक्त बेहद गर्म है कि अन्नामलाई अब किसी राष्ट्रीय पार्टी के अनुशासन के दायरे में बंधकर रहने के मूड में नहीं हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया जा रहा है कि अन्नामलाई के बेहद करीबी समर्थक और जमीनी स्तर के कार्यकर्ता सोशल मीडिया पर लगातार एक नई राजनीतिक लहर की बातें कर रहे हैं। यहां तक कि उनके प्रशंसक नई पार्टी के संभावित नाम, उसकी विचारधारा और तमिलनाडु की माटी से जुड़े कुछ खास प्रतीकों को भी आपस में शेयर कर रहे हैं।कहा जा रहा है कि जून के पहले या दूसरे हफ्ते में अन्नामलाई कोई बड़ा और चौंकाने वाला आधिकारिक ऐलान कर सकते हैं। द्रविड़ राजनीति के इस मजबूत गढ़ में अपनी एक अलग और बेदाग पहचान बनाने वाले पूर्व आईपीएस के चाहने वाले भी यही चाहते हैं कि वह किसी केंद्रीय गाइडलाइन के नीचे काम करने के बजाय, तमिलनाडु के युवाओं की आवाज बनकर अपनी एक अलग क्षेत्रीय पार्टी खड़ी करें। अगर ऐसा होता है, तो यह दक्षिण भारत में अपनी जड़ें मजबूत करने की कोशिश में जुटी भाजपा के लिए एक बहुत बड़ा झटका साबित हो सकता है। अन्नामलाई के भाजपा छोड़ने की अटकलों के पीछे जो सबसे बड़ी और ठोस वजह निकलकर सामने आ रही है, वो है राज्य के बड़े क्षेत्रीय दल एआईएडीएमके के साथ भाजपा के रिश्तों का उतार-चढ़ाव। अन्नामलाई शुरू से ही इस स्टैंड पर अड़े थे कि भाजपा को तमिलनाडु में बिना किसी बैसाखी के, अपने दम पर अकेले चुनाव लड़ना चाहिए और द्रविड़ राजनीति के विकल्प के रूप में उभरना चाहिए। उन्होंने अपने पूरे कार्यकाल के दौरान द्रविड़ पार्टियों की नीतियों पर जमकर तीखे हमले किए थे, जिससे राज्य के युवाओं में उनका क्रेज बढ़ा था।

अन्नामलाई स्वभाव से बेहद कड़क, स्वाभिमानी और लीक से हटकर राजनीति करने वाले नेता माने जाते हैं। कुछ समय पहले जब उनके साइडलाइन होने या पार्टी लाइन से अलग चलने की खबरें उड़ी थीं, तब उन्होंने मीडिया के सामने आकर बेहद बेबाकी से अपनी बात रखी थी। उन्होंने साफ शब्दों में कहा था कि वह राजनीति में किसी पद या कुर्सी के लालच में नहीं आए हैं। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा था, ह्लमैं जब तक अपनी मर्जी से और अपनी शर्तों पर राजनीति में रहना चाहूंगा, रहूंगा। जिस दिन मुझे लगेगा कि मैं कुछ नहीं बदल पा रहा, मैं वापस अपने गांव जाकर खेती करने लगूंगा।

असद के साथ पूरा विपक्ष, सूर्या अकेला क्यों !

संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश के जिला गाजियाबाद के खोड़ा इलाके में बकरीद के समय युवा सूर्या चौहान की हत्या ने कई सवाल खड़े कर दिये हैं। कोई इसे हिन्दू-मुस्लिम के एंगल से देख रहा है तो किसी को इसके पीछे मजहबी कट्टरता नजर आ रही है। सूर्या को एक मजहब के कुछ लड़कों ने जिस तरह से पाँच लड़कों के समूह ने पेट में चाकू भोंक कर मौत की नींद सुलाया, वह दिल दहला देने वाला था। यूपी पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जबकि मुख्य आरोपी असद पुलिस से मुठभेड़ में मारा गया। बस इसी के बाद प्रदेश में राजनीति शुरू हो गई। सूर्या की हत्या पर जो मौन थे, वह असद के एनकाउंटर पर विलाप करने लगे। असद के एनकाउंटर के खिलाफ एक मजहब के लोग और विपक्ष की एकजुटता देखने लायक है। पुलिस व योगी सरकार के रवैये पर सवाल खड़े किये जा रहे हैं, इसके साथ-साथ निर्दोष युवा सूर्या चौहान के परिवार वालों को तसल्ली देने वाले लोग मुट्ठी भर हैं। सूर्या चौहान की हत्या और उसके बाद असद के एनकाउंटर ने शहर को दो हिस्सों में बाँट दिया है। एक तरफ वह लोग हैं जो योगी सरकार की कार्रवाई की मुक्त कंठ से प्रशंसा कर रहे हैं, यह कहते हुए कि कानून का पोषक अपराधियों के खिलाफ कठोर होना चाहिए। दूसरी तरफ विपक्ष और एक खास मजहब के लोग एक साथ असद के पक्ष खड़े होते हैं, पुलिस की तेजतर्रार कार्रवाई के तरीकों पर सवाल उठाते हैं और शेखी से ज्यादा पारदर्शिता की मांग करते हैं। इस घड़ी में वही पुरानी परतें फिर उभर कर आती दिखती हैं, जातिगत भावनाएँ, राजनीतिक फायदा और फास्ट-फॉरवर्ड जस्टिस की लालसा।

पूरे घटनाक्रम में सबसे अधिक सूर्या की हत्या और इस परिवार का प्रलाप दिखाई देता है तो कुछ स्थानीय लोग अपराध की कुछ पुरानी घटनाओं को उजागर करते हुए सूर्या की हत्या को नई ह्यशक्लह्न देने में लगे हैं। यहाँ एक विशेष मजहब से ताल्लुक रखने वाले लोग पूरे घटनाक्रम से जानबूझकर दूरी बनाए हुए हैं। वे कहते हैं कि उन्हें किसी सूर्या की हत्या के बारे में नहीं पता है, पर जब असद के एनकाउंटर की बात आती है तो उनकी संवेदना अचानक जाग जाती है। विशेषकर जब उनके समुदाय का कोई सदस्य किसी विशिष्ट नैरेटिव में फिट नहीं बैठता। राजनीति तुरंत सक्रिय हो जाती है। विपक्षी नेताओं के भाषण में नेमबद्ध आरोप नजर आते हैं। आरोप लगाया जाता है कि पुलिसिया एनकाउंटर कई बार खतरनाक तरीके से इसलिए किए जाते हैं ताकि असुविधाजनक सवालों और गवाहों को समाप्त किया जा सके। वे पुराने मामलों की सूची गिनाते हैं जहाँ प्रत्यक्षदर्शियों, आरोपियों या पीड़ितों के साथ संदिग्ध परिस्थितियों में निपटा गया। जनता की स्मृति में 2010 का वह मामला आता है, जब एक युवक की संदिग्ध हालातों में मौत हुई और पुलिस ने उसे आत्मरक्षा का ठहराया। फिर 2014 और 2018 की घटनाएं भी दिमाग में घूमती हैं। हर बार एक ही पैटर्न तेज-तर्रार कार्रवाई, संदेह के बादल, और समय के साथ फीकी पड़ती जाँचें। विपक्ष इन पुराने मामलों का हवाला देता है ताकि सामूहिक गुस्से को विधि और प्रक्रिया के साथ जोड़ कर दशार्या जा सके कि यह सिर्फ व्यक्तिगत घटना नहीं, बल्कि प्रणालीगत समस्या है।

वहीं असद के एनकाउंटर को सही ठहराने वाले कहते हैं कि कानून का हाथ जब तेजी से चलता है तो अपराधी डरते हैं और अपराध घटते हैं। उनके लिए एनकाउंटर तुरंत सजा देने जैसा लगता है। नतीजा साफ और त्वरित होता है। वे पुलिस की नीतियों में कठोरता की वकालत करते हैं और सिस्टम पर भरोसा जताते हैं। इस विश्वास की जड़ें कई वर्षों के अनुभवों से जुड़ी हैं, जब सिस्टम धीमा और गैर-लाभकारी लगता है, तब लोक-मन चाहने लगता है कि निर्णायक कार्रवाई हो। यही भावना अक्सर भीड़ की मांग बनकर सामाजिक दबाव उत्पन्न करती है। असल में समस्या केवल न्यायिक या पुलिसिया प्रक्रिया पर नहीं टिकती; यह पहचान, समुदाय और राजनीतिक असंतुलन का भी मामला है। सूर्या के मरने के बाद जिन कुछ लोगों की तस्वीरें और वीडियो सामने आते हैं, वे मुट्ठी भर हैं। वे स्थानीय लोग, कुछ रिश्तेदार और कुछ परिचित हैं, पर आंकड़े बताते हैं कि इलाके में रहने वाले विशेष मजहब के कई लोग अब भी इस पूरे घटनाक्रम से विमुख हैं। उनके बीच भय की एक परत घूम रही है। ये लोग खुलकर बोलने से सामाजिक बहिष्कार, बदनामी या राजनीतिक निशाना बनते हैं। इसलिए वे बाहर से दुख जाहिर करते हैं, पर अंदर से दूरी बनाए रखते हैं। इस दूरी में राजनीति फल-फूल रही है; नेता अपनी आवाजों का इस्तेमाल कर रहे हैं, और स्थानीय लोगों की अनिच्छा कार्यवाही के नैरेटिव को बदल देती है।समाचार माध्यम और सोशल मीडिया इस स्थिति में ईंधन का काम करते हैं। मीडिया के कुछ हिस्से घटनाओं को तेजी से पॉलिटिकल फ्रेम में आकार देते हैं, कुछ हिस्से भावनाओं को हवा देते हैं। सोशल मीडिया पर क्लिक्स के लिए कटिंग क्लिप, भावनात्मक पोस्ट और कुछ केस-हिस्ट्रीज चलते हैं। कभी-कभी सटीक तथ्य की जगह अफवाहें तेजी से फैलती हैं। परिवार के सदस्यों के कथित बयान, वीडियो के अनचेक्ड क्लिप, और पुराने विवादों की रील-रीप्ले। इस माहौल में निष्पक्ष जांच और ठोस सबूत माँगना कठिन हो जाता है, क्योंकि सार्वजनिक धारणा पहले ही धक्का खा चुकी होती है। विरोध और समर्थन दोनों तरफ के बयानों में एक सामान्य रिसाव दिखता है।

आईसीसी ने टेस्ट क्रिकेट में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल सहित कई बदलावों को दी मंजूरी

–अनियमितताओं के गंभीर आरोपों के कारण क्रिकेट कनाडा को निलंबित किया

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद् (आईसीसी) ने यहां हुई अपनी सालाना आम बैठक में टेस्ट क्रिकेट में गुलाबी गेंद के प्रयोग सहित कई अन्य बदलावों को अपनी मंजूरी दे दी है हालांकि ये सभी नियम इस साल अक्टूबर से अमल में लाये जाएंगे। आईसीसी ने कहा है कि खराब रोशनी के दौरान गुलाबी गेंद का इस्तेमाल किया जा सकेगा। आईसीसी ने इसके अलावा टीम के मुख्य कोच को ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान मैदान पर जाकर खिलाड़ियों से रणनीतिक चर्चा करने की अनुमति भी दे दी है। वहीं इस दो दिवसीय बैठक में भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अनियमितताओं के गंभीर आरोपों के चलते क्रिकेट कनाडा की सदस्यता को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

आईसीसी के बयान के अनुसार, टेस्ट मैचों में गुलाबी गेंद का उपयोग दोनों टीमों की सहमति से परीक्षण के आधार पर किया जाएगा जिससे खराब रोशनी की स्थिति में अधिक से अधिक समय तक खेल हो सके। इस नई व्यवस्था के तहत, मैच की शुरुआत पारंपरिक लाल गेंद से होगी, लेकिन यदि दिन के खेल के दौरान रोशनी कम हो जाती है और कुछ ओवर बाकी रह जाते हैं, तो दोनों टीमों की सहमति से उन शेष ओवरों को फ्लडलाइट्स के दौरान गुलाबी गेंद से पूरा किया जा सकेगा हालांकि भारतीय टीम इस व्यवस्था को स्वीकार करेगी ये अभी पक्का नहीं है क्योंकि भारतीय क्रिकेटर घरेलू हालातों में गुलाबी गेंद से टेस्ट खेलने को लेकर पहले से भी तैयार नहीं थे। इसका कारण गुलाबी गेंद से मिलने वाला अधिक सीम मूवमेंट है। वहीं आईसीसी ने खराब रोशनी के कारण खेल में समय के नुकसान को कम करने के लिए मैच अधिकारियों और मैदानों में प्रकाश व्यवस्था से जुड़ी नई तकनीकों को बेहतर बनाने को भी मंजूरी दी है, इसमें किए आईसीसी और मेलिबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) संयुक्त रूप से आर्थिक सहायता करेंगे।

खेल नियमों में एक और सुधार करते हुए, आईसीसी ने अब मुख्य कोच या उनके प्रतिनिधियों को निर्धारित ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान मैदान पर आकर खिलाड़ियों से बात करने की अनुमति दे दी है। यह सुविधा टी20 क्रिकेट में दी जा रही रणनीतिक टाइम आउट सुविधा के समान है। ये अब टेस्ट क्रिकेट में भी उपलब्ध होगी। इसके अतिरिक्त, टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए 15 मिनट के अनिवार्य अंतराल और खेल दोबारा शुरू होने पर बल्लेबाजों के तुरंत तैयार रहने से जुड़े नियमों को भी मंजूरी दी गयी है। वहीं प्रशासनिक मोर्चे पर, आईसीसी ने भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोपों पर क्रिकेट कनाडा को निलंबित करने के साथ-साथ बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के चुनावों की निगरानी के लिए अपने वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। गेंदबाजी नियमों में भी बदलाव किए गए हैं। वैध गेंदबाजी एक्शन पर प्रभावी निगरानी के लिए अब मैदानी अंपायरों को हॉक-आई डेटा तक पहुंच मिलेगी, जिससे वे किसी गेंदबाज के एक्शन की रिपोर्ट करते समय इन आंकड़ों का उपयोग कर सकेंगे। लेग साइड वाइड से जुड़े परीक्षण नियम को भी स्थायी रूप से अपनाने की मंजूरी दी गई है। वहीं इसके अलावा महिला क्रिकेट के विकास को बढ़ावा देने के लिए, आईसीसी ने महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी 2026 के आयोजन को भी मंजूरी दी है। इस 10 टीमों के टूर्नामेंट में पांच पूर्ण सदस्य और पांच एसोसिएट सदस्य देश हिस्सा लेंगे, जिनका चयन रैंकिंग और महिला टी20 विश्व कप क्वालीफिकेशन प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा।

आईपीएल 2026 में फ्लाप रहे बुमराह

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के लिए आईपीएल का 2026 सत्र बेहद खराब रहा और वह केवल 4 विकेट ही ले पाये। वहीं उनकी टीम मुम्बई इंडियंस को उम्मीद थी कि वह धमाकेदार प्रदर्शन करेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। बुमराह पूरे सत्र में संघर्ष करते दिखे और उनकी गेंदों पर काफी चौके और छक्के लग रहे। इसके कारण मुम्बई इंडियंस को भी काफी नुकसान उठाना पड़ा।

इस पूरे सत्र में बुमराह 13 मुकाबलों में केवल 4 विकेट ही ले पाये। उनका गेंदबाजी औसत 102.50 का रहा। ये किसी आईपीएल सत्र में 30 से अधिक ओवर फेंकने वाले किसी भी गेंदबाज के लिए सबसे खराब आंकड़ा है। विकेट लेने की अपनी असाधारण क्षमता के लिए मशहूर बुमराह एक भी मैच में बल्लेबाजों पर दबाव नहीं डाल सके। वह हर मैच में विकेट के लिए तरसते दिखे। 9 मैचों में तो वह एक भी विकेट नहीं ले पाये। पूरे टूर्नामेंट के दौरान एक भी मैच में बुमराह दो विकेट तक नहीं ले पाये।

उनके पिछले रिकॉर्ड्स को देखते हुए, यह उनके आईपीएल करियर का सबसे खराब सत्र रहा। इससे पहले साल 2013 और 2015 में भी उन्होंने केवल 3-3 विकेट ही लिए थे पर तब वह नये गेंदबाज थे। वहीं इस बार पूरा सत्र खेलने के बाद भी वह विफल रहे। बुमराह के इस प्रकार असफल होने से उनकी टीम मुंबई इंडियंस भी प्रभावित हुई और केवल चार मैच ही जीतकर अंक तालिका में नवें स्थान पर रही। वहीं बुमराह के लय में नहीं होने से विरोधी टीमों ने मुम्बई के अन्य गेंदबाजों को भी जमकर पीटा। इससे टीम को भी 10 मैचों में हार झेलनी पड़ी।

वैभव पर अध्ययन करेगा आईआईएम इंदौर

इंदौर (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी से सबको हैरान करने वाले 15 साल के वैभव सूर्यवंशी की मिली सफलता से सभी हैरान हैं। प्रशंसकों को ये समझ नहीं आ रहा है कि इतनी कम उम्र में कोई इतना सफल कैसे हो सकता है। इसी को देखते हुए भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) इंदौर ने वैभव के मामले को दुर्लभ मानते हुए अध्ययन का फैसला किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार अपनी उम्र से कहीं बेहतर बल्लेबाजी क्षमता और छक्के मारने की कला के पीछे के रहस्यों का खुलासा करने के लिए खेल, मनोविज्ञान और प्रबंधन के शीर्ष विशेषज्ञ एक साथ काम करेंगे। किसी खिलाड़ी पर आधारित यह देश का पहला अध्ययन होगा जिसमें ये जानने का प्रयास किया जाएगा कि इतनी कम उम्र के बाद भी वह मैचों के दौरान विपरीत हालातों के बीच भी दबाव में क्यों नहीं आते। वैभव ने आईपीएल सत्र में सबसे अधिक 72 छक्के लगाकर वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज क्रिस गेल का 14 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ा था। इसके अलावा 700 से अधिक रन बनाये। वह इस सत्र में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। ये अध्ययन केवल वैभव की खेल उपलब्धियों का ही विश्लेषण नहीं करेगी, बल्कि उन सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, पारिवारिक और संस्थागत कारकों को भी गहराई से समझने की कोशिश करेगी जो कम उम्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को आकार देने में महत्वपूर्ण साबित होते हैं। संस्थान का मानना है कि वैभव की क्रिकेट यात्रा के पीछे व्यक्तिगत क्षमता के साथ-साथ कड़ी मेहनत, परिवार का त्याग, समर्पण और मेंटर्स का योगदान भी बेहद अहम रहा है। यह शोध केवल सफलता पर ही केंद्रित नहीं होगा, बल्कि प्रसिद्धि के विपरीत प्रभाव को भी सामने लायेगा। आम तौर पर देखा जाता है कि बेहद कम उम्र में मिलने वाली भारी प्रसिद्धि, करोड़ों रुपये के आकर्षक ऑफर और सोशल मीडिया का अनियंत्रित दबाव युवा प्रतिभाओं को विचलित कर देता है। इसके चलते कई खिलाड़ी मानसिक थकान और अत्यधिक अपेक्षाओं के बोझ तले दबकर अपनी पूरी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं। इस अध्ययन के माध्यम से एक ऐसे इकोसिस्टम का ब्लूप्रिंट तैयार किया जाएगा, जो कॉर्पोरेट जगत को भी प्रतिभा प्रबंधन का एक बिल्कुल नया और प्रभावी मॉडल प्रदान करेगा।

फीफा विश्वकप 2026, कई नये नियमों के साथ खेला जाएगा

सेन डियागो (एजेंसी)। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले आगामी फीफा विश्वकप 2026 में फुटबॉल के खेल में कई अभूतपूर्व नियम लागू किए जाएंगे, जिनका उद्देश्य मैदान पर खिलाड़ियों के अनुशासन को मजबूत करना और खेल भावना को बढ़ावा देना है। 11 जून से शुरू होने वाले इस वैश्विक टूर्नामेंट में अब खिलाड़ी बहस के दौरान अपना मुंह नहीं ढक सकेंगे। यदि कोई खिलाड़ी ऐसा करता है, तो उसे तत्काल लाल कार्ड का सामना करना पड़ेगा। यह महत्वपूर्ण कदम खिलाड़ियों के बीच होने वाले मौखिक दुर्व्यवहार, विशेषकर नस्लीय टिप्पणियों को रोकने के लिए उठाया गया है, जिसने अतीत में खेल की छवि को धूमिल किया है।

मौखिक दुर्व्यवहार पर अंकुश लगाने के इस कदम के अतिरिक्त, अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल के नियम तय करने वाली संस्था, इंटरनेशनल फुटबॉल एसोसिएशन बोर्ड (आईएफएबी) ने एक और महत्वपूर्ण घोषणा की है। अब रेफरी के फैसले के विरोध में मैदान छोड़ने वाले किसी भी खिलाड़ी को लाल कार्ड दिखाया जा सकता है। यह नियम उन टीम अधिकारियों पर भी समान रूप से लागू होगा जो अपने खिलाड़ियों को विरोध में मैदान छोड़ने के लिए उकसाते हैं। आईएफएबी ने स्पष्ट किया है कि विश्व कप में भाग लेने वाली सभी 48 टीमों को इन सभी संशोधनों के बारे में विस्तार से सूचित किया जाएगा ताकि किसी भी प्रकार की गलतफहमी न हो।

इन अनुशासनात्मक बदलावों के साथ-साथ, फीफा ने विश्व कप के पीले कार्ड संबंधी नियमों में भी संशोधन किया है, जिसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि महत्वपूर्ण नॉकआउट मैचों के लिए कम खिलाड़ियों को निलंबन का सामना करना पड़े। नए नियम के अनुसार, विश्व कप के दौरान किसी खिलाड़ी को मिले पीले कार्ड दो बार उसके रिकॉर्ड से हटा दिए जाएंगे। फीफा परिषद ने फीफा विश्व कप 2026 के नियमों में संशोधन करते हुए यह तय किया है कि ग्रुप चरण में मिला कोई भी पीला कार्ड नॉकआउट चरण में मान्य नहीं होगा। इसका अर्थ है कि नॉकआउट चरण में प्रवेश करने वाले सभी खिलाड़ियों को क्लीन स्लेट के साथ शुरुआत करने का मौका मिलेगा। इसी तरह, क्वार्टर फाइनल में मिला एक पीला कार्ड अगले मैचों (सेमीफाइनल और फाइनल) के लिए मान्य नहीं होगा।

विश्व कप में इससे पहले यदि किसी खिलाड़ी को दो अलग-अलग मैचों में पीला कार्ड दिखाया जाता था तो उसे एक मैच का प्रतिबंध झेलना पड़ता था। हालांकि, पिछले टूर्नामेंटों में क्वार्टर फाइनल चरण के बाद एक पीले कार्ड को रद्द कर दिया जाता था, जिससे यह सुनिश्चित होता था कि सेमीफाइनल में पीला कार्ड मिलने के कारण कोई भी खिलाड़ी फाइनल जैसे महत्वपूर्ण मैच से बाहर न हो। ये नए नियम खिलाड़ियों को बिना अनावश्यक दबाव के बड़े मैचों में अपनी पूरी क्षमता से खेलने का अवसर प्रदान करेंगे, जिससे टूर्नामेंट का रोमांच और बढ़ जाएगा। ये सभी नियम फीफा विश्वकप 2026 को न केवल खेल के लिहाज से बल्कि नैतिकता और निष्पक्षता के दृष्टिकोण से भी एक नए स्तर पर ले जाने का प्रयास करेंगे।

6 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट से शुरु होगा भारतीय टीम का नया कैलेंडर

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 19 वां सत्र रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के साथ ही समाप्त हो गया है। ऐसे में अब इसमें खेल रहे खिलाड़ियों को कोई लंबा ब्रेक मिलने नहीं जा रहा है। इसका कारण है कि भारतीय टीम का नया अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर 6 जून अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से शुरु होगा। भारतीय टीम को अपनी ही धरती पर अफगानिस्तान से सीरीज खेलनी है। भारत दौरे पर आ रही अफगानिस्तान की टीम भारतीय टीम से एक टेस्ट और तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। ऐसे में प्रशसकों को विराट कोहली और रोहित शर्मा, हार्दिक पांड्या जैसे अनुभवी खिलाड़ी एक बार फिर एकदिवसीय सीरीज में खेलते दिखेंगे।

मुंबई इंडियंस में बड़े बदलाव होने तय, युवाओं की भागीदारी बढेगी

मुम्बई । आईपीएल के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस की टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा और वह अंक तालिका में 9 वें स्थान पर रही। टीम के स्टार खिलाड़ी भी असफल रहे। इसका अंदाजा इसी से होता है कि सबसे अधिक रन बनाने और विकेट लेने वाले शीर्ष दस-दस खिलाड़ियों में इसका एक भी खिलाड़ी शामिल नहीं था। आईपीएल के पिछले सत्र में भी टीम का प्रदर्शन खराब रहा था। इस प्रकार लगातार दो सत्र में निराशाजनक सत्र को देखते हुए अब माना जा रहा है कि मुंबई इंडियंस में बड़े बदलाव होने तय है। फेंचाइजी अब टीम को नए सिरे से तैयार करना चाहती है। इसके तहत टीम में कप्तानी में बदलाव और एक अनुभवी बल्लेबाज को अलग भूमिका देने की योजना शामिल है। आईपीएल 2024 में 10वें और आईपीएल 2026 में 9वें स्थान पर रहने के बाद टीम प्रबंधन अब ये बदलाव करने जा रहा है। टीम में अब युवा खिलाड़ियों की भी भागीदारी बढ़ायी जा सकती है। कप्तान हार्दिक पांड्या के भविष्य को लेकर जारी संशय के बीच ही टीम अब नए नेतृत्व विकल्पों की तलाश में है। ये भी कहा जा रहा है कि युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को कप्तान बनाने जाने की संभावना है। युवा तिलक को आईपीएल 2027 से मुंबई इंडियंस की कप्तानी सौंपी जा सकती है। तिलक पिछले कुछ साल से लगातार मुंबई इंडियंस में शामिल रहे हैं और अपने लगातार प्रदर्शन से टीम प्रदर्शन का भरोसा जीतने में कामयाब रहे हैं। टीम के भीतर इस बात पर भी चर्चा है कि उन्हें लंबे समय तक नेतृत्व की भूमिका के लिए तैयार किया जा सकता है। वहीं कप्तानी की दौड़ में दो अन्य अनुभवी खिलाड़ी हैं। इसमें सूर्यकुमार यादव और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हैं। सूर्या ने आईपीएल 2026 में तीन मैचों में मुंबई की कप्तानी की थी, जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने हार्दिक पांड्या की अनुपस्थिति में एक मैच में टीम की कप्तानी की थी। ये भी कहा जा रहा है कि फेंचाइजी इन नए बदलावों को जल्द से जल्द लागू करना चाहती है।

वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए हेटमायर और अल्जारी को शामिल किया

जमैका (एजेंसी)। 3 जून से 8 जून श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए आक्रामक बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर और तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ की वेस्टइंडीज टीम में वापसी हुई है। ये दोनों ही फिट नहीं होने के कारण पिछले कुछ समय से टीम से बाहर थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने इस सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। ये सीरीज अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप और 2027 विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने के वेस्टइंडीज के अभियान के लिए अहम मानी जा रही है।

हेटमायर को एकदिवसीय टीम में शामिल करना अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए योजना का एक हिस्सा माना जा रहा है। वह सीरीज के तीसरे और अंतिम मैच से पहले टीम के साथ जुड़ेंगे। उनके आने से टीम की बल्लेबाजी बेहतर होगी। वहीं, तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ जुलाई 2025 से ही पीठ की चोट के कारण बाहर थे और अब लगभग एक साल बाद खेल में वापसी कर रहे हैं। उन्होंने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद से ही कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। उनके अलावा स्पिनर गुडाकेश मोती को भी टीम में जगह मिली है, जिससे गेंदबाजी आक्रमण बेहतर होने की उम्मीद है।

यह एकदिवसीय सीरीज 3 जून से 8 जून तक जमैका के सबीना पार्क में खेली जाएगी। यह सीरीज वेस्टइंडीज के लिए 2027 वनडे विश्व कप के लिए सीधे क्वालिफाई करने के अभियान की शुरुआत मानी जा रही है। ऐसे में इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन को लेकर टीम पर दबाव होगा। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने श्रीलंका को एक मजबूत और अनुशासित एकदिवसीय टीम करार दिया है। सैमी के अनुसार श्रीलंकाई खिलाड़ी हालातों के अनुसार खेलते हैं। सैमी ने कहा कि इस सीरीज से उनकी टीम को अपने खेल का स्तर जानने और उसमें सुधार करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने फील्डिंग में तेजी, बल्लेबाजी में स्पष्ट सोच और गेंदबाजी में लगातार अच्छे प्रदर्शन पर भी जोर दिया है।

कोच सैमी ने कहा कि टीम की रणनीति निडर होकर आक्रामक अंदाज में खेलना रहेगा पर इसका मतलब ये नहीं होगा कि टीम गलती करेगी। उनका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर अपनी मजबूत पहचान बनाना रहेगा। उनका लक्ष्य घरेलू मैदान पर विरोधी टीमों के लिए कठिनाई पैदा करना रहेगा। उन्होंने जीत के लिए सामूहिक प्रयास और प्रत्येक खिलाड़ी के योगदान को जरूरी बताया। साथ ही कहा कि टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं रहेगी। सैमी ने यह भी कहा कि पिछले 18 महीनों से टीम इसी सोच के साथ काम कर रही है।

एकदिवसीय सीरीज के बाद, दोनों टीमें जमैका में ही तीन टी20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले खेलेंगी, जिसके बाद यह दौरा एंटीगुआ में दो टेस्ट मैचों के साथ संपन्न होगा।

टीम इस प्रकार है- शाई होप (कप्तान/विकेटकीपर), एलीक अथानाजे, जॉन कैंपबेल, कीसी कार्टी, रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्ड, जस्टिन ग्रीव्स, शिमरोन हेटमायर, आमिर जांगू, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, गुडाकेश मोती, शेरफेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स और शमर स्प्रिंगर।

नेमार विश्वकप फुटबॉल के पहले मैच में शायद ही खेल पायें

रियो डी जिनेरियो । फीफा विश्व कप 2026 से ठीक पहले ब्राजील को करारा झटका लगा है। उसके स्टार फॉरवर्ड नेमार अब तक अपनी चोट से नहीं उबर पाये हैं। इस कारण अब नेमार मिस्र के खिलाफ 5 जून को होने वाले दूसरे अभ्यास मैच के अलावा विश्वकप फुटबॉल के पहले मैच में भी शायद ही खेल पाये। नेमार की दाहिनी पिंडली की चोट अब तक ठीक नहीं हुई है। इस चोट के कारण ही वह पहले अभ्यास मैच में भी नहीं खेल पाये थे। ब्राजीली फुटबॉल कॉन्फेडरेशन (सीबीएफ) ने कहा है कि नेशनल कैंप में शामिल हुए नेमार पहले ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा नहीं ले सके और उन्हें अपनी चोटिल पिंडली के लिए अतिरिक्त मेडिकल जांच करवानी पड़ी। मेडिकल जांच और स्कैन से ग्रेड 2 की पिंडली की चोट की पुष्टि हुई है। सीबीएफ के मेडिकल विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह वही चोट है जिसने इस फॉरवर्ड खिलाड़ी को 17 मई से फुटबॉल मैदान से दूर रखा हुआ है। गौरतलब है कि नेमार ने अंतिम बार 17 मई को ब्राजील की नेशनल लीग में सैंटोस की ओर से खेलते हुए कोरीटिबा के खिलाफ मैच खेला था, जिसमें उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा था। सीबीएफ के डॉक्टर रोड्रिगो लास्मार ने स्थानीय मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि इस अनुभवी फॉरवर्ड खिलाड़ी को पूरी तरह से ठीक होने में लगभग दो से तीन सप्ताह का समय लग सकता है। इस अनुमानित रिकवरी अवधि को देखते हुए, विश्व कप के शुरुआती मैचों में नेमार की उपलब्धता को लेकर गंभीर संदेह उत्पन्न हो गया है। नेमार बुधवार को रियो डी जनेरियो के बाहर टेरेसोपोलिस में स्थित पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील के ट्रेनिंग सेंटर में टीम के बाकी सदस्यों के साथ जुड़े थे। हालांकि, अंतिम मेडिकल जांच के परिणामों का अभी भी इंतजार है पर मौजूदा हालातों को देखते हुए उनके विश्वकप के पहले मैच तक ठीक होने की संभावना नहीं है। वहीं नेमार ने शुरुआत में विश्व कप में अपनी उपलब्धता को लेकर जताई जा रही चिंताओं पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया था। यह भी ध्यान देने योग्य है कि ब्राजील के लिए सबसे अधिक गोल करने वाले नेमार का करियर पिछले दो सालों से चोटों से बुरी तरह प्रभावित रहा है। उन्होंने ब्राजील के लिए अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 17 अक्टूबर 2023 को खेला था। 128 मैचों में 79 गोल कर चुके नेमार का बाहर होना ब्राजील के लिए एक बड़ा नुकसान होगा।

फीफा विश्व कप: 'अब सिर्फ खिताब जीतना है', हैरी केन ने इंग्लैंड का लक्ष्य किया साफ

फ्लोरिडा (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 से पहले इंग्लैंड की टीम ने अपने इरादे साफ कर दिए हैं। कप्तान हैरी केन और मुख्य कोच थॉमस टुचेल ने कहा है कि टीम का एकमात्र लक्ष्य विश्व चैंपियन बनना और जर्सी पर दूसरा सितारा जोड़ना है।

थॉमस टुचेल की अगुआई वाली इंग्लैंड टीम विश्व कप की तैयारियों के लिए फ्लोरिडा पहुंच चुकी है। इंग्लैंड को ग्रुप एल में क्रोएशिया, घाना और पनामा के साथ रखा गया है। टीम अपने अभियान की शुरुआत 17 जून को आर्लिंगटन में क्रोएशिया के खिलाफ मुकाबले से करेगी।

विश्व कप से पहले टीम फ्लोरिडा में मौसम और परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालने की तैयारी कर रही है। हालांकि, बुकायो साका, डेक्लान राइस, नोनी मडुके और एबेरेची एजे को यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल के बाद अतिरिक्त आराम दिया गया है। वहीं, मार्कस रैशफोर्ड पहले ही मियामी में टीम से जुड़ चुके हैं और गर्म मौसम में विशेष ट्रेनिंग कर रहे हैं।

इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में टीम के भीतर एकता लगातार मजबूत हुई है, लेकिन अब समय खिताब जीतने का है। केन ने कहा, 'गैरेथ साउथगेट के शुरुआती दौर में हमने टीम को एकजुट बनाने और क्लब क्रिकेट को पीछे छोड़कर राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने पर काफी काम किया था। हर साल यह भावना और मजबूत होती गई। लेकिन अब उम्मीद सिर्फ एक है–फिनिश लाइन पार करना और ट्रॉफी जीतना।'

इंग्लैंड टीम की आधिकारिक डॉक्यूमेंट्री 'बिल्डिंग द ड्रीम' में भी दिखाया गया कि टुचेल ने खिलाड़ियों के साथ अपनी पहली बैठक में ही विश्व कप जीतने के लक्ष्य पर खुलकर चर्चा की थी।

टुचेल ने खिलाड़ियों से कहा, "हम यहां क्यों हैं, इसका जवाब बिल्कुल साफ है। हम विश्व चैंपियन बनना चाहते हैं। हम अपनी जर्सी पर दूसरा सितारा जोड़ना चाहते हैं। मेरे लिए यह जरूरी है कि हम इस लक्ष्य के बारे में खुलकर बात करें। हमारा मिशन और लक्ष्य बिल्कुल स्पष्ट है।'

टुचेल का मानना है कि सिर्फ प्रतिभा के दम पर विश्व कप नहीं जीता जा सकता। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में टीम की एकजुटता और आपसी विश्वास सबसे बड़ा अंतर पैदा करता है। उन्होंने कहा, 'सिर्फ टैलेंट काफी नहीं है। यह केवल फुटबॉल, रणनीति या सेट-पीस की बात नहीं है। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में टीम का माहौल और खिलाड़ियों के बीच का रिश्ता बेहद महत्वपूर्ण होता है।'

टुचेल ने एक विश्व कप विजेता खिलाड़ी का उदाहरण देते हुए कहा कि क्वार्टर फाइनल और फाइनल के बीच फर्क सिर्फ खेल का नहीं, बल्कि टीम के भीतर बने भाईचारे का होता है। उन्होंने कहा, 'जब खिलाड़ी एक परिवार और भाईचारे की तरह जुड़ जाते हैं, तब वे एक-दूसरे के लिए सब कुछ देने को तैयार रहते हैं। यही भावना किसी टीम को चैंपियन बनाती है।' इंग्लैंड ने अब तक सिर्फ एक बार विश्व कप का खिताब जीता है। ऐसे में टुचेल और केन की नजरें इतिहास रचते हुए देश को दूसरा विश्व कप दिलाने पर टिकी हैं।

फ्रेंच ओपन 2026 : टियाफो को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचे अर्नाल्डी

पेरिस । इटली के माटेओ अर्नाल्डी ने 19वें वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी फ्रांसिस टियाफो को हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस 2026 के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। अर्नाल्डी ने पांच घंटे 26 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में टियाफो को 7–6(5), 6–7(5), 3–6, 7–6(3), 6–4 से हराया। इसी के साथ ही 25 साल के अर्नाल्डी ने पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी है। इस मुकाबले में दोनों ही खिलाडियों के बीच कड़ी टक्कर हुई। पहले सेट में बराबरी के बाद, टियाफो ने अपनी जबरदस्त वापसी की और तीसरे सेट तक बढ़त बना ली। चौथे सेट में 4–1 की बढ़त के साथ ही टियाफो आगे हो गये पर टाईब्रेक में टियाफो ने आक्रामक खेल दिखाकर अच्छी वापसी की। उन्होंने बैकहैंड शॉट खेलने के बाद ही मैच को पांचवें सेट में पहुंचा दिया। इसके बाद अर्नाल्डी ने अच्छी लय हासिल कर ली। उन्होंने 4–2 की बढ़त बना ली। इसके बाद टियाफो ने एक बार फिर अच्छे फोरहैंड शॉट लगाकर स्कोर 4–4 से बराबरी पर ला दिया। अर्नाल्डी ने अंत में अपने तीसरे मैच अंक को जीतकर यह मुकाबला जीता। अब उनका मुकाबला अपने ही साथी खिलाड़ी माटेओ बेरेटिनी से होगा। इस इस अर्नाल्डी के अलावा इटली के ही बेरेटिनी और फ्लेवियो कोबोली ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी है। ये पहली बार है जब एक ही ग्रैंड स्लैम के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में इटली के तीन खिलाड़ी पहुंचे हैं।

फरहाना भट्ट ने अपने जीवन के सबसे मुश्किल फैसले के बारे में बात की

सलमान खान के रियलिटी टीवी शो 'बिग बॉस 19' की चर्चित कंटेस्टेंट रहीं फरहाना भट्ट ने अपने जीवन के सबसे मुश्किल और भावुक फैसले के बारे में खुलकर बात की।

एक्ट्रेस ने बताया कि वह अपने सपनों को अहमियत देती हैं। इसी वजह से उन्होंने अपने परिवार से रिश्ता तोड़ लिया और उनसे कहा कि वे उन्हें सार्वजनिक रूप से बेदखल कर दें। फरहाना ने यह कदम अपने सपनों को पूरा करने के लिए उठाया। कश्मीर की रहने वाली फरहाना भट्ट को 'बिग बॉस 19' में अपने बेबाक और निडर व्यक्तित्व के कारण खूब चर्चा मिली। शो के दौरान उनकी अभद्र भाषा पर काफी ट्रोलिंग भी हुई। शो के बाद फरहाना सिंगर और कंपोजर अमाल मलिक के साथ एक म्यूजिक वीडियो में भी नजर आईं। अब वह रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' के 15वें सीजन में हिस्सा लेने की तैयारी कर रही हैं। फरहाना ने अपनी भावनात्मक उथल-पुथल का जिक्र करते हुए बताया कि खून के रिश्तों यानी अपनों से उम्मीदें रखना स्वाभाविक है लेकिन जब सबसे मुश्किल वक्त में कोई साथ नहीं देता तो फैसला लेना और भी कठिन हो जाता है। खास बातचीत में फरहाना ने बताया, 'मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा जोखिम यह था कि मैंने खुद को अपने करीबी खून के रिश्तों से पूरी तरह अलग कर लिया। मैंने उनसे कह दिया कि आप सार्वजनिक रूप से ऐलान कर सकते हैं कि 'वह हमारी नहीं है' या उससे हमारा कोई रिश्ता नहीं है।'

फरहाना ने बताया कि सपनों को पूरा करने के लिए उन्हें बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। परिवार से दूरी का फैसला लेना आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने अकेले लड़ने की हिम्मत जुटाई। फरहाना ने बताया, 'जब आपके आसपास सच में कोई नहीं होता, सिर्फ आप और आपकी मां होती हैं और आप परिवार से रिश्ता तोड़ रहे होते हैं, तो उस पल आप खुद को पूरी तरह अकेलेपन के हवाले कर देते हैं। मैंने तय किया कि मैं अकेली रहूंगी, लेकिन अपने सपनों को नहीं छोड़ूंगी। यह मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा जोखिम था।'

एक्टर होना हर बार नई दुनिया में कदम रखने जैसा है

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की हाल ही में रिलीज हुई ओटीटी फिल्म 'सिस्टम' को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। इसी बीच, फिल्म के प्रमोशन के दौरान उन्होंने अभिनय और अपने किरदार को लेकर आईएएनएस से बात करते हुए कई दिलचस्प बातें साझा कीं। उन्होंने बताया कि एक अभिनेता का काम बाहर से देखने में जितना आसान लगता है, असल में उतना ही मुश्किल होता है। सोनाक्षी सिन्हा ने कहा, ''जब कोई एक्टर किसी नए किरदार को निभाता है, तो वह उसकी पूरी दुनिया में कदम रखता है। हर फिल्म और हर रोल एक अलग जिंदगी की तरह होता है, जिसमें नियम, रिश्ते और परिस्थितियां बिल्कुल नई होती हैं। मुझे अभिनय हमेशा रोमांचक लगता है, क्योंकि हर बार कुछ नया सीखने और महसूस करने का मौका मिलता है।'' सोनाक्षी ने कहा कि किसी भी प्रोफेशन को बाहर से देखकर पूरी तरह समझना मुश्किल होता है। जैसे वकील या डॉक्टर की दुनिया को समझना आसान नहीं होता, वैसे ही फिल्म इंडस्ट्री के अंदर क्या होता है, यह सिर्फ वही लोग जानते हैं जो खुद उस प्रक्रिया का हिस्सा रहे हों। लोग अक्सर सोचते हैं कि फिल्में सिर्फ ग्लैमर और कैमरे तक सीमित होती हैं, लेकिन असल में एक फिल्म के पीछे बहुत सारे लोग, मेहनत और तैयारी होती है, जो मिलकर एक कहानी को आकार देती है।''

फिल्म 'सिस्टम' में सोनाक्षी सिन्हा एक वकील का किरदार निभा रही हैं, जिसका नाम नेहा राजवंश है। उसके पिता रवि राजवंश उन्हें खुद को साबित करने की चुनौती देते हैं और सामने एक शर्त रखते हैं, जिसमें 10 केस जीतने की बात कही जाती है। इस शर्त को पूरा करने के लिए वह हाई-प्रोफाइल केस लड़ती हैं। इस दौरान उसकी मुलाकात अभिनेत्री ज्योतिका के किरदार सारिका रावत से होती है। वह एक स्टेनोग्राफर हैं। फिल्म 'सिस्टम' को पम्मी बावेजा, हरमन बावेजा और स्मिता बालिगा ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। अश्विनी अय्यर तिवारी ने हरमन बावेजा, अरुण सुकुमार और तस्नीम लोखंडवाला के साथ मिलकर इसकी कहानी लिखी है।

रणदीप ने 'छावा' में ठुकराया औरंगजेब का रोल

एक्टर रणदीप हुड्डा लक्ष्मण उतेकर की अपकमिंग फिल्म 'ईथा' में श्रद्धा कपूर के साथ मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। इस बीच उन्होंने बताया कि उन्हें 2025 की हिट फिल्म 'छावा' में मुगल बादशाह औरंगजेब का रोल ऑफर हुआ था। इस फिल्म में विक्की कौशल लीड रोल में थे। यह फिल्म बहुत बड़ी हिट साबित हुई। यह सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्मों में से एक बन गई। हुड्डा ने बताया कि उन्होंने औरंगजेब के रोल को ठुकरा दिया था। बाद में यह रोल अक्षय खन्ना ने निभाया। औरंगजेब का रोल ठुकराने की वजह बताते हुए रणदीप ने 'जूम' को बताया कि जब डायरेक्टर लक्ष्मण उतेकर ने उनसे 'छावा' के लिए संपर्क किया था, तब वे मानसिक रूप से सही स्थिति में नहीं थे। उन्होंने कहा कि उस समय उनका वजन बहुत कम था और उन्होंने अपना सिर मुंडवा रखा था। उन्होंने उस वक्त 'सावरकर' की शूटिंग पूरी की थी। उन्होंने कहा 'मैं एक केस से गुजर रहा था और उस पूरे घटनाक्रम से जुड़े कई पेचीदा मसले थे। मैं उस रास्ते पर बिल्कुल नहीं जाना चाहता था। ऐसे में जब मेरे पास यह प्रोजेक्ट (ईथा) मेरे सामने आया, तो मुझे वह काफी लुभावना लगा।'

'छावा' 14 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह फिल्म मराठा साम्राज्य के दूसरे शासक संभाजी के जीवन पर आधारित थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'छावा' का बजट 130 करोड़ रुपये था। इसने बॉक्स ऑफिस पर 804 करोड़ रुपये से ज्यादा कलेक्शन किया था।

फिर हिंदी सिनेमा में वापसी करना चाहती हैं स्नेहा उल्लाल

बॉलीवुड एक्ट्रेस स्नेहा उल्लाल ने हाल ही में अपने करियर और निजी जिंदगी को लेकर कई दिलचस्प बातें शेयर कीं। साथ ही ऐश्वर्या राय से उनकी तुलना होने पर भी खुलकर चर्चा की।

मजबूरी में रखा था फिल्मों में कदम

अल्फेनियन स्टूडियोज को दिए इंटरव्यू में स्नेहा ने बताया कि जब उन्हें फिल्म का ऑफर मिला, तब वो सिर्फ 17 साल की थीं और हाल ही में कॉलेज में एडमिशन लिया था। उसी दौरान उनकी मां कैंसर का इलाज करवा रही थीं। घर का माहौल काफी उदास था। ऐसे में उन्होंने ये फिल्म सिर्फ इसलिए साइन की ताकि परिवार का ध्यान थोड़ी देर के लिए उस मुश्किल समय से हट सके। उन्होंने कहा, 'मां को घूमना-फिरना बहुत पसंद था, इसलिए मैंने इस ऑफर को हां कह दिया। उस फैसले ने मेरी जिंदगी पूरी तरह बदल दी, चाहे मुझे एक्टिंग में दिलचस्पी थी या नहीं।' इसी बातचीत में स्नेहा ने ऐश्वर्या राय बच्चन से होने वाली तुलना पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि जब ऐश्वर्या मिस वर्ल्ड बनी थीं, तभी से लोग कहते थे कि दोनों की शक्ल काफी मिलती है। बाद में सलमान खान के साथ डेब्यू करने की वजह से लोगों ने अलग-अलग बातें बनानी शुरू कर दीं, लेकिन मैं उस समय बहुत छोटी थी, इसलिए इन चीजों का मुझ पर ज्यादा असर नहीं पड़ा।

सिनेमा में वापसी करना चाहती हैं एक्ट्रेस

वर्कफ्रंट की बात करें तो बॉलीवुड के बाद स्नेहा ने साउथ फिल्मों में भी काम किया। अब वो धीरे-धीरे हिंदी सिनेमा में वापसी कर रही हैं। स्नेहा का कहना है कि वो इंडस्ट्री में अच्छे लोगों के साथ काम करना चाहती हैं और अब उन्हें साफ पता है कि वो किस तरह की एक्ट्रेस बनना चाहती हैं।

'ब्राउन' में सस्पेंस और अंधेरे से भरी दुनिया में दिखेंगी करिश्मा कपूर

करिश्मा कपूर की आगामी वेब सीरीज 'ब्राउन' का टीजर जारी कर दिया गया है। जी5 पर रिलीज होने वाली इस साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर में करिश्मा अब तक के अपने सबसे अलग और इंटेंस अवतार में नजर आएंगी। टीजर में करिश्मा कोलकाता पुलिस की अफसर रीटा ब्राउन की भूमिका निभाती दिख रही हैं, जो अपने निजी संघर्षों और शहर में हो रहे खौफनाक अपराधों से जूझती नजर आती हैं। कोलकाता की रहस्यमयी और अंधेरी पृष्ठभूमि पर आधारित यह सीरीज सिर्फ एक मर्डर मिस्ट्री नहीं, बल्कि मानसिक संघर्ष और अपराध की गहरी परतों को दिखाने वाली कहानी है। टीजर में करिश्मा का रफ और बिना ग्लैमर वाला लुक है। इस वेब सीरीज का निर्देशन अभिनय देव ने किया है।

कई बार सेल्फ डाउट से गुजरी हूं

आईएएस की तैयारियों में मसरूफ रूबीना जब मिस शिमला बनीं, तो उनके जीवन की धारा मुड़ गई। हालांकि उनके पिता डिस्ट्रिक्ट लैंग्वेज ऑफिसर और लेखक थे, तो भाषा और कला उनके खून में थी। सेब का बिजनेस करने वाले मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखने वाली रूबीना हिमाचल के एक छोटे-से कस्बे से मुंबई आईं और छोटे पर्दे पर छा गईं। अपने करियर में हर तरह का काम कर चुकी रूबीना आज दो जुड़वा बेटियों की प्राउड मदर हैं। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपने नए रिएलिटी शो द वार्ड से। उनसे एक खास बातचीत।

आम तौर पर हमारे समाज में बेटे को घर का चिराग और वंश को आगे बढ़ाने वाला माना जाता है। रूबीना ने स्वयं इस मानसिकता को अपने घर में महसूस किया है। वे कहती हैं, 'मुझसे आज भी मेरे गांव वाले पूछते हैं कि रूबीना तुम बेटे के लिए ट्राई करने वाली हो, तो मैं कहती हूं, मुझे भगवान ने दो बेटियां दी हैं। मैं एक जॉइंट फैमिली में पैदा हुई और मेरे घर में भी हम तीन बहनें थीं। मेरी मम्मी पर हमेशा से प्रेशर था कि बेटा होना चाहिए और उसी प्रेशर के चलते हम तीन बेटियां भी हुईं। मगर फिर मेरे पिता ने तय किया कि वे अपनी तीनों बेटियों को बेटे की तरह पालेंगे। अब जब मैं अपने घर जाती हूं और दादी को पूछती हूं कि क्या उन्हें अब भी पोते की खलिश है, तो वे कहती हैं, नहीं अब वे संतुष्ट हैं अपनी पोतियों से, तो कहीं न कहीं पीढ़ी दर पीढ़ी हमने ये सोच बदली है। ये हमारे लिए बहुत बड़ी जीत है, क्योंकि हम एक छोटे-से गांव से ताल्लुक रखते हैं।

शूटिंग के पहले दिन 17 रीटेक्स दिए

एक समय मिस शिमला रहीं रूबीना ने जब टेलिविजन की दुनिया में कदम रखा, तो वे टीवी पर हाइली पेड एक्ट्रेस बन गईं, मगर उन्हें भी सेल्फ डाउट्स से गुजरना पड़ा है। वे कहती हैं कि वे अब भी सेल्फ डाउट्स का सामना करती हैं। उन्हीं के शब्दों में, 'अपनी टीनएज में सेल्फ डाउट था कि थोड़ी-सी छोटी हूं, थोड़ी-सी मोटी हूं, शायद रोल्स न मिलें। एक डायरेक्टर ने तो मुंह पर कह दिया था कि आपका चेहरा काफी नेगेटिव है, तो आपको रोल नहीं मिलेंगे। पहले शो में तो अभिनय आता ही नहीं था। शूटिंग के पहले दिन 17 रीटेक्स दिए थे। डायरेक्टर ने पीछे से चिल्ला कर कहा, 'ये सेब की पेटी जो हिमाचल से लाए हो, हिमाचल वापिस भेज दो।' मगर फिर अपने सेल्फ डाउट्स की जर्नी को मैंने एक सक्सेज स्टोरी में तब्दील किया।

चेहरे की झुर्रियां, बढ़ा हुआ वजन, सेल्फ डाउट मदरहुड में रूबीना के लिए सेल्फ वर्थ बहुत मुश्किल रहा। वे कहती हैं, 'हाल ही में किसी ने मुझसे पूछा कि आप आखिरी बार कब रोईं, तो मैंने कहा, 'चार दिन पहले' क्योंकि अभी डेढ़ -दो महीने पहले ही मैं अपने पोस्टपार्टम डिप्रेशन से उबरी हूं। उस डिप्रेशन के बारे में आपको कोई नहीं बताता। इस पोस्टपार्टम डिप्रेशन में हमें ये कह कर चुप कराया जाता है, 'डोंट बी अ वोक'(दिखावे की प्रगतिशील मत बनो) मगर ये वोकिज्म नहीं है। एक साइकोलॉजिकल अंधियारा होता है। मैं पूरी तरह से बदल गई थी। सूखा चेहरा, रूखे बाल, बढ़ा हुआ वजन, चेहरे पर झुर्रियां दिखने लगी थीं। सुबह उठकर आईना देखने का मन नहीं करता था। कभी बिलकुल खाने का मन नहीं करता, तो कभी सिर्फ स्ट्रेस ईटिंग किया करती थी।'

बच्चे की पैदाइश के बाद मां का नया जन्म होता है

रूबीना बताती हैं, 'मैं तो अपने बच्चों के लिए सिब्लिंग्स इसलिए चाहती थी कि मेरे बच्चे आपस में दोस्त हों। हम तीन बहनें हैं और एक उम्र मैंने कर समझ में आया कि बहनों से बेहतर दोस्त कोई हो ही नहीं सकता। ट्विंस मॉम के रूप में मेरी अपनी खुद की एक जर्नी रही है, तो यही वजह है कि मैं शो द वार्ड से जुड़ी।' अपने शो के बारे में वे कहती हैं, 'यह एक ऐसी कम्युनिटी है जहां नई मांएं और गर्भवती महिलाएं 10 दिनों तक साथ रहती हैं। हमने यह प्लेटफॉर्म इसलिए बनाया क्योंकि अक्सर लोग कहते हैं, 'मां बनना कौन-सी बड़ी बात है?' लेकिन सच तो यह है कि यह दुनिया की सबसे बड़ी बातों में से एक है। एक औरत जब बच्चे को जन्म देती है, तो उसके साथ उसका खुद का भी नया जन्म होता है। हमारे शो में 10 महिलाएं हैं जो अलग-अलग ट्राइमेस्टर में हैं। वे अपने अनुभव, डर, भावनाएं, मूड स्विंग्स और पूरी यात्रा को एक-दूसरे के साथ साझा करती हैं। यह एक ऐसा कॉन्सेप्ट है, जिसके बारे में हमने पहले कभी खुलकर बात नहीं की।'

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के आयोवा में अंधाधुंध गोलीबारी, सात लोगों की मौत; पुलिस बोली- घरेलू कलह में नरसंहार

आयोवा (अमेरिका), एजेंसी। अमेरिका के आयोवा राज्य के मस्कटाइन में सोमवार को एक घरेलू विवाद के कारण गोलीबारी हुई। इस घटना में छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस विभाग के अनुसार, बंदूकधारी ने भी खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बंदूकधारी की पहचान 52 वर्षीय रयान विलिस मैकफार्लैंड के रूप में की है। उसने तीन अलग-अलग स्थानों पर छह व्यक्तियों की हत्या की। इसके बाद उसने खुद को भी गोली मार ली। मस्कटाइन पुलिस विभाग को दोपहर करीब 12:12 बजे गोलीबारी की सूचना मिली थी। पुलिस अधिकारी और आपातकालीन चिकित्सा कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे। एक घर के अंदर दाखिल होने पर, अधिकारियों ने चार लोगों के शव बरामद किए। सभी को गोली लगी थी। प्रारंभिक निष्कर्षों से पता चला कि गोलीबारी घरेलू विवाद से संबंधित थी। सभी पीड़ित संदिग्ध के परिवार के सदस्य माने जा रहे हैं। पुलिस ने पीड़ितों के नाम और उम्र जारी नहीं किए हैं। संदिग्ध मैकफार्लैंड अधिकारियों के पहुंचने से पहले घर से निकल गया था। कानून प्रवर्तन ने उसे रिवरफ्रंट ट्रेल पर पाया। उसे पैदल यात्री पुल के पास खुद को गोली लगी हुई मिली। अधिकारियों ने उसे चिकित्सा सहायता दी, लेकिन उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जांच के दौरान पुलिस ने एक अन्य घर में एक वयस्क पुरुष को भी मृत पाया। कारोबार स्थल पर भी एक वयस्क पुरुष को मृत पाया गया। मस्कटाइन पुलिस अधीक्षक एंथोनी कॉस ने इन मामलों को भी आपराधिक कृत्य बताया। उन्होंने कहा कि संदिग्ध का आपराधिक रिकॉर्ड है। पुलिस ने बताया कि इस वारदात की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

इराक में सैन्य प्रशिक्षण के दौरान अमेरिकी और ब्रिटिश सैनिक की मौत, जानें कैसे हुआ हादसा

वाशिंगटन, एजेंसी। इराक के उत्तरी कुर्द क्षेत्र में एक सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान एक अमेरिकी और एक ब्रिटिश सैनिक की मौत हो गई। अमेरिका और ब्रिटेन के अधिकारियों ने सोमवार को इसकी पुष्टि की, हालांकि दोनों देशों ने घटना से जुड़ी विस्तृत जानकारी फिलहाल सार्वजनिक नहीं की है। अमेरिकी सेना के अनुसार, यह घटना रविवार को इराक के अर्ध-स्वायत्त कुर्द क्षेत्र में स्थित इरबिल एयरबेस पर हुई। अमेरिकी सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में बताया कि मृत अमेरिकी सैनिक की पहचान अभी गोपनीय रखी गई है। सैनिक के परिजनों को सूचना दिए जाने के 24 घंटे बाद ही उसका नाम सार्वजनिक किया जाएगा। वहीं, ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने अलग बयान जारी कर कहा कि ब्रिटिश सैनिक के परिवार को घटना की जानकारी दे दी गई है। मंत्रालय ने परिवार की निजता का सम्मान करने की अपील करते हुए कहा कि अधिक जानकारी साझा करने से पहले उन्हें कुछ समय दिया जाए। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका इराक में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के खिलाफ अभियान के तहत तैनात अपने सैनिकों की संख्या लगातार कम कर रहा है। इसके बावजूद अमेरिकी सेना की कुर्द क्षेत्र में मौजूदगी बनी हुई है। अमेरिका इस क्षेत्र के साथ अपने रणनीतिक और राजनीतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है। इसी रणनीति के तहत अमेरिका ने पिछले साल दिसंबर में इरबिल में एक नए और बड़े वाणिज्य दूतावास परिसर का उद्घाटन किया था।

कनाडा में यहूदी समुदाय पर बढ़ रहे हमले', पीएम मार्क कार्नी बोले– सरकार समुदाय की सुरक्षा में नाकाम

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा है कि देश यहूदी समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहा है और यहूदी नागरिक लगातार नफरत तथा हिंसा का शिकार बन रहे हैं। टोरंटो के होली ब्लॉसम टेंपल में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि कनाडा में यहूदी विरोधी घटनाएं द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई हैं। कार्नी ने कहा कि पिछले वर्ष कनाडा में धर्म के आधार पर दर्ज कुल घृणा अपराधों में दो-तिहाई से अधिक मामले यहूदी समुदाय के खिलाफ थे, जबकि देश की कुल आबादी में उनकी हिस्सेदारी केवल 1 प्रतिशत है। उन्होंने माना कि कनाडा का सामाजिक ढांचा यहूदी नागरिकों को पर्याप्त सुरक्षा देने में असफल साबित हो रहा है। प्रधानमंत्री ने बताया कि यहूदी स्कूलों पर गोलियां चलाई गईं, आराधना स्थलों पर पेट्रोल बम फेंके गए और सामुदायिक केंद्रों को निशाना बनाया गया। इसके अलावा यहूदी स्वामित्व वाले कारोबारों पर हमले हुए और विश्वविद्यालय परिसरों में यहूदी छात्रों को असुरक्षित माहौल का सामना करना पड़ा। कार्नी ने कहा कि यहूदी विरोधी घटनाएं केवल कनाडा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका में भी बढ़ी हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि कनाडा में स्थिति विशेष रूप से गंभीर है और इससे निपटने के लिए लक्षित कदम उठाने की जरूरत है।

ईरान के शांति वार्ता रोकने की खबरों पर ट्रंप बोले- मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता

वाशिंगटन, एजेंसी। इस्राइल में बड़ी संख्या में लोगों ने सेना में अनिवार्य भर्ती के विरोध में सड़कों और ट्रेनों को अवरुद्ध करते हुए पूरे देश में प्रदर्शन किया है। इस विरोध प्रदर्शन के कारण राजमार्ग ठप्प हो गए और यरुशलम और तेल अवीव मेट्रो क्षेत्र दोनों में भारी भीड़ के कारण सार्वजनिक परिवहन बाधित हो गया। इस्राइल में अधिकांश यहूदी पुरुषों और महिलाओं के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य है। हालांकि, अति-रूढ़िवादी दलों ने अपने अनुयायियों को सैन्य सेवा से छूट दिलवाकर धार्मिक शिक्षा संस्थानों में अध्ययन करने का अधिकार प्राप्त कर लिया है। वहीं, अब इन छूटों पर खतरा मंडरा रहा है। कई मोर्चों पर युद्ध लड़ते हुए सैनिकों की भारी कमी का सामना कर रही इस्राइली सेना अनिवार्य सेवा की अवधि बढ़ाने पर विचार कर रही है। अधिकांश इस्राइली पुरुषों के लिए लगभग तीन वर्ष की सैन्य सेवा अनिवार्य है, जिसके बाद उन्हें कई वर्षों तक आरक्षित सेवा में रहना पड़ता है। वहीं, महिलाओं के लिए दो वर्ष की अनिवार्य सेवा होती है।

ईरान के शांति वार्ता रोकने की खबरों पर ट्रंप बोले– मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान द्वारा वाशिंगटन के साथ वार्ता रोकने की खबरों से उन्हें कोई चिंता नहीं है। उन्होंने तर्क दिया कि तेहरान ने वार्ता में बहुत अधिक समय ले लिया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ईरान को परमाणु हथियार प्राप्त करने से रोकना उनका सर्वोपरि उद्देश्य बना हुआ है। एक फोन साक्षात्कार में ट्रंप ने इस सुझाव को खारिज कर दिया कि वार्ता में विफलता से उनके दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण बदलाव आएगा, जबकि तेल बाजारों ने उन रिपोर्टों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की कि ईरान वार्ता जारी रखने के लिए अनिच्छुक है। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या ईरान के साथ बातचीत खत्म हो गई है, तो उन्होंने कहा, 'मुझे परवाह नहीं है कि वे खत्म हो गई हैं या नहीं, सच कहूं तो। मुझे बिल्कुल परवाह नहीं है। मुझे जरा भी परवाह नहीं है।'

अमेरिका ने ईरान के रडार-कंट्रोल साइट्स पर किया हमला, सेंटकॉम ने कहा– आत्मरक्षा में की कार्रवाई : अमेरिका ने दावा किया है कि उसने शनिवार और रविवार को ईरान में रडार और ड्रोन कंट्रोल साइट्स पर हमले किए हैं। यूएस सेंट्रल कमांड - सेंटकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हफ्ते के आखिर में ईरान के गोरुक और केश्म आइलैंड में ईरानी रडार और ड्रोन कंट्रोल साइट्स पर आत्मरक्षा में हमला किया गया। इनको सेंटकॉम ने जवाबी कार्रवाई करार दिया है। दरअसल, इससे पहले ईरान ने अमेरिकी एमक्यू-1 ड्रोन यह कहते हुए मार गिराया था कि यह ड्रोन उनके समुद्री क्षेत्र में था। इसके बाद अमेरिकी लड़ाकू विमान तुरंत सक्रिय हुए और ईरानी एयर डिफेंस सिस्टम, एक ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन और दो ड्रोन को तबाह कर दिया। अमेरिका ने इन्हें यहां से गुजर रहे जहाजों के लिए खतरा बताया था। इस बीच कुवैत ने कहा कि उस पर ड्रोन-मिसाइल हमले किए गए, जिन्हें उनके लक्ष्य तक पहुंचने से रोकने के लिए उसकी वायु रक्षा प्रणालियों ने कार्रवाई शुरू कर दी। ये हमले युद्धविराम प्रयासों के बीच नाजुक हालात दर्शाने वाले हैं। ईरान व अमेरिका दोनों ने सैन्य ठिकानों पर हमले कर एक-दूसरे पर आक्रामक कार्रवाई का आरोप लगाया है, जबकि 3 माह से जारी युद्धविराम के राजनयिक प्रयास थमते दिख रहे हैं। ईरान के होर्मुज स्ट्रेट पर अपनी पकड़ बरकरार रखने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित है। ईरान द्वारा एमक्यू-1 ड्रोन मार गिराने के बाद अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ईरानी वायु रक्षा प्रणालियों, एक जमीनी नियंत्रण केंद्र और दो ऐसे ड्रोन को नष्ट कर दिया जो क्षेत्रीय जलक्षेत्र से गुजर रहे पोतों के लिए स्पष्ट खतरा पैदा कर रहे थे। अमेरिकी वायुसेना प्रीडेटर ड्रोन को सेवा से हटा चुकी है। यह अब एमक्यू-9 रीपर ड्रोन उपयोग करती है लेकिन अमेरिकी थल सेना अब भी प्रीडेटर ड्रोन का उपयोग करती है। सेना ने कहा, कोई अमेरिकी हताहत नहीं हुआ है।

निश्चिंत रहें, सब ठीक हो जाएगा: ट्रंप : राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार तड़के 'ट्रुथ सोशल' पर कहा, ईरान सम्भवतः समझौता करना चाहता है और यह अमेरिका एवं हमारे साथ खड़े देशों के लिए अच्छा समझौता होगा। बस निश्चिंत रहिए, अंत में सब ठीक हो जाएगा -हमेशा ऐसा ही होता है। उधर, ईरान ने कहा है कि समझौते को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है। ट्रंप ने भी शनिवार की बैठक में यह तय नहीं किया कि युद्धविराम अवधि बढ़ाना है या नहीं। नवंबर में होने वाले कांग्रेस चुनावों से पहले ट्रंप पर होर्मुज स्ट्रेट को फिर खोलने व अमेरिकी तेल दाम घटाने का दबाव बढ़ रहा है। मतदाताओं में असंतोष के साथ ही ट्रंप को अपनी ही पार्टी के ईरान विरोधी नेताओं का विरोध झेलना पड़ रहा है। ऐसे में होर्मुज व ईरानी समृद्ध यूरेनियम पर ट्रंप का दबाव ईरान नहीं मान रहा।

'ट्रंप प्रशासन की लापरवाही से ताकतवर हो सकती है चीनी सेना', अमेरिकी सांसदों ने क्यों लगाए ये गंभीर आरोप?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के दो वरिष्ठ डेमोक्रेटिक सीनेटरों ने ट्रंप प्रशासन पर निर्यात नियंत्रण नियमों में खामी छोड़ने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि इस चूक के कारण अमेरिका की अत्याधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ह्र) चिप्स चीनी कंपनियों तक पहुंच सकती हैं, जिससे चीन की सैन्य क्षमताओं को बढ़ावा मिलने की आशंका है। मैसाचुसेट्स की सीनेटर एलिजाबेथ वॉरेन और न्यू जर्सी के सीनेटर एंडी किम ने कहा कि पिछले 18 महीनों में निर्यात नियंत्रण नियमों को अपडेट न करने के कारण उन्नत अमेरिकी तकनीक अनजाने में चीन स्थित कंपनियों तक पहुंच सकती है।

दोनों सांसदों ने संयुक्त बयान में कहा, 'ट्रंप प्रशासन ने पिछले डेढ़ साल में निर्यात नियंत्रण नियमों को अपडेट नहीं किया, जिससे अमेरिका की सबसे उन्नत ह्र चिप्स उन कंपनियों तक पहुंच सकती हैं, जिनके मुख्यालय चीन में मौजूद हैं और इससे चीन की सैन्य शक्ति को बढ़ावा मिल सकता है।' यह बयान अमेरिकी वाणिज्य विभाग द्वारा निर्यात प्रतिबंधों में मौजूद एक संभावित खामी को दूर करने के कदम के बाद आया है। यह खामी उन उन्नत ह्र प्रोसेसरों से जुड़ी थी, जिनका निर्माण एनवीडिया और एएमडी जैसी कंपनियां करती हैं। वाणिज्य विभाग के ब्यूरो ऑफ इंडस्ट्री एंड सिक्योरिटी ने साफ किया है कि चीन मुख्यालय वाली कंपनियों को निर्यात किए जाने वाले उन्नत चिप्स पर लाइसेंस संबंधी शर्तें लागू होंगी, भले ही वे कंपनियां विदेशों में स्थित अपनी सहायक इकाइयों के माध्यम से काम कर रही हों। अमेरिकी अधिकारियों को आशंका थी कि चीन की कुछ कंपनियां विदेशों में मौजूद अपनी सहयोगी इकाइयों के जरिए उन्नत सेमीकंडक्टर हासिल कर रही थीं, जबकि अमेरिका लंबे समय से चीन की अत्याधुनिक ह्र तकनीक तक पहुंच रोकने की कोशिश कर रहा है। सीनेट बैंकिंग समिति में शीर्ष डेमोक्रेट सदस्य वॉरेन और राष्ट्रीय सुरक्षा व अंतरराष्ट्रीय व्यापार एवं वित्त उपसमिति में शीर्ष डेमोक्रेट सदस्य किम ने कहा कि प्रशासन को इस मुद्दे पर तुरंत साफ और व्यापक दिशा-निर्देश जारी करने चाहिए। उन्होंने कहा, 'वाणिज्य विभाग आज ही इस खामी को बंद कर सकता है और अमेरिकी तकनीक को चीनी सेना तक पहुंचने देने के बजाय स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाने चाहिए।' दोनों सांसदों ने इस मामले में कांग्रेस से भी जांच की मांग की।

यूएस ने तीन हफ्तों में 70 जहाजों को निकाला सुरक्षित, होर्मुज के हालातों पर अमेरिकी सेना ने क्या कहा?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार यह सभी जहाज फारस की खाड़ी में आने और वहां से बाहर जाने वाले थे। बताया गया है कि अधिकतर जहाजों ने अपनी लोकेशन बताने वाले ट्रांसपोंडर बंद कर दिए थे ताकि उनकी पहचान न हो सके। अमेरिका का कहना है कि ईरान के पास से गुजरने वाले जहाजों पर ड्रोन और मिसाइल हमले का खतरा बना हुआ है। इसी कारण अमेरिकी सेना लगातार जहाजों के साथ संपर्क और समन्वय बनाए हुए है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्तों में से एक माना जाता है। यह समुद्री मार्ग ईरान और ओमान के बीच स्थित है। दुनिया की करीब 20 प्रतिशत तेल सप्लाई इसी रास्ते से गुजरती है। युद्ध शुरू होने से पहले यहां से हर दिन 100 से ज्यादा व्यापारिक जहाज गुजरते थे। लेकिन अब तनाव के कारण जहाजों की आवाजाही प्रभावित हो रही है।

क्या ईरान के हमले के डर से जहाज बदल रहे हैं रास्ता : अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि जो जहाज ईरान की मंजूरी के बिना उसके समुद्री इलाके के करीब जाते हैं, उन पर हमले का बड़ा खतरा रहता है। इसी वजह से कई जहाज अब ओमान की तरफ वाले समुद्री रास्ते का इस्तेमाल कर रहे हैं। शिपिंग विशेषज्ञों के अनुसार डार्क पैसेज यानी पहचान छिपाकर की जा रही यात्रा की वजह से इन जहाजों की स्वतंत्र पुष्टि करना मुश्किल हो गया है। अमेरिका और ईरान ने 8 अप्रैल को युद्धविराम पर सहमति जताई थी। इसके बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव बना हुआ है। अमेरिका का आरोप है कि ईरान अभी भी इस समुद्री रास्ते पर नियंत्रण दिखाने की कोशिश कर रहा है। वहीं अमेरिका ने भी जहाजों की गतिविधियों पर सख्त निगरानी बढ़ा दी है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी सेना ने पांच व्यापारिक जहाजों को रोकने और 116 जहाजों का रास्ता बदलने की कार्रवाई भी की है। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष का असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। तेल सप्लाई प्रभावित होने से पेट्रोलियम उत्पादों और उर्वरकों की कीमतों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। कई देशों को ऊर्जा संकट और महंगाई की चिंता सताने लगी है।

दो देशों के बीच ड्रग्स तस्करी के लिए खोदी सुरंग, लिफ्ट से लेकर रेल तक की सुविधा; 427 करोड़ ? की कोकीन जब्त

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संघीय जांच एजेंसियों ने मेक्सिको से दक्षिणी कैलिफोर्निया तक फैली एक अत्याधुनिक भूमिगत सुरंग का भंडाफोड़ किया है। इसके साथ ही करीब 427 करोड़ रुपये की एक टन से अधिक कोकीन भी जब्त की है। अधिकारियों ने इसे एक शक्तिशाली मैक्सिकन ड्रग कार्टेल के खिलाफ बड़ी कार्रवाई बताया है।

कई महीनों तक चली निगरानी के बाद इस गुप्त तस्करी मार्ग का खुलासा हुआ, जो अमेरिका-मेक्सिको सीमा के पास स्थित एक कथित खुदरा स्टोर के नीचे से होकर गुजरता था। इस मामले में चार लोगों पर मादक पदार्थों की तस्करी समेत अन्य आरोप लगाए गए हैं।

रिटेल स्टोर के नीचे बनाई थी सुरंग : यह भूमिगत सुरंग मेक्सिको के तिजुआना शहर से कैलिफोर्निया के ओटे मेसा पोर्ट ऑफ एंट्री के पास स्थित 'बाय 4

लेस' नामक कथित स्टोर तक जाती थी। संघीय अधिकारियों के अनुसार, सुरंग की लंबाई करीब 1,933 फीट थी और यह जमीन से लगभग 55 फीट नीचे बनाई गई थी। इसमें मजबूत दीवारें, बिजली, वेंटिलेशन सिस्टम और रेल नेटवर्क भी मौजूद था। इस मामले में सैन डिएगो निवासी ग्रेगोरियो एपिफानियो हर्नांडेज लोपेज, मेक्सिको के ब्रैंडन एस्कालांते सैंडोवल, सैन डिएगो के जोस जिमेनेज और मेक्सिको के एंटोनियो कॉर्टेज पर आरोप लगाए गए हैं। हर्नांडेज लोपेज पर सीमा पार सुरंग के इस्तेमाल की साजिश और नियंत्रित पदार्थों के आयात की साजिश का आरोप है। वहीं, चारों आरोपियों पर नियंत्रित पदार्थों के वितरण की साजिश का मामला दर्ज किया गया है। अमेरिकी अटॉर्नी एडम गॉर्डन ने कहा, 'इन आरोपियों के लिए सुरंग के आखिर में रोशनी नहीं थी, बल्कि पुलिस की लाइटें और सायरन थे।' यह जांच होमलैंड सिक्योरिटी टास्क फोर्स ने दिसंबर 2025 से मई 2026 के बीच की। एजेंसियों ने पाया कि 'बाय 4 लेस' नामक व्यवसाय में ग्राहकों की आवाजाही बेहद कम थी और उसकी गतिविधियां सामान्य खुदरा कारोबार से मेल नहीं खाती थीं। जांचकर्ताओं ने हर्नांडेज और अन्य लोगों को कई बार बड़े सूटकेस परिसर से बाहर ले जाते और अन्य संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होते देखा। तलाशी के दौरान अधिकारियों को 851 पैकेट मिले, जिनमें मौजूद पदार्थ की जांच में कोकीन होने की पुष्टि हुई। जब्त खेप में एक ट्रक से 286.2 किलोग्राम, दूसरे ट्रक से 469.4 किलोग्राम और एक वैन से 274 किलोग्राम कोकीन बरामद हुई। कुल मिलाकर लगभग 1,029.6 किलोग्राम से अधिक कोकीन जब्त की गई।

ट्रंप की नाराजगी के बाद पीछे हटे नेतन्याहू, अमेरिकी राष्ट्रपति का दावा– अब लेबनान पर नहीं करेंगे हमले

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि उन्होंने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को लेबनान की राजधानी बेरूत पर बड़े सैन्य हमले से रोक दिया है। ट्रंप के अनुसार, उनकी अपील के बाद नेतन्याहू ने अपने सैनिकों को वापस लौटने का निर्देश दिया। ट्रंप ने सोमवार शाम अपने सोशल मीडिया मंच पर लिखा, 'आज मेरी बीबी नेतन्याहू से बातचीत हुई। मैंने उनसे बेरूत पर बड़े हमले से बचने का अनुरोध किया और उन्होंने अपने सैनिकों को वापस मोड़ दिया। धन्यवाद बीबी!'

ट्रंप ने फोन पर नेतन्याहू से जताई नाराजगी : यह दावा ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिकी मीडिया में दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत को बेहद तनावपूर्ण और तीखी बताया जा रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, यह फोन कॉल उस समय हुई जब ईरान ने लेबनान पर इस्राइली हमलों के कारण अमेरिका के साथ चल रही बातचीत को समाप्त करने की चेतावनी दी थी। इससे पहले नेतन्याहू ने कहा था कि अगर हिजबुल्ला इस्राइल पर हमले नहीं रोकता तो बेरूत में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया जाएगा। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि उन्होंने हिजबुल्लाह नेतृत्व के प्रतिनिधियों से बातचीत की, जिन्होंने इस्राइल और उसके सैनिकों पर गोलीबारी रोकने पर सहमति जताई। ट्रंप के अनुसार, इस्राइल ने भी जवाबी कार्रवाई रोकने पर सहमति दी है। उन्होंने कहा, 'देखते हैं यह व्यवस्था कितने समय तक चलती है। उम्मीद है कि यह हमेशा के लिए बनी रहे।'

ट्रंप और नेतन्याहू के बीच बेहद गरमागरम माहौल में हुई बात : इस बीच, अमेरिकी समाचार वेबसाइट एक्सियोस की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ट्रंप और नेतन्याहू के बीच बातचीत के दौरान माहौल बेहद गरम रहा। रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि ट्रंप ने नेतन्याहू की कार्रवाई पर कड़ी नाराजगी जताई और उन्हें फटकार लगाई। एक अन्य अधिकारी के अनुसार, बातचीत के दौरान ट्रंप ने नेतन्याहू पर दबाव बनाते हुए हमला रोकने की मांग की, जिसके बाद इस्राइली प्रधानमंत्री ने सहमति जताई। उधर, ट्रंप ने एनबीसी न्यूज से बातचीत में कहा कि उन्हें ईरान के साथ वार्ता निलंबित किए जाने की जानकारी पहले से नहीं दी गई थी। हालांकि उन्होंने कहा कि यदि बातचीत बंद भी होती है तो यह कोई असामान्य बात नहीं है। सप्ताहांत से लेकर सोमवार तक अमेरिका और ईरान के बीच हमलों और जवाबी हमलों का दौर जारी रहा, जिससे करीब दो महीने पुराने संघर्षविराम पर संकट गहरा गया है। हालांकि संघर्षविराम लागू है, इसके बावजूद इस्राइल लेबनान में सैन्य अभियान जारी रखे हुए है। हाल ही में इस्राइली सेना ने लेबनान में 26 वर्षों के दौरान अपनी सबसे गहरी सैन्य घुसपैठ को अंजाम दिया।

अमेरिका: अवैध तरीके से ट्रक चलाने वाले 30 भारतीय गिरफ्तार, जल्द होगा निर्वासन; ऑपरेशन चेकमेट के तहत कार्रवाई

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे और व्यावसायिक ट्रक चलाने वाले लगभग 30 भारतीयों को एक संघीय अभियान के तहत गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने कहा है कि इन सभी को जल्द ही देश से निर्वासित किया जाएगा। अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा एजेंसी ने सोमवार को जारी बयान में बताया कि 11 से 15 मई के बीच एरिजोना के युमा सेक्टर में चलाए गए 'ऑपरेशन चेकमेट' के दौरान सीमा गश्ती एजेंटों ने 52 लोगों को गिरफ्तार किया, जो अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे थे। इनमें 36 लोग ऐसे थे जो सेमी-ट्रक चला रहे थे। गिरफ्तार किए गए 36 अवैध ट्रक चालकों में 30 भारतीय नागरिक थे। इसके अलावा मेक्सिको, अल सल्वाडोर और रूस के छह नागरिक भी शामिल थे। अधिकारियों के अनुसार, इन लोगों के पास कैलिफोर्निया, न्यूयॉर्क, वॉशिंगटन और वर्जीनिया जैसे राज्यों से जारी वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस थे, जबकि कुछ के पास किसी भी प्रकार का ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था।

दस्तावेजों की वैधता हो चुकी थी खत्म : एजेंसी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि ज्यादातर लोगों के पास रोजगार प्राधिकरण दस्तावेज थे, जो पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में हासिल किए गए थे, लेकिन अब उनकी वैधता समाप्त हो चुकी थी। सीबीपी ने कहा कि सभी गिरफ्तार व्यक्तियों के खिलाफ संघीय कानून के तहत कार्रवाई की गई है और उन्हें निर्वासित किया जाएगा। एजेंसी ने कहा कि

'ऑपरेशन चेकमेट' का उद्देश्य आव्रजन कानूनों को लागू करते हुए देश में वाणिज्यिक मोटर वाहन चला रहे अवैध व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करना तथा सार्वजनिक सुरक्षा को मजबूत करना है। अमेरिकी सीमा गश्ती बल के युमा सेक्टर के कार्यवाहक प्रमुख एजेंट डस्टिन कॉडल ने कहा, 'ऑपरेशन चेकमेट हमारी उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसके तहत हम समुदायों और सड़कों को ऐसे अवैध चालकों से सुरक्षित रखना चाहते हैं, जो सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं।'

ट्रंप प्रशासन ने जारी किया था कार्रवाई का आदेश : उन्होंने कहा कि संघीय एजेंट प्रतिदिन गश्त कर रहे हैं ताकि ऐसे लोगों को रोका जा सके और अमेरिका की सड़कों पर होने वाली घातक दुर्घटनाओं को टाला जा सके। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के दौरान अमेरिकी परिवहन विभाग ने अयोग्य विदेशी चालकों को वाणिज्यिक ट्रक और बस चलाने के लिए लाइसेंस प्राप्त करने से रोकने संबंधी आदेश भी जारी किया था। पिछले कुछ महीनों में अमेरिका में भारतीय मूल के कई ट्रक चालकों को वाणिज्यिक वाहन चलाते समय घातक सड़क दुर्घटनाओं के मामलों में गिरफ्तार कर उनके खिलाफ आरोप तय किए गए हैं।

सैनिकों की कमी से जूझ रहे इस्राइल में बवाल: सैन्य भर्ती के खिलाफ कट्टरपंथी यहूदी सड़कों पर उतरे, हिंसा-आगजनी

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल में अनिवार्य सैन्य भर्ती के विरोध में सोमवार को हजारों अति-रूढ़िवादी (अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स) यहूदियों ने देशभर में प्रदर्शन किया। जिससे हिंसा और बवाल की स्थिति बन गई। प्रदर्शनकारियों ने प्रमुख सड़कों और रेल मार्गों को अवरुद्ध कर दिया तथा कई स्थानों पर वाहनों में आग लगा दी, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। इस्राइली पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने कई प्रमुख चौराहों को जाम कर दिया और एक स्थान पर बस से उतरे एक सैनिक पर भी हमला किया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को वाटर कैनन और घुड़सवार बल का सहारा लेना पड़ा।

विरोध प्रदर्शन के कारण यरुशलम और तेल अवीव महानगरीय क्षेत्र समेत देश के मध्य हिस्से में यातायात व्यवस्था लगभग ठप हो गई। कई राजमार्ग बंद कर दिए गए और सार्वजनिक परिवहन सेवाएं बाधित रहीं। इस्राइल में अधिकांश यहूदी पुरुषों और महिलाओं के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य है। हालांकि, राजनीतिक रूप से प्रभावशाली अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स समुदाय को लंबे समय से धार्मिक शिक्षण संस्थानों में अध्ययन के आधार पर सैन्य सेवा से छूट मिलती रही है। अब इस छूट पर खतरा मंडरा रहा है।

आम नागरिक कट्टरपंथी यहूदियों को मिली छूट से नाराज : कई आम इस्राइली नागरिक इस व्यवस्था से नाराज हैं, क्योंकि लगातार सैन्य अभियानों के चलते इस्राइली सेना सैनिकों की कमी से जूझ रही है, जिससे सेना पर दबाव बढ़ रहा है। इस बीच भी अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स समुदाय के अधिकांश युवा भर्ती से बाहर रहते हैं। यही मुद्दा प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार के लिए भी संकट बन गया है। अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स दलों द्वारा समर्थन वापस लेने के बाद समय से पहले चुनाव की आशंका भी बढ़ गई है।

क्या कहते हैं आंकड़े : संसदीय समिति के आंकड़ों के अनुसार, हर साल

करीब 13,000 अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स युवा 18 वर्ष की भर्ती आयु तक पहुंचते हैं, लेकिन इनमें से 10 प्रतिशत से भी कम सेना में शामिल होते हैं। सैनिकों की भारी कमी से जूझ रही इस्राइली सेना अनिवार्य सैन्य सेवा की अवधि बढ़ाने पर विचार कर रही है। वर्तमान में अधिकांश यहूदी पुरुषों को लगभग तीन वर्ष और महिलाओं को दो वर्ष की अनिवार्य सैन्य सेवा देनी होती है, जिसके बाद रिजर्व ड्यूटी भी करनी पड़ती है।

कट्टरपंथी यहूदी प्रदर्शनकारी बोले- ये उनके अस्तित्व की लड़ाई : यरुशलम में प्रदर्शनकारी इजराइल ट्रॉपर ने कहा, 'यह समुदाय इसे अपने अस्तित्व की लड़ाई मानता है। सेना में शामिल होने का मतलब धर्म से समझौता करना है। हम अपना धर्म नहीं छोड़ना चाहते, इसलिए यह हमारे लिए जीवन-मरण का सवाल है।' कई प्रदर्शनकारियों ने ऐसे पोस्टर भी उठाए जिन पर लिखा था, 'हम जियोनिस्ट बनकर जीने से बेहतर यहूदी बनकर मरना पसंद करेंगे और हम जियोनिस्ट विचारधारा के लिए सेना में सेवा नहीं करेंगे।'

क्या है इस विवाद की वजह : इस्राइल की आबादी का लगभग 13 प्रतिशत हिस्सा अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स समुदाय का है और यह देश का सबसे तेजी से बढ़ता जनसमूह माना जाता है। 1948 में इस्राइल की स्थापना के समय से ही धार्मिक अध्ययन करने वाले छात्रों को सैन्य सेवा से छूट दी जाती रही है। इन छूटों और धार्मिक शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों को 26 वर्ष की आयु तक मिलने वाली सरकारी आर्थिक सहायता को लेकर लंबे समय से विवाद बना हुआ है। वर्तमान में इस्राइल गाजा, लेबनान और सीरिया में सैन्य मौजूदगी बनाए हुए है, जबकि ईरान के साथ संघर्ष की स्थिति ने भी सेना पर अतिरिक्त दबाव डाला है।

इस्राइल के सर्वोच्च न्यायालय ने 2017 में इन छूटों को अवैध करार दिया था, लेकिन लगातार समय-विस्तार और सरकारी प्रक्रियाओं के कारण यह व्यवस्था अब तक जारी है। इस्राइल के अधिकांश यहूदियों के लिए सैन्य सेवा सामाजिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा और वयस्कता की पहचान मानी जाती है। वहीं, अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स समुदाय को आशंका है कि सेना में भर्ती होने से उनके युवाओं पर धर्मनिरपेक्ष प्रभाव बढ़ेगा और उनकी पारंपरिक जीवनशैली प्रभावित होगी।

जनता दरबार में उपायुक्त की संवेदनशील पहलः मूक-बधिर बच्ची को मौके पर ही मिली कान की मशीन

उपायुक्त आदित्य रंजन ने दिए दिव्यांग प्रमाण पत्र और पेंशन योजना से जोड़ने के निर्देश

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक

धनबादःसमाहरणालय में मंगलवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में आयोजित जनता दरबार में जिला प्रशासन का एक बेहद संवेदनशील चेहरा सामने आया। जनता दरबार में अपनी फरियाद लेकर पहुंची एक मूक-बधिर बच्ची को न सिर्फ तुरंत इलाज की उम्मीद मिली, बल्कि मौके पर ही उसे सुनने की मशीन (हियरिंग ऐड) भी उपलब्ध कराई गई।आर्थिक तंगी बनी थी बाधातेतुलमारी थाना क्षेत्र के सिजुआ पोस्ट की रहने वाली प्रीति कुमारी अपने परिजनों के साथ जनता दरबार पहुंची थी। परिजनों ने उपायुक्त को व्यथा सुनाई कि बच्ची बचपन से ही सुनने की समस्या से जूझ रही है। आर्थिक तंगी इतनी गहरी है कि वे उसके लिए कान की मशीन खरीदने में पूरी तरह असमर्थ हैं।अधिकारियों को तुरंत दिए निर्देशमामले की गंभीरता और बच्ची की तकलीफ को देखते हुए उपायुक्त आदित्य रंजन ने तुरंत संवेदनशीलता दिखाई। उन्होंने मौके पर मौजूद जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप को

तत्काल आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया। प्रशासनिक तत्परता के चलते बच्ची को जनता दरबार में ही कान की मशीन सौंप दी गई। मशीन मिलते ही प्रीति और उसके परिजनों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने जिला प्रशासन का आभार जताया।पेंशन और दिव्यांग प्रमाण पत्र भी बनेगाउपायुक्त ने मामले को सिर्फ मशीन देने तक ही सीमित नहीं रखा।

उन्होंने बच्ची के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए सिविल सर्जन को तुरंत उसका दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने का निर्देश दिया। साथ ही, सहायक निदेशक (सामाजिक सुरक्षा कोषांग) को बच्ची को दिव्यांग पेंशन योजना का लाभ दिलाने की प्रक्रिया शुरू करने के आदेश दिए।संवेदनशील वर्गों के मामले हमारी प्राथमिकताः उपायुक्तइस मौके पर उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि जिला प्रशासन का मुख्य उद्देश्य अंतिम पायदान पर खड़े जरूरतमंद और पात्र व्यक्तियों तक सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाना है। दिव्यांगजनों, बच्चों और अन्य संवेदनशील वर्गों से जुड़े मामलों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करें ताकि कोई भी जरूरतमंद सरकारी सहायता से वंचित न रहे।

सीआईएसएफ की कार्रवाई: अवैध कोयला लदा ऑटो जब्त, तस्कर फरार।

रफ्तार मीडिया संवाददाता

डकरा-पिपरवारः सीआईएसएफ यूनिट सीसीएल एनके एवं पिपरवार ने कोयला चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मंगलवार सुबह एक अवैध कोयला लदा ऑटो जब्त किया है।जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 7:00 बजे गुप्त सूचना के आधार पर सीआईएसएफ के आसूचना बल को रीजनल स्टोर के सामने मुख्य मार्ग पर एक संदिग्ध ऑटो खड़ा मिला। जांच करने पर उसमें अवैध रूप से लदे करीब 8 बोरे कोयला बरामद हुए। सीआईएसएफ की भनक लगते ही चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया था। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर एसआई अनिल कुमार राय की मौजूदगी में जब्त ऑटो और कोयले को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए खलारी थाना को सौंप दिया गया है।

यूनिट के कमांडेंट अमित कुमार ने अवैध गतिविधियों में शामिल तत्वों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि सरकारी संपत्ति की चोरी और तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि खदानों और परिसरों की सुरक्षा के लिए नियमित गश्त के साथ-साथ अब ड्रोन से भी निगरानी रखी जा रही है।

राशन की ओवरलोडिंग पड़ी भारी, FCI गोदाम के शटर में फंसा ट्रैक्टर!

तिसरी/गिरिडीह
रफ्तार मीडिया रंजन कुमार

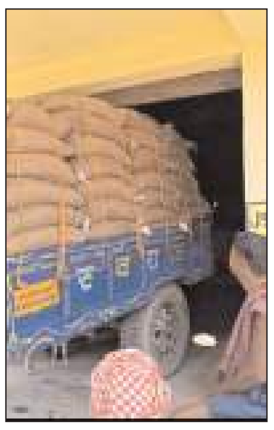

तिसरी एफसीआई गोदाम में डोर टू स्टेप डिलीवरी के तहत डीलर के दुकान तक राशन भेजवाने के लिए राशन का बोरा भरा ट्रैक्टर गोदाम के शटर में फंस गई।काफी मशक्कत ओर ट्रैक्टर में लोड बोरा को उतारने के बाद ट्रैक्टर निकल सकी।

बता दे की एफसीआई गोदाम के अंदर ट्रैक्टर को ले जाकर चावल गेहूं का बोरा लोड की गई।ट्रैक्टर में राशन का बोरा ओवरलोड ओर काफी ऊंचा तक लोड करने से गोदाम से निकलने समय शटर में फंस गई।गोदाम के मजदूरों ने काफी प्रयास किया कि निकल जाय लेकिन ट्रैक्टर में लदा बोरा शटर में फंस जा रही थी।अंततः बोरा को हटाने पर ट्रैक्टर निकल सकी।यह स्थिति देख लोगो ने कहा कि ट्रैक्टर में ओवरलोड राशन का बोरा लादने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई ओर ओवरलोड के कारण डीलर तक पहुंचाने में रास्ते में दुर्घटना का कारण बन सकता है।

मिहिजाम में साइबर ठगों का आतंक: पार्षद के बाद अब व्यवसायी का व्हाट्सएप हैक, ग्रुप में मांगे पैसे; एडमिन ने नंबर को किया रिमूव

दिनेश कुमार रजक
रफ्तार मीडिया संवाददाता
मिहिजाम

मिहिजाम में साइबर फ्रॉड की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। व्हाट्सएप हैक कर परिचितों से पैसे मांगने का नया ट्रेंड लोगों की चिंता बढ़ा रहा है। ताजा मामला कांनगोई निवासी विजय कुमार भगत का है, जिनका व्हाट्सएप अकाउंट हैक कर ठगों ने विभिन्न समूहों में पैसे की मांग शुरू कर दी। इससे पहले वार्ड-19 के पार्षद कैलाश पंडित का व्हाट्सएप भी हैक हो चुका है। लगातार दो प्रतिष्ठित लोगों के अकाउंट हैक होने से शहर में हड़कंप है। साइबर ठग हैक किए गए नंबर से पीड़ित

के परिचितों और व्हाट्सएप ग्रुपों में मैसेज भेजकर इमरजेंसी बताकर रुपयों की मांग कर रहे हैं। विजय कुमार भगत का व्हाट्सएप हैक होने के बाद ठगों ने कई ग्रुपों में पोस्ट कर पैसे मांगे। मामला संज्ञान में आते ही ग्रुप के एडमिन ने तत्काल सतर्कता दिखाते हुए उस नंबर को ग्रुप से रिमूव कर दिया। साथ ही कई लोगों ने भी संदिग्ध नंबर को तुरंत ब्लॉक कर दिया, जिससे बड़ा आर्थिक नुकसान होने से बच गया। पीड़ितों के परिचितों को समय रहते अलर्ट कर दिया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि मिहिजाम में इस तरह की साइबर ठगी की वारदात पहले कभी नहीं हुई थी। लेकिन अब लगातार सामने आ रही घटनाओं ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर ठगों के निशाने पर प्रतिष्ठित लोग ही क्यों हैं? साइबर सुरक्षा को लेकर जागरूकता की कमी भी एक बड़ा कारण मानी जा रही है। लगातार हो रहे साइबर फ्रॉड से लोगों में दहशत है। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस-प्रशासन से साइबर अपराधियों पर नकेल कसने और जागरूकता अभियान चलाने की मांग की है। विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, टू-स्टेप वेरिफिकेशन ऑन रखें और पैसे मांगने वाले मैसेज पर पहले कॉल कर पुष्टि जरूर करें।

आर्थिक तंगी से जूझ रही महिला ने की आत्महत्या, पति बीमार

रफ्तार ब्यूरो

बोकारो

एक महिला के द्वारा आत्महत्या करने का मामला प्रकाश में आया है जबकि मृत महिला का कथित पति बबलू यादव भी पत्नी के शव के नीचे अचेतावस्था में पड़ा मिला है।जिसे पुलिस ने इलाज के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। घटना बोकारो के सिटी थाना क्षेत्र की है। बताया जा रहा है कि सिटी थाना क्षेत्र के सरदार मोहल्ला में एक के 42 वर्षीय महिला सुमित्रा देवी फंदे से लटक कर आत्महत्या कर लिया।सुमित्रा देवी बबलू यादव की दूसरी पत्नी बताई जा रही है। बताया जा रहा है की पहली पत्नी बबलू यादव को छोड़कर किसी अन्य के साथ शादी रचा ली है, तब से बबलू यादव सुमित्रा देवी के साथ अवैध रूप से रह रहा था। परिवार वालों की माने तो बबलू की शादी सुमित्रा देवी के साथ नहीं हुई थी बल्कि इसी तरह बबलू के साथ सुमित्रा देवी रह रही थी। बताया जा रहा है की कथित पति बबलू यादव की तबीयत लंबे अरसे से खराब चल रही थी, और उसी को देखरेख करने के लिए सुमित्रा देवी यहां पहुंची थी, इस बीच यह घटना कैसे घटी पुलिस के लिए भी यह बात अबूझ पहेली बनी हुई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला का शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, जबकि अचेतावस्था में पड़े बबलू यादव को पुलिस ने उठाकर इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया है , खबर के मुताबिक बबलू यादव टीबी के मरीज हैं जो परिवार के भरण पोषण में सक्षम नहीं थे, बबलू यादव का भरा पूरा परिवार कुछ ही दूरी पर निवास करता है लेकिन परिवार से बबलू यादव को कोई लेना देना नहीं था। इधर सिटी थाना के दरोगा अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि यह मामला आत्महत्या प्रतीत होता हैं वैसे पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मामला साफ होगा।

तिसरी में जनमुद्दों को लेकर भाकपा माले का धरना, पूर्व विधायक राजकुमार यादव के नेतृत्व में सौंपा मांग पत्र

तिसरी/गिरिडीह
रफ्तार मीडिया

तिसरी मुख्यालय परिसर में जनमुद्दों ओर समस्याओं को लेकर माले पार्टी के कार्यकताओं ने धनवार पूर्व विधायक राजकुमार यादव के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन किया।धरना स्थल पर माले के वरिष्ठ कार्यकर्ता मंटू शर्मा ने कहा कि ब्लॉक में आम जन की कार्य से कोई सरोकार नहीं है।विकास कार्य को लेकर कोई पहल नहीं की जाती। प्रखंड में जमीन विवाद के मामला काफी बढ़ गया है उसका निष्पादन में सीओ का कोई रुचि नहीं लेते है जिसके कारण विवाद क्षेत्र में बढ़ गई है। तिसरी में सरकारी ओर गैरमजरूआ जमीन धड़ल्ले से बिक रही है।फर्जी कागजात के आधार पर तिसरी मुख्यालय के समीप कई मौजा में बड़ी भूभाग बेचा जा रहा है।भूमाफिया की सक्रियता बढ़ गई है और अंचल इसमें अंकुश लगाने में असमर्थ है।वही ब्लॉक में मनरेगा कार्य प्रभावित है मनरेगा मजदूरों को काम नहीं मिल रहा है।बरवाडीह में पैक्स भवन निर्माण शीघ्र अंचल द्वारा जारी भूमि पर कराया जाय।धरना स्थल से माले पार्टी के एक टीम ने चौबीस सूत्र मांग पत्र बीडीओ के नाम कार्यालय में सौंपा गया।मौके मुन्ना राणा,बालेश्वर यादव,लालू यादव,शंकर राउत,रंजू राम, लालो राय सहित कई माले कार्यकर्ता मौजूद थे।

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) झारखंड प्रदेश कार्यसमिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

(वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर)

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), झारखंड प्रदेश कार्यसमिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आज प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष बीरेन्द्र प्रधान की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष सह चतरा विधायक जनार्दन पासवान भी उपस्थित रहे। बैठक में संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान को गति प्रदान करने, संगठनात्मक मजबूती, झारखंड सरकार की जनविरोधी नीतियों के विरुद्ध जिला स्तर पर आंदोलन चलाने तथा पार्टी की भावी रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया गया कि झारखंड में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने हेतु प्रदेश अध्यक्ष श्री बीरेन्द्र

प्रधान जी को आगामी अवसर पर राज्यसभा सदस्य हेतु या बिहार में होने वाले विधान परिषद चुनाव में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) का आधिकारिक उम्मीदवार बनाए जाने संबंधी प्रस्ताव माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री श्री चिराग पासवान जी के समक्ष भेजा जाए।

इसके अतिरिक्त निष्क्रिय पदाधिकारियों की समीक्षा कर संगठन में सक्रिय एवं योग्य कार्यकताओं को दायित्व सौंपने, झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (खळएळ) में भोजपुरी, मगही एवं अंगिका भाषाओं को शामिल करने हेतु मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित करने, अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के पृथक गठन हेतु राष्ट्रीय नेतृत्व को प्रस्ताव भेजने, प्रदेश कार्यसमिति में सभी प्रमंडलों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने तथा प्रत्येक प्रमंडल में पृथक प्रभारी नियुक्त करने संबंधी विषयों पर भी चर्चा एवं निर्णय लिया गया।

बैठक में पार्टी के अनुशासन को सर्वोपरि रखते हुए पार्टी विरोधी गतिविधियों एवं अनुशासनहीनता में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने पर भी सहमति व्यक्त की गई।

बैठक में उपस्थित कार्यसमिति पदाधिकारियों में रामजी पासवान, उमेश तिवारी, बेलाल खान, आशा राय, कपिल पासवान, आदित्य विजय प्रधान, प्रमोद सिंह, रामसेवक पासवान, शिवजी, रतन पासवान, हाफिजुल हसन, जी.पी. सिंह, अभिषेक राय, राजेश वर्मा, आनंद पांडेय, सुरेंद्र राय, संजीत द्विवेदी आदि उपस्थित थे।

पालकोट-सिमडेगा मार्ग पर केमिकल टैंकर पलटी, चालक घायल

रफ्तार संवाददाता रंजीत पालकोट। पालकोट थाना क्षेत्र अंतर्गत पालकोट-सिमडेगा मुख्य मार्ग पर सोलगा के समीप सोमवार रात्रि एक केमिकल से भरा टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया। दुर्घटना के बाद टैंकर से केमिकल सड़क पर बहने लगा।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टैंकर से रिस रहा केमिकल अत्यधिक गर्म था और सड़क पर फैलते ही तरल अवस्था से ठोस रूप में परिवर्तित होने लगा। केमिकल के अधिक तापमान को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने तत्काल एहतियाती कदम उठाते हुए दमकल वाहन को मौके पर बुलाया। दमकल कर्मियों द्वारा पहले पानी का छिड़काव कर केमिकल के तापमान को नियंत्रित किया गया, जिसके बाद बचाव एवं राहत कार्य शुरू किया गया।दुर्घटना में टैंकर चालक घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। घटना की सूचना मिलते ही पालकोट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और सुरक्षा की दृष्टि से मार्ग पर वाहनों की आवाजाही को कुछ समय के लिए नियंत्रित किया।

पुलिस मामले की जांच में जुटी है तथा टैंकर के अनियंत्रित होकर पलटने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनी आमजनों की समस्या

समामा औसाल, धनबाद

आज दिनांक 02 जून 2026 को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की समस्याओं को सुना गया एवं अश्वासन दिया कि उनके सभी शिकायतों का जल्द से जल्द जाँच कराते हुए उचित समाधान कराया जाएगा।

जनता दरबार में राजगंज,बाघमारा, भूली, पाथरडीह, जामताड़ा, बैंक मोड़, तोपचांची, बरवाअड्डा, निरसा, गोविंदपुर, बेलगड़िया, सिजुआ, टुंडी, केन्दुआडीह सहित अन्य क्षेत्र से आए लोगों की शिकायते सुनीं।

जनता दरबार में रैयती जमीन हड़पने, बिजली बिल माफी, होमगार्ड बहाली के संबंध में, छात्रवृत्ति, मानदेय, मुआवजा नहीं मिलने, म्यूटेशन, ई कल्याण, पुनर्वास, अतिक्रमण मुक्त करने से संबंधित सहित कई अन्य आवेदन प्राप्त हुए।

तिसरी चौक पर हंगामाः कार में मामूली स्क्रेच आने पर दबंगों ने 20 मिनट तक रोकी एम्बुलेंस, पुलिस ने लगाई फटकार

तिसरी/गिरिडीह
संवाददाता रंजन कुमार

तिसरी प्रखंड मुख्यालय स्थित चौक पर मंगलवार को मामूली सी बात को लेकर कार में सवार कुछ लोगों ने
डिलीवरी पेशेंट लाने जा रही है एंबुलेंस को लगभग 20 मिनट तक रोक दिया।

बताया जाता है कि गांवा थाना क्षेत्र के नगवां से कुछ लोग कार में सवार होकर मिजार्गंज स्थित सूर्य मंदिर जा रहे थे। इसी दौरान तिसरी चौक पर विपरीत दिशा से गुजर रही

108 एम्बुलेंस सेवा का वाहन उस कार से सट गई जिससे हल्का स्क्रेच हो गया। इसी बात पर कार में बैठे लोग आग - बबुला हो गए और एम्बुलेंस को रोक दिया। वे लोग एम्बुलेंसकर्मियों से गाड़ी बनवाने की मांग करने लगे ।

मामले की सुचना पर तिसरी पुलिस पहुंची उसके बाद गाड़ी और ड्राइवर का फोन नंबर लेकर फौरन एम्बुलेंस को रवाना करवाया साथ ही उसे रोकने वाले लोगों को फटकार भी लगाई। एम्बुलेंस रोकने वाले लोगों को समझाया कि जब एम्बुलेंस पेशेंट को लेकर अस्पताल आएगी उसके बाद वे लोग उसके ड्राइवर से बात कर नुकसान की भरपाई करवा लें।

सशस्त्र सीमा बल(एसएसबी) द्वारा अंतरवाहिनी क्रिकेट प्रतियोगिता-2026 का शुभारंभ, 16वीं वाहिनी जमुई और 29वीं वाहिनी गयाजी ने दर्ज की जीत

गयाजी/रफ्तार मीडिया
प्रभात सिन्हा/वरीय संवाददाता

सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) क्षेत्रक मुख्यालय (वि.प्र.) गयाजी के तत्वावधान में बोधगया के कालचक्र मैदान में मंगलवार को अंतरवाहिनी क्रिकेट प्रतियोगिता-2026 का भव्य शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन क्षेत्रक मुख्यालय (वि.प्र.) एसएसबी, गयाजी के उपमहानिरीक्षक मानवेन्द्र ने 29वीं वाहिनी एसएसबी, गयाजी के कमांडेंट कुणाल की गरिमामयी उपस्थिति में किया।

विश्व पर्यावरण दिवस से शुरू होगा भाजपा का विशेष अभियान, हजारीबाग में 2 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य

रफ़्तार मिडिया हजारीबाग सुमन सिन्हा

हजारीबाग।भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के निर्देशांनुसार 5 जून से 21 जून तक आयोजित होने वाले विभिन्न जनसंपर्क एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों की सफलता सुनिश्चित करने के लिए हजारीबाग में मंडल संयोजक टोली की कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला सदर विधायक प्रदीप प्रसाद के कार्यालय में संपन्न हुई, जिसमें जिला संगठन प्रभारी एवं प्रदेश एससी मोर्चा अध्यक्ष किशुन दास मुख्य अतिथि तथा विधायक प्रदीप प्रसाद विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए किशुन दास ने कहा कि हजारीबाग

जिले का संगठनात्मक प्रभार मिलना उनके लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकताओं के सहयोग से हजारीबाग भाजपा संगठन को न केवल झारखंड में बल्कि पूरे देश में एक आदर्श संगठन के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर ह्लमां के नाम एक पेड़ह्व अभियान के साथ कार्यक्रमों की शुरूआत होगी, जो पूरे जून माह तक चलेगा। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ किसानों के बीच जैविक खेती को बढ़ावा देने और रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करने के लिए भी विशेष अभियान चलाया जाएगा। वहीं 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को उत्सव के रूप में मनाते हुए स्वस्थ जीवनशैली के प्रति लोगों को जागरूक किया जाएगा।

सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए इस वर्ष जिले में लगभग दो लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस पर बड़े स्तर पर वृक्षारोपण अभियान शुरू किया जाएगा, जिसमें पार्टी के सभी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और आमजन भाग लेंगे। उन्होंने किसानों से जैविक खेती अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्राकृतिक उर्वरकों के उपयोग से न केवल भूमि की उर्वरता बनी रहती है, बल्कि स्वास्थ्यवर्धक अनाज, फल और सब्जियों का उत्पादन भी संभव होता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला महामंत्री एवं जिला संयोजक सर्वेश सिंह ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री जय नारायण प्रसाद और धन्यवाद ज्ञापन जिला उपाध्यक्ष कुणाल किशोर ने किया। कार्यशाला में प्रदेश कार्यसमिति सदस्यों, जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों एवं सैकड़ों भाजपा कार्यकताओं ने भाग लिया।

भाजपा जिला महामंत्री सह जिला मीडिया प्रभारी जय नारायण प्रसाद ने बताया कि आगामी कार्यक्रमों के सफल संचालन के लिए मंडल स्तर पर प्रभारियों की नियुक्ति कर दी गई है और सभी कार्यकताओं को आवश्यक जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं।

प्लस टू उच्च विद्यालय दुम्मा को मिलेगा मुख्यमंत्री स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार

गिरिडीह/रेम्बा रफ्तार संवादाता पवन कुमार राम
राज्य परियोजना निदेशक के निदेशानुसार विद्यालय में स्वच्छता, पेयजल, शौचालय रखरखाव, हैंडवॉश व्यवस्था तथा इको क्लब के माध्यम से हरियाली अभियान के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के आधार पर विभागीय जांच के उपरांत प्लस टू उच्च विद्यालय दुम्मा का चयन प्रखंड स्तरीय "मुख्यमंत्री स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार" के लिए किया गया है।
इस उपलब्धि पर प्रखंड विकास पदाधिकारी जमुआ अमल ने कहा कि विद्यालय का परिसर अपेक्षाकृत छोटा होने के बावजूद सरकार द्वारा निर्धारित सभी गतिविधियां नियमित रूप

से संचालित की जाती हैं। उन्होंने कहा कि प्रभारी प्राचार्य बिनोद कुमार के नेतृत्व में विद्यालय में आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता और अनुशासित शैक्षणिक वातावरण ने इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
यह पुरस्कार शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्रदान किया जा रहा है। शिक्षा विभाग द्वारा शीघ्र ही विद्यालय परिवार को सम्मानित किया जाएगा।
प्रभारी प्राचार्य बिनोद कुमार ने इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी शिक्षकों, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों तथा स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग के प्रति आभार जताया।

धनबाद पुलिस की नई पहल, एसआई-एएसआई को सीधे मिले निर्देश, विशेष ब्रीफिंग कार्यशाला शुरू; 1000 गुम या चोरी हुए मोबाइल बरामद कर लौटाने का लक्ष्य

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद। पुलिसिंग को अधिक प्रभावी, जवाबदेह और जनोन्मुखी बनाने की दिशा में धनबाद पुलिस ने एक नई और अनूठी पहल की है। मंगलवार से पुलिस केंद्र में एक विशेष ब्रीफिंग कार्यशाला की शुरूआत की गई है। इसके पहले दिन जिले के सब-इंस्पेक्टर (एसआई) स्तर के अधिकारियों को प्रशिक्षण और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस महत्वपूर्ण कार्यशाला में एसएसपी प्रभात कुमार, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव और ग्रामीण एसपी एस. मोहम्मद याकूब मुख्य रूप से मौजूद रहे।सीधे संवाद से बढ़ेगी जवाब देहीः एसएसपी कार्यशाला के संबंध में जानकारी देते हुए एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि अब तक डीएसपी, थाना प्रभारी और सर्किल ऑफिसर स्तर के अधिकारियों को ही ब्रीफिंग दी जाती थी। इसके बाद ये अधिकारी अपने अधीनस्थ कर्मियों को निर्देश देते थे। इस व्यवस्था को बदलते हुए धनबाद पुलिस ने अब सब-इंस्पेक्टर और सहायक सब-इंस्पेक्टर (एएसआई) स्तर के अधिकारियों को सीधे ब्रीफ करने का निर्णय लिया है। इससे वरिष्ठ अधिकारियों के निदेशों का जमीन पर बेहतर और सटीक क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सकेगा।बैचवार दिया जा रहा है प्रशिक्षण जिले में वर्तमान में करीब 340 सब-इंस्पेक्टर और लगभग 500 सहायक सब-इंस्पेक्टर कार्यरत हैं। नई व्यवस्था के तहत पहले चरण में एसआई स्तर के अधिकारियों को बैचवार प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके बाद अगले पांच दिनों तक एएसआई स्तर के पुलिसकर्मियों को भी इसी तरह की विशेष ब्रीफिंग दी जाएगी।इन मुख्य विषयों पर रहा ध्यान इस कार्यशाला में पुलिसिंग से जुड़े कई गंभीर और जरूरी मुद्दों पर विस्तार से जानकारी दी जा रही हैःकानून-व्यवस्थाः जिले में शांति और सुरक्षा का माहौल बनाए रखना।अपराध नियंत्रणः आपराधिक घटनाओं पर लगाम कसने के लिए त्वरित कार्रवाई।अनुसंधान की गुणवत्ताः मामलों की जांच को वैज्ञानिक और कानूनी रूप से मजबूत बनाना।जनता से व्यवहारः थानों में आने वाले आम नागरिकों के साथ बेहतर और संवेदनशील व्यवहार करना।ट्रैफिक प्रबंधनः शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम और सुरक्षित बनाना।1000 मोबाइल ढूंढकर लौटाएगी पुलिस इस अभियान के तहत धनबाद पुलिस ने आम जनता से जुड़ा एक बड़ा लक्ष्य भी तय किया है। पुलिस ने जिले में गुम या चोरी हुए 1000 मोबाइल फोन को तकनीकी सेल की मदद से बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों तक पहुंचाने का संकल्प लिया है।धनबाद पुलिस का मानना है कि इस सीधे संवाद और प्रशिक्षण से पुलिसिंग की गुणवत्ता में बड़ा सुधार आएगा। इससे न सिर्फ पुलिस की जवाब देही बढ़ेगी, बल्कि अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में भी इसके बेहतर परिणाम सामने आएंगे।

रांची के होटवार जेल में महिला कैदी से दुष्कर्म की खबरों पर लगा विराम, पीड़िता ने कहा-मेरे साथ कुछ भी गलत नहीं हुआ

(वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर)
रांची : होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में बंद एक महिला कैदी के साथ दुष्कर्म और उसके गर्भवती होने की चचाओं के बीच मामले ने नया मोड़ ले लिया है। जेल से जमानत पर रिहा होने के बाद महिला ने स्वयं सामने आकर इन आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है।

ब्राउन शुगर पैडलिंग के मामले में गिरफ्तार महिला होटवार जेल में बंद थी। इसी दौरान उसके साथ दुष्कर्म होने तथा गर्भवती होने की खबरें सामने आई थीं। इस मामले को लेकर नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने भी प्रेस वार्ता कर जेल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए थे। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने भी संज्ञान लिया था।
हालांकि जेल से बाहर आने के बाद महिला ने कहा कि उसके साथ जेल के अंदर किसी भी प्रकार की कोई गलत घटना नहीं हुई।उसने स्पष्ट किया कि न तो उसने किसी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है और न ही जेल परिसर में किसी तरह की अनैतिक गतिविधि हुई है। महिला ने यह भी कहा कि जेल के अंदर इस प्रकार की घटना होना संभव नहीं है।महिला ने आश्चर्य जताते हुए कहा कि इस तरह की खबरें और आरोप बाहर कैसे पहुंचे, इसकी जानकारी उसे भी नहीं है। वहीं उसकी मां ने भी बेटी के साथ किसी प्रकार की गलत घटना होने से इनकार किया है।

जेईई एडवांस में गयाजी के शुभम का कमाल, देश में प्रथम स्थान

गयाजी/रफ्तार मीडिया
प्रभात सिन्हा/वरीय संवाददाता
बिहार के गयाजी ने एक बार फिर शिक्षा के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। जेईई एडवांस 2026 के घोषित परिणाम में गयाजी के होनहार छात्र शुभम कुमार ने देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले और राज्य का नाम रोशन किया है। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर शहर में खुशी और गर्व का माहौल है।
शुभम कुमार, जो विसार तालाब स्थित ब्रिटिश इंग्लिश स्कूल गुरुकुल के छात्र हैं, ने अपनी मेहनत, लगन और उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर यह मुकाम हासिल किया है। परिणाम घोषित होने के बाद आज विद्यालय परिसर में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सफल छात्रों को मेडल, बुके एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया।

धनबाद में युवा राजद की 'युवा संवाद चौपाल यात्रा' आयोजित, प्रदेश अध्यक्ष ने सरकार को घेरा

रोजगार के वादे पर विफल रही केंद्र सरकार, नीट पेपर लीक से युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ः रंजन यादव

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबादः राष्ट्रीय जनता दल (राजद) राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) की ओर से मंगलवार को लुसी सर्कुलर रोड स्थित एक विवाह भवन में 'युवा संवाद चौपाल यात्रा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में युवा राजद के प्रदेश अध्यक्ष रंजन यादव शामिल हुए इस दौरान धनबाद जिला और महानगर कमेटी के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता और पार्टी नेता उपस्थित रहे ।समारोह को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष रंजन यादव ने केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि हर साल दो करोड़ युवाओं को रोजगार देने का लोकलुभावन वादा कर सत्ता में आई केंद्र सरकार आज पूरी तरह विफल साबित हुई है। युवाओं

को रोजगार देने के बजाय उनके हक और अधिकारों को दबाया जा रहा है। उन्होंने हालिया नीट पेपर लीक मामले का जिक्र करते हुए कहा कि परीक्षाओं में हो रही धांधली और भ्रष्टाचार ने देश के होनहार युवाओं के भविष्य को अंधकार में धकेल दिया है, जिससे युवाओं में भारी आक्रोश है रंजन यादव ने आगे बताया कि राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के मार्गदर्शन में झारखंड के सभी 24 जिलों में यह युवा संवाद चौपाल यात्रा चलाई जा रही है ।कोल्हान और संथाल परगना के बाद यह यात्रा अब उत्तरी छोटानागपुर के धनबाद पहुंची है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य राज्य के स्थानीय युवाओं को एकजुट करना, उन्हें पार्टी की नीतियों से जोड़ना तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसरों के प्रति जागरूक करना है ।उन्होंने जोर देकर कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक उसका हक, अधिकार और सम्मान पहुंचाना ही राजद का मूल संकल्प है। इसके लिए युवाओं को संगठित कर एक मजबूत शक्ति के रूप में खड़ा किया जा रहा है ताकि वे अपने हक की लड़ाई खुद लड़ सकें।
कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं ने भी युवाओं की बढ़ती भागीदारी पर खुशी जताई और संगठन को पंचायत स्तर तक मजबूत करने का संकल्प लिया।

रांची समाहरणालय में बवालः एसडीओ कार्यालय के कर्मचारी से मारपीट, कर्मचारियों में आक्रोश

(वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर)
रांची : समाहरणालय स्थित एसडीओ कार्यालय में मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया जब कार्यालय के एक कर्मचारी के साथ कथित तौर पर कुछ वकीलों द्वारा मारपीट किए जाने का मामला सामने आया।
घटना समाहरणालय के बी-ब्लॉक स्थित कमरा संख्या-211 में हुई, जहां एसडीओ कार्यालय के कर्मचारी महेंद्र कुमार दास कार्यरत हैं। पीड़ित कर्मचारी ने मारपीट के साथ-साथ जातिसूचक गालियां देने का भी आरोप लगाया है। घटना के बाद पूरे समाहरणालय परिसर में तनाव और आक्रोश का माहौल बन गया।

जन्म प्रमाण पत्र को लेकर शुरू हुआ विवाद
जानकारी के अनुसार, सोमवार को एक महिला अधिवक्ता जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के सिलसिले में एसडीओ कार्यालय पहुंची थीं। बताया जा रहा है कि आवेदन के

साथ अस्पताल द्वारा जारी मूल जन्म प्रमाण पत्र संलग्न नहीं था। आवश्यक दस्तावेज नहीं होने के कारण कर्मचारी महेंद्र कुमार दास ने आवेदन वापस कर दिया। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी भी हुई थी।

अगले दिन कार्यालय में घुसकर हमला करने का आरोप
कर्मचारियों के अनुसार, मंगलवार को महेंद्र कुमार दास अपने कार्यालय में नियमित कार्य कर रहे थे। इसी दौरान कुछ वकील कार्यालय पहुंचे और देखते ही देखते विवाद बढ़ गया। आरोप है कि वकीलों ने कार्यालय के अंदर घुसकर महेंद्र कुमार दास के साथ मारपीट की। कर्मचारियों ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन तब तक उन्हें चोट पहुंच चुकी थी।

महिला कर्मचारियों से अभद्र व्यवहार का भी आरोप
घटना के दौरान कार्यालय में मौजूद महिला कर्मचारियों के साथ भी कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किए जाने की बात सामने आई है। इस आरोप के बाद महिला कर्मियों में नाराजगी और असुरक्षा की भावना देखी जा रही है। कर्मचारियों का कहना है कि सरकारी कार्यालयों में इस तरह की घटनाएं प्रशासनिक व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती हैं।

दोषियों पर कार्रवाई की मांग
घटना के बाद बड़ी संख्या में कर्मचारी एकजुट हो गए और एसडीओ कुमार रजत को ज्ञापन सौंपने की तैयारी में जुट गए। कर्मचारियों ने दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने, सख्त कानूनी कार्रवाई करने तथा समाहरणालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।
घटना को लेकर दिनभर समाहरणालय के विभिन्न कार्यालयों में चर्चा होती रही और कर्मचारियों में भारी आक्रोश देखा गया। प्रशासन की ओर से मामले की जांच और आगे की कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

रांची उपायुक्त ने एसआईआर और जनगणना कार्य में तेजी लाने का दिया निर्देश

उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री का निर्देश लापरवाह बीएलओ पर होगी कार्रवाई

सौरभ राय/ रफ्तार मीडिया
रांचीः रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय में एसआईआर और जनगणना कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान मतदाता सूची के अद्यतन, पात्र मतदाताओं की मैपिंग, जनगणना कार्यों की प्रगति तथा विभिन्न स्तरों पर हो रहे कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी कार्यों को गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने जिलों में चल रहे मैपिंग कार्यों का लिया जायजा
बैठक में जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिले के सभी सात विधानसभा क्षेत्रों के निवार्ची निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ), सहायक निवार्ची निबंधन पदाधिकारी (एईआरओ), जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी सह उप जिला जनगणना पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने जिले में चल रहे मतदाता मैपिंग कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए सभी ईआरओ और एईआरओ को अपने अपने क्षेत्रों में अनमैप्ड मतदाताओं की

पहचान कर उनकी मैपिंग निर्धारित समय के भीतर पूरी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता और समावेशिता लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है, इसलिए किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से छूटना नहीं चाहिए।

सत्यापन प्रक्रिया में किसी प्रकार की परेशानी ना हो- मंजूनाथ भजंत्री
रांची उपायुक्त ने सभी मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल एजेंट (बीएलए), बीएलए 2, बीएलओ सुपरवाइजर और बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) की बैठकें शीघ्र आयोजित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बीएलए 2 एवं बीएलओ के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर मतदाता सत्यापन एवं मैपिंग कार्य को अधिक प्रभावी बनाया जाए। साथ ही मतदाताओं को घोषणा पत्र और गणना पत्र के साथ संलग्न किए जाने वाले 11 स्वीकृत दस्तावेजों की स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराई जाए, ताकि सत्यापन प्रक्रिया में किसी प्रकार की परेशानी न हो।बैठक में विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त बीएलओ संबंधी शिकायतों पर उपायुक्त ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्य में लापरवाही बरतने वाले बीएलओ के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को प्रतिदिन कार्यों की समीक्षा करने, क्षेत्रीय भ्रमण बढ़ाने तथा प्राप्त शिकायतों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों का अक्षरशः पालन करते हुए सभी कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा करने को कहा।
बैठक में जनगणना कार्यों की भी समीक्षा की गई।

जनगणना राष्ट्रीय महत्व का कार्य है- मंजूनाथ भजंत्री
प्रधान जनगणना पदाधिकारी सह रांची उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने अपने संबोधन में कहा कि जनगणना राष्ट्रीय महत्व का कार्य है और इसके आंकड़े भविष्य की नीतियों एवं योजनाओं के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए प्रत्येक परिवार और भवन का सही एवं अद्यतन विवरण दर्ज किया जाना आवश्यक है।उन्होंने जनगणना कार्य में लगे अधिकारियों एवं कर्मियों को कार्य की गुणवत्ता और शुद्धता बनाए रखने का निर्देश देते हुए भवनों पर लगाए जाने वाले स्टिकरों को निर्धारित मानक के अनुरूप सही स्थान पर चिपकाने को कहा। उपायुक्त ने जनगणना कार्य में संलग्न कर्मियों की नियमित मॉनिटरिंग तथा निर्धारित प्रक्रियाओं के शत-प्रतिशत अनुपालन पर भी विशेष जोर दिया।बैठक के अंत में उपायुक्त ने मतदाता सूची पुनरीक्षण एवं जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल बताते हुए सभी अधिकारियों को पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का निर्देश दिया।

नाली के अभाव में गंदगी और कीचड़ से जूझ रहे गोंसाईडीह के ग्रामीण, बच्चे हो रहे घायल

रफ्तार मीडिया संवाददाता छतरपुर (पलामू): प्रखंड अंतर्गत पंचायत बगैया के ग्राम गोंसाईडीह में नाली निर्माण नहीं होने के कारण ग्रामीणों को लंबे समय से गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। घरों से निकलने वाला गंदा पानी सीधे सड़क पर बह रहा है, जिससे पूरे इलाके में कीचड़, गंदगी और दुर्गंध का माहौल बना हुआ है।
स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि लोगों का घर से निकलना और आवागमन करना भी मुश्किल हो गया है। गर्मी के मौसम में भी हालात बदतर हैं, जबकि बरसात के दिनों में समस्या और विकराल रूप ले लेती है।
फिसलन भरी सड़कों के कारण कई ग्रामीण गिरकर घायल हो चुके हैं। खासकर छोटे बच्चों के फिसलकर चोटिल होने की घटनाएं बढ़ने से अभिभावकों में डर और चिंता का माहौल है।
ग्रामीणों द्वारा कई बार संबंधित अधिकारियों को आवेदन देकर नाली निर्माण की मांग की गई, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है।
इसी समस्या को लेकर आज नवयुवक संघ गोंसाईडीह की समिति ने पंचायत के मुखिया से मुलाकात कर नाली निर्माण की मांग को प्रमुखता से उठाया। मुखिया ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि नाली निर्माण कार्य जल्द ही शुरू कराया जाएगा।
ग्रामीणों को उम्मीद है कि जल्द से जल्द इस गंभीर समस्या का समाधान होगा, जिससे उन्हें गंदगी और जलभराव की समस्या से राहत मिल सकेगी।

स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री हुए सख्त, एम्बुलेंस मॉनिटरिंग हेतु एआई कंट्रोल रूम और अबुआ दवाखाना शुरू होगा- हेमन्त सोरेन

सौरभ राय/ रफ्तार मीडिया
रांचीः मंगलवार को राज्य के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने झारखंड मंत्रालय में स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग की अद्यतन कार्य प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं मजबूत बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने स्पष्ट रूप से कहा कि प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण, सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस दिशा में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी सहित संबंधित अधिकारियों की मौजूदगी रही।

मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग से जुड़ी व्यवस्थाओं का किया विस्तारपूर्वक समीक्षा
मौके पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली, सरकारी अस्पतालों के बुनियादी ढांचे, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता, दवाओं की आपूर्ति, डिजिटल मॉनिटरिंग व्यवस्था तथा विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य के प्रत्येक नागरिक, विशेषकर बच्चों का हेल्थ प्रोफाइल तैयार करने की दिशा में कार्य शुरू किया जाए, ताकि स्वास्थ्य संबंधी सूचनाओं का वैज्ञानिक और व्यवस्थित डेटाबेस तैयार हो सके।

एम्बुलेंस सेवाओं पर जताई गई नाराजगी
बैठक के दौरान मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राज्य में संचालित एम्बुलेंस सेवाओं की स्थिति पर असंतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को इसकी मॉनिटरिंग के लिए एआई आधारित कंट्रोल रूम स्थापित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि दुर्घटना अथवा आपातकालीन परिस्थितियों में समय पर एम्बुलेंस उपलब्ध होना जीवन बचाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए एम्बुलेंस नेटवर्क को तकनीक आधारित, त्वरित और जवाबदेह बनाया जाए।मुख्यमंत्री ने अस्पतालों से संबद्ध सभी एम्बुलेंसों को पूरी तरह कार्यशील रखने, सेवाओं में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ओला और उबर की तर्ज पर एम्बुलेंस सेवा विकसित करने की संभावनाओं का अध्ययन कर एक सप्ताह के भीतर विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत करने को भी कहा।

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए अलग अलग स्वास्थ्य रणनीति
वहीं,मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि झारखंड के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की स्वास्थ्य चुनौतियां अलग-अलग हैं। ऐसे में दोनों क्षेत्रों के लिए अलग कार्ययोजना तैयार की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप स्वास्थ्य सुविधाओं का विकास करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन को लेकर विस्तृत अध्ययन करने का निर्देश दिया।उन्होंने कैंसर, हृदयाघात, ब्रेन स्ट्रोक, लकवा, मधुमेह जैसी गंभीर बीमारियों से संबंधित आपातकालीन सेवाओं को मजबूत करने पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सीधा असर राज्य की अर्थव्यवस्था और सामाजिक विकास पर पड़ता है, इसलिए समय पर जांच और उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

एएनएम और जीएनएम और चिकित्सकों की नियुक्ति में तेजी लाने का निर्देश
समीक्षात्मक बैठक में मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य क्षेत्र में मानव संसाधन की कमी को गंभीर विषय बताते हुए एएनएम, जीएनएम, विशेषज्ञ चिकित्सकों और अन्य डॉक्टरों की नियुक्ति प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि स्टाफ की कमी के कारण मरीजों के इलाज पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए। सरकार का लक्ष्य है कि सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाई जाएं।

मेडिकल कॉलेजों में बढ़ाई जाएगी सीटें
बैठक में राज्य के मेडिकल कॉलेजों की स्थिति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने यूजी और पीजी सीटों में वृद्धि की दिशा में पहल करने का निर्देश दिया। उन्होंने पैरालाइसिस अटैक और ब्रेन स्ट्रोक के मरीजों के लिए मेडिकल कॉलेजों में विशेष सुविधाएं विकसित करने को कहा। साथ ही कोडरमा, बोकारो, चाईबासा, दुमका, जमशेदपुर और हजारीबाग में निमार्णाधीन सरकारी मेडिकल कॉलेजों के कार्यों में तेजी लाकर समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

बिजली संकट पर विधायक रागिनी सिंह का बड़ा हस्तक्षेप, महाप्रबंधक को सौंपा 10 सूत्री मांग पत्र

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोविंद खेत्रपाल । झरिया विधानसभा क्षेत्र में लगातार हो रही बिजली कटौती, जर्जर विद्युत व्यवस्था और उपभोक्ताओं की बढ़ती परेशानियों को लेकर झरिया विधायक रागिनी सिंह ने मंगलवार को झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (खइश्ठछ) के महाप्रबंधक से मुलाकात कर विस्तृत वार्ता की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की गंभीर बिजली समस्याओं से अवगत कराते हुए 10 सूत्री मांग पत्र सौंपा और अविलंब समाधान की मांग की।

विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि भीषण गर्मी के इस दौर में नियमित बिजली आपूर्ति नहीं होने से झरिया विधानसभा क्षेत्र की जनता भारी परेशानियों का सामना कर रही है। प्रतिदिन 10 से 12 घंटे तक बिजली बाधित रहने से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। उन्होंने कहा कि कई क्षेत्रों में ट्रांसफार्मर खराब पड़े हैं, खुले बिजली के तार दुर्घटनाओं को आमंत्रित कर रहे हैं तथा शिकायतों के बावजूद त्वरित कार्रवाई नहीं हो रही है।सौंपे गए मांग पत्र में डिगवाडीह सब स्टेशन अंतर्गत भागा फीडर के लोड को दो भागों में विभाजित करने, झरिया एवं डिगवाडीह सब स्टेशनों में खराब पड़े 10 एमवीए एवं 5 एमवीए ट्रांसफार्मरों की मरम्मत कराने, विभिन्न क्षेत्रों में 10 आरएमयू स्विच उपलब्ध कराने तथा सभी ट्रांसफार्मरों का नियमित रखरखाव सुनिश्चित करने की मांग की गई।

इसके अलावा बिजली आपूर्ति में अनावश्यक कटौती पर रोक लगाने, आपातकालीन परिस्थितियों में अधिकारियों एवं कर्मियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, ठेका एवं मैनेज कर्मियों को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने, रात्रि पाली में फील्ड स्टाफ की तैनाती करने, खुले 220 वोल्ट तारों की शीघ्र केबलिंग कराने तथा भारतीडीह बस्ती में लगाए गए ट्रांसफार्मर एवं तार के माध्यम से जल्द बिजली आपूर्ति शुरू करने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई।

विधायक रागिनी सिंह ने कहा, झरिया की जनता को बिजली जैसी मूलभूत सुविधा के लिए संघर्ष करना पड़े, यह स्वीकार्य नहीं है। भीषण गर्मी में घंटों बिजली गुल रहने से बच्चों की पढ़ाई, व्यापारिक गतिविधियां और आम लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। जनता की समस्याओं को लेकर मैंने महाप्रबंधक के समक्ष सभी मुद्दों को मजबूती से रखा है और शीघ्र समाधान की मांग की है।

चेन स्नेचरों का आतंक, बैंक से लौट रही महिला के गले से सोने की चेन झपटी, जांच में जुटी पुलिस

आशीष कुमार मुखर्जी/रफ्तार मीडिया

कुजू/रामगढ़: कुजू ओपी क्षेत्र में बेखौफ चेन स्नेचरों का आतंक एक बार फिर देखने को मिला है। मंगलवार दोपहर को अपराधियों ने एक महिला को अपना निशाना बनाया और उनके गले से सोने की चेन छीनकर फरार हो गए। इस घटना के बाद से स्थानीय व्यवसायियों और आम नागरिकों में असुरक्षा का माहौल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुजू ओपी क्षेत्र के मेन रोड कुजू बस्ती की रहने वाली मंदोदरी देवी पति स्वर्गीय बैजनाथ केशरी दोपहर करीब 3:00 बजे बैंक ऑफ इंडिया की कुजू शाखा से पैसे की निकासी कर पैदल अपने घर लौट रही थीं। इसी दौरान रास्ते में पीछे से एक मोटरसाइकिल पर सवार दो अज्ञात अपराधी वहां पहुंचे।

पता पूछने के बहाने रोका, फिर दिया वारदात को अंजाम

अपराधियों ने सुनियोजित तरीके से महिला को निशाना बनाया। बाइक सवार युवकों ने किसी का घर का पता पूछने के बहाने महिला को रोका। मंदोदरी देवी जब तक कुछ समझ पातीं या पता बताने की कोशिश करतीं, तब तक बाइक पर पीछे बैठे अपराधी ने उनके गले पर जोरदार झपट्टा मारा और सोने की चेन खींच ली। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों अपराधी तेजी से बाइक पर सवार होकर मुख्य सड़क की ओर फरार हो गए।

अचानक हुई इस घटना से पीड़िता सहम गईं। बाद में उन्होंने स्थानीय लोगों की मदद से कुजू ओपी पहुंचकर मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई और अपराधियों की गिरफ्तारी की गुहार लगाई। वहीं पुलिस के द्वारा मामले की छानबीन की जा रही है ।

स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में बैंक के आसपास पुलिस गश्त बढ़ाने की सख्त जरूरत है, ताकि भविष्य में ऐसी वारदातों पर अंकुश लगाया जा सके।

सीआईएसएफ की कार्रवाई: अवैध कोयला लदा ऑटो जब्त, तस्कर फरार।

रफ्तार मीडिया संवाददाता

डकरा-पिपरवार: सीआईएसएफ यूनिट सीसीएल एनके एवं पिपरवार ने कोयला चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मंगलवार सुबह एक अवैध कोयला लदा ऑटो जब्त किया है।?जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 7:00 बजे गुप्त सूचना के आधार पर सीआईएसएफ के आसूचना बल को रीजनल स्टोर के सामने मुख्य मार्ग पर एक संदिग्ध ऑटो खड़ा मिला। जांच करने पर उसमें अवैध रूप से लदे करीब 8 बोरे कोयला बरामद हुए। सीआईएसएफ की भनक लगते ही चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया था। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर एसआई अनिल कुमार राय की मौजूदगी में जब्त ऑटो और कोयले को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए खलारी थाना को सौंप दिया गया है।

यूनिट के कमांडेंट अमित कुमार ने अवैध गतिविधियों में शामिल तत्वों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि सरकारी संपत्ति की चोरी और तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

भाजपा की संगठनात्मक बैठक में 12 साल बेमिसाल कार्यक्रम की रणनीति तय, 5 जून को होगा पौधारोपण अभियान

झुमरीतिलैया - भारतीय जनता पार्टी जिला कोडरमा की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक गुरुकृपा भवन, कोडरमा में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला प्रभारी एवं रामगढ़ के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रवीन मेहता उपस्थित रहे।

बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री विजय यादव एवं नरेंद्र पाल ने संयुक्त रूप से किया।

बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफल 12 वर्षों को समर्पित 12 साल बेमिसाल कार्यक्रम को जन-जन तक पहुंचाने की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही आगामी संगठनात्मक एवं जनसंपर्क कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तय की गई।

बैठक में निर्णय लिया गया कि 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जिले के सभी भाजपा कार्यकर्ता पौधारोपण करेंगे। इसके अलावा 8 जून से 14 जून तक व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। अभियान के अंतर्गत सांसद एवं विधायक समाज के 50 प्रमुख लोगों से संपर्क करेंगे, जबकि जिला अध्यक्ष एवं मंडल अध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्रों में 25 प्रमुख नागरिकों से मिलकर केंद्र सरकार की उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देंगे। इसके अतिरिक्त 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस तथा 25 जून को आपातकाल विषय पर संगोष्ठी आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया।

इस अवसर पर जिला प्रभारी प्रवीन मेहता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन एवं गरीब कल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि वे सरकार की उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाएं तथा जनता के साथ सतत संवाद बनाए रखें।

जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने कहा कि भाजपा संगठन ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। आगामी सभी कार्यक्रमों को बूथ स्तर तक सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए कार्यकर्ताओं को पूरी सक्रियता के साथ जुटना होगा। उन्होंने कहा कि 12 साल बेमिसाल कार्यक्रम एवं जनसंपर्क अभियान के माध्यम से केंद्र सरकार की जनहितकारी नीतियों और उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाया जाएगा।

बैठक में जिला उपाध्यक्ष संगीता सिन्हा, सुभाष मोदी, राजकुमार यादव, गोपाल कुमार गुतुल, जिला मंत्री सुधीर सिंह, सुनीति सेठ, अनीता देवी, मनोज चौधरी, मीडिया प्रभारी विजय वर्णवाल, पूर्व जिला मंत्री सूरज प्रताप मेहता सहित विभिन्न मंडलों के अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में भाजपा के ज्येष्ठ एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अग्रसेन सरस्वती विद्यामंदिर ने रामनाथ सिंह मेमोरियल अंतर स्कूल अंडर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता का खिताब जीता

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोविंद खेत्रपाल । झरिया। मंगलवार को टाटा डिगवाडीह स्टेडियम में खेले गए फाइनल में अग्रसेन सरस्वती विद्यामंदिर ने डीएवी स्कूल कोयलानगर को 41 रनों से हरा दिया। टास अग्रसेन सरस्वती विद्यामंदिर ने जीता और उसकी टीम पहले बल्लेबाजी करने मैदान में उतरी। हालांकि उसके बल्लेबाज निर्धारित 20 ओवर भी खेल नहीं पाए और एक गेंद शेष रहते नौ विकेट पर 96 रन ही बना सके। इसमें अंश तिवारी ने 33 रनों का शानदार योगदान दिया। इसके अलावा भूपेंद्र केवट ने 12 और जीत वर्मा ने दस रन बनाए। डीएवी के आयुष राज ने 16 पर दो,

आकाश कुमार विश्वकर्मा ने 16 पर दो और कुमार अंशुमन व युवराज ने एक-एक विकेट लिए।

बाद में बल्लेबाजी करने उतरी डीएवी की टीम इस छोटे से लक्ष्य को हासिल करने में विफल रही और उसके सभी बल्लेबाज 14 ओवर में 55 रन पर आउट हो गई। शिवांश तेजस ने 13 और आयुष राज ने दस रन बनाए। वहीं अग्रसेन सरस्वती विद्यामंदिर के लिए अभिमन्यु राय ने 14 पर चार और दीपक कोयरी ने आठ पर दो विकेट लिए।

बाद में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि बीसीसीएल लोदना एरिया के महाप्रबंधक अनिल कुमार सिन्हा ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्राफियां प्रदान की। डीसीए के महासचिव विनय कुमार सिंह, उपाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह, जावेद खान व गुरमीत सिंह डांग, कोषाध्यक्ष ललित जगनानी, सहायक कोषाध्यक्ष सुनील कुमार व संयुक्त सचिव बीएच खान ने टूनामेंट के मैचों में चुने गए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर अंपायर मणिशंकर झा, प्रिंस कुमार शर्मा व स्कोरर दीपक कुमार उपस्थित थे।

26वीं सब-जूनियर झारखंड राज्य बास्केटबॉल चैम्पियनशिप हेतु धनबाद टीम को शुभकामनाएं

समामा औसाल, धनबाद

धनबाद जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित चयन प्रक्रिया के उपरांत धनबाद पब्लिक स्कूल, गोविंदपुर रोड, धनबाद के 12 खिलाड़ियों का चयन 26वीं सब-जूनियर झारखंड राज्य बास्केटबॉल चैम्पियनशिप-2026 के लिए किया गया है। यह प्रतियोगिता 04 से 06 जून 2026 तक पाकुड़, झारखंड में आयोजित होगी। चयनित खिलाड़ी धनबाद जिला टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे।

इस अवसर पर जिला खेल पदाधिकारी, धनबाद ने सभी चयनित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल प्रदर्शन की कामना की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों का चयन उनकी मेहनत,

अनुशासन एवं खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है तथा उन्हें राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में धनबाद जिले का नाम गौरवान्वित करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

धनबाद जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भी सभी चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं प्रदान कीं तथा प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। जिला खेल विभाग, धनबाद के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि टीम राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर जिले का गौरव बढ़ाएगी। टीम के साथ जिला कोच एवं मैनेजर के रूप में आर्यन एंथोनी एवं संजय गोराई खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे। चयनित खिलाड़ियों के अभिभावकों एवं विद्यालय प्रबंधन को भी खिलाड़ियों की उपलब्धि पर बधाई दी गई।

बालूमाथ में ट्रेन सेवा को लेकर कांग्रेस का भाजपा पर हमला, वादाखिलाफी का लगाया आरोप

रफ्तार मीडिया बालूमाथ

बालूमाथ (लातेहार): बालूमाथ प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष ने पैसेंजर ट्रेन सेवा के मुद्दे पर भाजपा सांसद और उनके प्रतिनिधियों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2024 के चुनावी दौरान बालूमाथ में आयोजित जनसभा में भाजपा नेताओं द्वारा 100 दिनों के भीतर बालूमाथ से पैसेंजर ट्रेन चलाने का वादा किया गया था, लेकिन आज तक यह वादा पूरा नहीं हुआ।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि अब भाजपा नेता यह कहकर जनता को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं कि सांसद ने ऐसा कोई वादा नहीं किया था। उन्होंने दावा किया कि उस समय की जनसभाओं में दिए गए भाषण और अखबारों में प्रकाशित समाचार इस बात के प्रमाण हैं कि जनता से ट्रेन सेवा शुरू करने का आश्वासन दिया गया था।उन्होंने भाजपा पर जनता की आंखों में धूल झोंकने और अपनी विफलताओं को छिपाने का आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव खत्म होते ही जनता से किए गए वादे भुला दिए गए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि बालूमाथ एवं आसपास के क्षेत्रों की जनता लंबे समय से रेल सुविधा की मांग कर रही है। ट्रेन सेवा नहीं होने से छात्रों, मरीजों, मजदूरों और व्यापारियों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।कांग्रेस नेता ने कहा कि सांसद महोदय को जनता के बीच आकर स्पष्ट करना चाहिए कि ट्रेन सेवा शुरू करने का उनका वादा आखिर कहां गया। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या जनता से वोट लेने के लिए केवल बड़े-बड़े वादे करना ही भाजपा की राजनीति बन गई है। उन्होंने कहा कि जनता ने विकास और सुविधाओं के नाम पर समर्थन दिया था, लेकिन बदले में उन्हें केवल आश्वासन, बयानबाजी और भ्रम ही मिला है।

नामकुम में एक रात तीन घरों में लाखों की गहने व नगदी की चोरी....

नामकुम संवाददाता

सोमवार रात थाना क्षेत्र के बरगावां में अज्ञात चोरों ने तीन घरों में चोरी कर लाखों की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया। बताया जा रहा है कि तीनों पीड़ित परिवार घर से बाहर थे, जिसका फायदा उठाकर चोरों ने ताला तोड़कर नगदी और आभूषण चुरा लिये।

जिसे लेकर बरगावां निवासी रोहित रुण्डा और एतवा तिर्की ने नामकुम थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज प्राथमिकी में पीड़ित रोहित रुण्डा ने बताया है कि वे सोमवार शाम करीब चार बजे अपने माँ के साथ टाटीसिलवे में मामा के घर छठी कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। मंगलवार सुबह जब वे घर लौटे तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखा तो आलमीरा का लॉकर भी टूटा हुआ था और उसमें रखे सभी आभूषण व नगद रुपये गायब थे।

वहीं दूसरी चोरी के संबंध में एतवा तिर्की ने बताया है कि वे अपने परिवार के साथ जोरार के पाहन टोली स्थित ससुराल गए हुए थे। जब वे वापस घर लौटे तो अलमीरा का ताला टूटा पाया। जांच करने पर अलमीरा में रखे आभूषण और नकदी गायब मिली।

वही तीसरे मामले में पीड़ित अजय कुमार महतो अपने परिवार के साथ अपने गांव गए हुए हैं।उन्होंने बताया कि वापस लौट कर वे जांच कर प्राथमिकी दर्ज कराएंगे।थानेदार रामनारायण सिंह ने बताया कि पुलिस मामला दर्ज कर आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

आसानचुवा की आवाज: जर्जर स्कूल पर उठी नए भवन की मांग, डीसी ने दिया भरोसा

दिनेश कुमार रजक
रफ्तार मीडिया संवाददाता
मिहिजाम

उत्क्रमित मध्य विद्यालय, आसानचुवा के जर्जर भवन को लेकर ग्रामीणों और अभिभावकों का सब्र आखिरकार टूट गया। शिक्षा के इस मंदिर की बदहाल तस्वीर बदलने के लिए सैकड़ों ग्रामीण झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के जिलाध्यक्ष मनतोष कुमार महतो के नेतृत्व में सोमवार को उपायुक्त कार्यालय पहुंचे और नए भवन निर्माण की मांग को लेकर आवेदन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त को बताया कि विद्यालय का खपरैलनुमा भवन पूरी तरह जर्जर हो चुका है। कमजोर दीवारें और टूटी छत कभी भी गिर सकती हैं। बरसात में कक्षाओं में पानी भर जाने से पढ़ाई ठप हो जाती है। बच्चों और शिक्षकों की सुरक्षा पर हर वक्त खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा जिलाध्यक्ष मनतोष कुमार महतो ने कहा कि बच्चों का भविष्य और उनकी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं हो सकता। उन्होंने प्रशासन से लंबित फाइलों की स्थिति स्पष्ट करने और निर्माण प्रक्रिया में तेजी लाने की मांग की। उपायुक्त ने मामले को गंभीरता से लेते हुए लंबित प्रक्रिया की समीक्षा कर शीघ्र आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

पीआरजीआई/आरएनआई पंजीयन संख्या RNI NO. JHHIN/26/3481 स्वतत्वाधिकारी,संपादक एवं प्रकाशक गौरव कुमार, कार्यकारी संपादक अरविंद कुमार, उत्तम निवास, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, अरगोड़ा थाना के पास, हरमू, रांची, झारखंड 834002 से प्रकाशित, एसएच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, रातू काठीटांड़ नियर टेंडर बगीचा एचपी पेट्रोल पंप, पीओ रातू, रांची 835222 से मुद्रित, फोन नंबर 6203592707,ईमेल -raftaarhr@gmail.com(पीआरबी अधिनियम के तहत समाचारों के चयन के लिए जिम्मेवार) समस्त विवादों का क्षेत्राधिकार रांची न्यायलय रहेगा।